आदिवासी एक्सप्रेस

आमजन का एक मात्र हिंदी दैनिक अखबार

रांची, गुरूवार
24 अप्रैल 2025
वर्ष: 38, अंक: 144
पृष्ठ: 12, मूल्य: 3रु
RNI NO.: 49065/1989
DAVP CODE: 130961

देश

हमलावरों के साथ साथ साजिश रचने वालों को भी जल्द दिया जायेगा मुंहतोड़ जवाब: राजनाथ सिंह

संथाल

उपायुक्त ने सभी से आग्रह किया कि वे ज्यादा से ज्यादा लोगों को प्रेरित कर रक्तदान करवाएं

हज़ारीबाग

आजीविका चलाने एवम आत्मनिर्भर बनाने के लिए महिलाओं को बन्धन एनजीओ द्वारा किया गया सामान वितरित

पाकिस्तान में बंद होगा भारतीय दूतावास, सिंधु जल समझौता रोका गया: विदेश मंत्रालय

दिल्ली ब्यूरो

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में सीसीएस की बैठक समाप्त होने के बाद विदेश मंत्रालय मीडिया को संबोधित कर रहा है। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने कहा, सीसीएस ने कड़े शब्दों में हमले की आलोचना की है। दुनिया के कई देशों ने समर्थन जताया है और कड़े शब्दों में हमले की निंदा की है। बैठक में कई फैसले लिए गए हैं। पाकिस्तानियों का वीजा रद्द किया गया है। सिंधु जल समझौता रोका गया है। महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे कश्मीर में आतंकवादी हमले के बाद फंसे राज्य के पर्यटकों को वापस लाने की प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए श्रीनगर रवाना हुए। सीसीएस बैठक के बाद शाम सात बजे विदेश मंत्रालय की प्रेस कॉन्फ्रेंस होगी। उधर, कश्मीर के कुलग्राम में सुरक्षबलों का आतंकियों के खिलाफ अभियान जारी है। टीआरएफ के एक कमांडर की घेराबंदी की गई है। दक्षिण कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर आतंकवादी

हमले के बाद प्रधानमंत्री आवास पर सीसीएस की बैठक जारी है। इस बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, विदेश मंत्री एस जयशंकर, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल मौजूद हैं। बैठक में बड़ा फैसला लिया जा सकता है।

दक्षिण कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले को लेकर थोड़ी देर में सुरक्षा मामलों की कैबिनेट कमेटी (सीसीएस) की बैठक शुरू होगी। यह बैठक प्रधानमंत्री आवास पर होगी। बैठ की की अध्यक्षता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे। वह कुछ देर पहले ही श्रीनगर से दिल्ली पहुंचे। बैठक में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, विदेश मंत्री एस जयशंकर, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल भी शामिल होंगे। केंद्रीय गृह मंत्री अमित प्रधानमंत्री आवास पहुंच गए हैं।

नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने ट्वीट किया, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी से बात की और पहलगाम आतंकवादी हमले में लोगों की मौत पर अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की। नेपाली नागरिक की मौत पर उनकी हार्दिक संवेदना के लिए आभारी हूं।

पहलगाम आतंकी हमले पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा, यह घटना निंदनीय है। ये एक प्रकार से भारत को विभाजित करने का प्रयास था। ऐसे प्रयासों को हमें विफल करना चाहिए और ऐसे तत्वों को कुचल देना चाहिए। महाराष्ट्र के जिन 6 लोगों की (पहलगाम आतंकी हमले में) मृत्यु हुई है, प्रत्येक पीड़ित परिवार को 5 लाख रुपये देंगे।

जम्मू कश्मीर में हुए आतंकी हमले के मद्देनजर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का असम दौरा स्थगित कर दिया गया है। राष्ट्रपति मुर्मू को तय कार्यक्रम के अनुसार, गुरुवार की शाम को गुवाहाटी में आधिकारिक कार्यक्रमों में शामिल होना था। असम के राज्यपाल सचिवालय ने राष्ट्रपति का दौरा स्थगित होने की सूचना दी।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, कुछ न्यूज चैनल्स और सोशल मीडिया पर ऐसी खबरें चल रही हैं कि पहलगाम हमले में कई आईबी अधिकारी घायल हुए हैं, वे भ्रामक खबरें हैं। इसे मासूम पर्यटकों की मौत को न्यायोचित ठहराने के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है। सिर्फ एक आईबी अधिकारी की हत्या हुई है और वे भी छुट्टी पर थे और अपने परिवार के साथ घूमने गए हुए थे।

जम्मू-कश्मीर मुख्यमंत्री कार्यालय ने पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए मृतकों के परिवारों के लिए 10-10 लाख रुपये, गंभीर रूप से घायलों के लिए 2 लाख रुपये और मामूली रूप से घायलों के लिए 1 लाख रुपये की अनुग्रह राशि की घोषणा की है। मुख्यमंत्री कार्यालय ने एक बयान जारी कर कहा कि कल पहलगाम में हुए घृणित आतंकवादी हमले से गहरा सदमा लगा है और बहुत दुखी हूँ। निर्दोष नागरिकों के खिलाफ़ क्रूरता का यह बर्बर और मूर्खतापूर्ण कृत्य हमारे समाज में कोई स्थान नहीं रखता। हम इसकी कड़ी निंदा करते हैं। हम खोए हुए अनमोल जीवन पर शोक व्यक्त करते हैं। कोई भी धनराशि प्रियजनों के नुकसान की भरपाई नहीं कर सकती है, लेकिन समर्थन और एकजुटता के प्रतीक के रूप में, जम्मू-कश्मीर सरकार ने मृतकों के परिवारों के लिए 10-10 लाख रुपये, गंभीर रूप से घायलों के लिए 2 लाख रुपये और मामूली रूप से घायलों के लिए 1 लाख रुपये की अनुग्रह राशि की घोषणा की है। पीड़ितों को उनके घरों तक वापस ले जाने के लिए सभी व्यवस्थाएं की गई हैं। घायलों को सर्वोत्तम चिकित्सा सेवा प्रदान की जा रही है। हम शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हैं। हम आपके दुख को साझा करते हैं और इस कठिन समय में आपके साथ खड़े हैं। लेकिन आतंक हमारे संकल्प को कभी नहीं तोड़ पाएगा और हम तब तक चैन से नहीं बैठेंगे जब तक कि इस बर्बरता के पीछे के लोगों को न्याय के कटघरे में नहीं लाया जाता।

बोकारो के शख्स का सोशल मीडिया पर विवादित पोस्ट, पुलिस ने किया अरेस्ट

क्राइम संवाददाता द्वारा

बोकारो। जम्मू कश्मीर के पहलगाम आतंकी हमले में 28 पर्यटकों की हत्या पर झारखंड के एक शख्स ने सोशल मीडिया पर विवादित पोस्ट किया है। स्थानीय पुलिस को इस मामले की जानकारी मिलते ही आरोपी शख्स को अरेस्ट कर लिया गया है। यह शख्स बोकारो का रहने वाला है। इस शख्स ने सोशल मीडिया पर पोस्ट लिखकर आतंकवादियों को धन्यवाद कहा है, जिसके बाद उसके खिलाफ कार्रवाई की गई है।

सोशल मीडिया पर यह पोस्ट वायरल होने के बाद स्थानीय पुलिस हरकत में आई। पुलिस ने तत्काल शख्स के बारे में पता कर उसे अरेस्ट कर लिया है। हालांकि मामला संवेदनशील होने के चलते पुलिस इस पर कुछ भी बोलने से बच रही है। सूत्रों का कहना है कि आरोपी शख्स मुस्लिम बिरादरी से है। आरोपी का नाम मोहम्मद नौशाद बताया जा रहा है। बताया जा रहा है कि इस शख्स ने सोशल मीडिया पर इस घटना के लिए आतंकियों को थैंक्यू कहा था। पुलिस सूत्रों का कहना है कि इस मामले को इसलिए गंभीरता से लिया जा रहा है क्योंकि झारखंड में अगर कोई आतंकी वारदात को समर्थन दे रहा है। इस लिहाज से यह आंतरिक सुरक्षा के लिए भी खतरा है। आरोपी से पूछताछ की जा रही है और उसकी हिस्ट्री के बारे में डिटेल में जांच की जा रही है।

झारखंड में मॉडल जेल मैनुअल तैयार नहीं होने पर हाईकोर्ट ने जताई नाराजगी

क्राइम संवाददाता द्वारा

रांची। झारखंड में मॉडल जेल मैनुअल तैयार नहीं होने पर हाईकोर्ट ने कड़ी नाराजगी जतायी है. साथ ही गृह सचिव को भी तलब किया है. झारखंड हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश एमएस रामचंद्र राव और न्यायमूर्ति राजेश शंकर की खंडपीठ में जेल मैनुअल तैयार करने से संबंधित याचिका पर सुनवाई हुई. सुनवाई के दौरान कोर्ट ने इस बात पर कड़ी नाराजगी जताई कि इस मामले में सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देशों के आलोक में झारखंड में अब तक मॉडल जेल मैनुअल तैयार नहीं किया गया है. कोर्ट ने गृह सचिव को 28 अप्रैल को व्यक्तिगत रूप से कोर्ट में उपस्थित होने को कहा है.

हाईकोर्ट ने मौखिक रूप से कहा कि तीन माह पहले सुप्रीम कोर्ट ने जेल मैनुअल से संबंधित आदेश पारित किया है. लेकिन तीन माह बीत जाने के बाद भी झारखंड सरकार अब तक इसका अनुपालन नहीं कर पायी है. सुप्रीम कोर्ट के आदेश के तहत सभी राज्यों के लिए मॉडल जेल मैनुअल बनाया जाना है. इससे पहले राज्य सरकार ने बताया कि मॉडल जेल मैनुअल बनाने की प्रक्रिया चल रही है, सरकार ने मॉडल जेल मैनुअल बनाने के लिए कुछ और समय की मांग की है.

5 हजार घूस लेते नप गए रोजगार सेवक, पलामू एसीबी की टीम ने रंगेहाथों दबोचा

क्राइम संवाददाता द्वारा

रांची। एक तरफ मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की बात करते हैं, लेकिन उनके अधिकारी खुलेआम रिश्वत ले रहे हैं. ऐसे में एसीबी ने बड़ी कार्रवाई की है. एंटी करप्शन की टीम ने कार्रवाई करते हुए गढ़वा प्रखंड के कोरवाडीह पंचायत के रोजगार सेवक गुलजार अंसारी को पांच हजार रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया गया. गिरफ्तार करने के बाद एसीबी की टीम उसे कर अपने साथ पलामू लेकर चली गयी.

बताया जा रहा है कि रोजगार सेवक ने एक योजना से जुड़ी फाइल पास करने के एवज में लाभुक से रिश्वत की मांग की थी. सूचना मिलने पर शिकायतकर्ता ने एसीबी कार्यालय में शिकायत दर्ज कराई, जिसके आधार पर टीम ने ट्रैप प्लान बनाकर उसे रंगे हाथ दबोच लिया. जैसे ही लाभुक ने तयशुदा रकम दी, टीम ने मौके पर पहुंचकर रोजगार सेवक को पकड़ लिया और उसे अपने साथ पलामू ले गई.

पहलगाम हमले पर झारखंड के इस मुस्लिम शख्स ने किया खून खौलाने वाला ट्वीट

क्राइम संवाददाता द्वारा

रांची। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले ने पूरे देश को हिला कर रख दिया है। इस हमले में 28 निर्दोष लोग मारे गए। यह हमला हाल के सालों में नागरिकों पर सबसे बड़ा हमला है। हमले के बाद सोशल मीडिया पर कई वीडियो वायरल हो रहे हैं। हर कोई इस हमले की निंदा कर रहा है और सरकार से कार्रवाई की मांग कर रहा है। इस बीच, एक शख्स ने सोशल मीडिया पर पाकिस्तान और लश्कर-ए-तैयबा को धन्यवाद दिया है। बता दें कि हमले की जिम्मेदारी लश्कर-ए-तैयबा के एक गुट द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) ने ली है।

बता दें कि पहलगाम में हुए आतंकी हमले से हर कोई दुखी है। इस हमले में 28 बेगुनाह लोगों की जान चली गई। सोशल मीडिया पर इस हमले के कई डरावने वीडियो वायरल हो रहे हैं। लोग कह रहे हैं कि हाल के सालों में आम लोगों पर यह सबसे बड़ा हमला है। हर कोई इस हमले की निंदा कर रहा है और सरकार से सख्त कदम उठाने की मांग कर रहा है। लेकिन, इन सब के बीच एक पोस्ट वायरल हो रहा है। इस पोस्ट में एक शख्स ने इस हमले के लिए

पाकिस्तान और लश्कर-ए-तैयबा को शुक्रिया कहा है।

एम कासमी (मोहम्मद नौशाद) नाम के एक शख्स ने एक्स (पहले ट्विटर) पर उर्दू में लिखा है कि शुक्रिया पाकिस्तान, शुक्रिया लश्कर-ए-तैयबा, अल्लाह तुम्हें हमेशा खुश रखे, आमीन, आमीन। हमें ज्यादा खुशी होगी अगर आरएसएस, बीजेपी, बजरंग दल और मीडिया को निशाना बनाया जाए। इस शख्स ने एक और पोस्ट में लिखा है कि हर लम्हा 24 घंटे शबाना रोज पुरे साल #Pahalgam में भारी फोर्स की मौजूदगी होती है। बावजूद इस के हिंदू भाइयों का कत्ल ए आम हशतगर्द तंजीम BJP की बड़ी साजिश है। पुलवामा की तरह, मजहबी सफर अमरनाथ से कब्ल यह हमला उमर अब्दुल्लाह को बदनाम करने की बुरी साजिश है। पोस्ट वायरल होने के बाद झारखंड पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है और आगे की कार्रवाई कर रही है।

ये पोस्ट करने वाले शख्स ने बताया है कि वह इस्लामिक वकील है और झारखंड का रहने वाला है। हालांकि, इसकी पुष्टि नहीं करता है। पाकिस्तान को शुक्रिया कहने वाले इस पोस्ट के बाद कई लोगों ने गुस्सा जताया है। उन्होंने झारखंड पुलिस को टैग करते हुए इस शख्स के खिलाफ शिकायत की है। इस शख्स ने अपने कई पोस्ट में मोदी सरकार की आलोचना भी की है।

जमशेदपुर में अचानक चलने लगा बुलडोजर, 20 घरों को किया गया जमींदोज; देखते रहे अधिकारी

संवाददाता द्वारा

जमशेदपुर। टाटानगर लैंड डिमार्टमेंट ने अभियान चलाकर कीताडीह गडिवानपट्टी के निकट रेलवे की जमीन पर बने 18 एवं खासमहल जगर्नाथ मंदिर के पीछे 2 अवैध निर्माण को जेसीबी के माध्यम से जमींदोज कर दिया।

रेलवे की जमीन पर अवैध रूप से बसे लोगों को 15 दिन पूर्व ही घर खाली करने का नोटिस दे दिया गया था। जिस स्थान को अतिक्रमण मुक्त कराया गया वहां वर्षों से लोग घर बनाकर रह रहे थे। एइएन के नेतृत्व में चले इस अभियान में आरपीएफ व जिला पुलिस के जवान मौजूद थे। अभियान के दौरान किसी की ओर से विरोध दर्ज नहीं किया गया।

मालूम हो कि टाटानगर स्टेशन के री डेवलपमेंट का कार्य आरंभ होना है। इसको लेकर रेलवे अपनी जमीन को अतिक्रमण मुक्त करने का अभियान चला रही है। जमीनों को चिन्हित करने का कार्य पूरा कर लिया गया है।

12 प्रतिशत सेफ गार्ड ड्यूटी लगाने के फैसले का स्वागत

उधर, टाटा वर्कर्स यूनियन ने केंद्र सरकार से 365 दिनों के लिए आयात पर सेफ गार्ड ड्यूटी लागू करने का आग्रह किया है ताकि घरेलू इस्पात उद्योग तथा इससे जुड़े इकाइयों को भी फायदा होगा।

हालांकि, यूनियन ने केंद्र सरकार द्वारा घरेलू उत्पादों को आयात में वृद्धि से बचाने के लिए हॉट रोल्ड क्रायल शीट, प्लेट सहित पांच उत्पादों पर 12 प्रतिशत सेफ गार्ड ड्यूटी लगाने के फैसले का स्वागत किया है तथा सरकार को बधाई दी है।

यह फैसला 21 अप्रैल से 200 दिनों के लिए लागू किया गया है। इस मुद्दे को लेकर मंगलवार को यूनियन पदाधिकारियों की बैठक हुई।बैठक में अध्यक्ष संजीव चोधरी ने कहा कि इसके लिए यूनियन ने पहल किया था। पीएमओ को ज्ञापन भी सोंपा था। इंटक अध्यक्ष को भी ज्ञापन सौंपकर मामले में हस्तक्षेप करने का आग्रह किया था। बैठक में अध्यक्ष के अलावा महासचिव सतीश सिंह, डिप्टी प्रेसिडेंट शैलेश सिंह, कोषाध्यक्ष आमोद दुबे, उपाध्यक्ष संजय सिंह, शाहनवाज आलम, राजीव चोधरी, राजीव चोधरी, सहायक सचिव अजय चोधरी,श्याम बाबू व नितेश राज उपस्थित थे।

3 साल से फैसला नहीं सुनाने पर SC की कड़ी टिप्पणी

क्राइम संवाददाता द्वारा

सुप्रीम कोर्ट ने कड़ी टिप्पणी करते हुए कहा कि न्याय में देरी न्याय से वंचित करने के समान है, वहीं न्याय न मिलना उससे भी बदतर है। कोर्ट 4 कैदियों की याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिनके अपील पर झारखंड हाई कोर्ट ने करीब 3 साल से फैसला सुरक्षित रखा है, लेकिन उन्हें सुनाया नहीं गया।

सुप्रीम कोर्ट ने कड़ी टिप्पणी करते हुए कहा कि न्याय में देरी न्याय से वंचित करने के समान है, वहीं न्याय न मिलना उससे भी बदतर है। कोर्ट 4 कैदियों की याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिनके अपील पर झारखंड हाई कोर्ट ने करीब 3 साल से फैसला सुरक्षित रखा है, लेकिन उन्हें सुनाया नहीं गया। सुप्रीम कोर्ट ने झारखंड हाई कोर्ट से सुरक्षित रखे गए फैसलों की संख्या पर रिपोर्ट मांगा है।

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को झारखंड हाई कोर्ट से दो महीने से ज्यादा समय तक सुरक्षित रखे गए फैसलों की संख्या पर रिपोर्ट मांगा है। यह निर्देश तब आया है जब झारखंड जेल में बंद आजीवन कारावास की सजा पाए 4 कैदियों ने शीर्ष अदालत को बताया कि हाई कोर्ट ने 2022 से

उनकी अपील पर फैसला सुरक्षित रखा हुआ है। बिरसा मुंडा जेल में बंद चार दोषियों ने एक याचिका दायर कर सुप्रीम कोर्ट से उनके जीवन और स्वतंत्रता के मौलिक अधिकारों की रक्षा करने का आग्रह किया है। उन्हें उनकी अपीलों पर फैसला सुनाने के लिए तीन साल का समय बहुत लंबा लग रहा है।

जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने उनकी याचिका पर झारखंड सरकार और झारखंड हाई कोर्ट को नोटिस जारी कर याचिका को सुनवाई के लिए स्वीकार कर लिया। एक संक्षिप्त आदेश पारित करते हुए पीठ ने झारखंड हाई कोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल को एक सीलबंद लिफाफे में स्थिति रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया। इसमें उन सभी मामलों का विवरण देना होगा, जिनमें दो महीने से अधिक समय से फैसले सुरक्षित रखे गए हैं। कोर्ट ने चार दोषियों द्वारा जमानत की मांग करने वाली एक याचिका पर भी नोटिस जारी किया, क्योंकि वे अपनी सजा के लगभग 11 से 16 साल काट चुके हैं। दोषियों पिला पाहन, सोमा बदंग, सत्यनार और धर्मेश उरांव की ओर से पेश वकील फौजिया शकील ने कहा कि वे अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग समुदाय से हैं। वे अपनी अपील के फैसले से अवगत हुए बिना छूट के लिए आवेदन करने की स्थिति में नहीं हैं। उरांव के मामले में फैसला तीन साल से अधिक समय पहले सुरक्षित रखा गया था, जबकि अन्य मामलों में लगभग 2 साल और 11 महीने की देरी हुई थी।

याचिका में बताया गया है कि समस्या केवल इन चार कैदियों तक ही सीमित नहीं है। इसमें 10 अन्य आजीवन कारावास की सजा पाए कैदियों की सूची भी संलग्न की गई है, जो लगभग 3 साल से हाई कोर्ट में अपनी अपील पर निर्णय का इंतजार कर रहे हैं। दोषियों ने झारखंड हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश, राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जैसी कानूनी संस्थाओं और यहां तक कि जेल के दौरे के दौरान राज्य के अधिकारियों और विधि अधिकारियों के समक्ष भी अपनी शिकायतें रखीं, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। याचिका में सुप्रीम कोर्ट के निर्णयों का हवाला दिया गया है, जिसमें इस तरह की प्रथा की निंदा की गई है। फैसले सुरक्षित रखे जाने के तीन महीने के भीतर सुनाए जाने पर जोर दिया गया है और किसी भी स्थिति में छह महीने से अधिक समय नहीं लिया जाना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने स्वतः संज्ञान से दायर एक याचिका पर सुनवाई के दौरान कहा था कि आजीवन कारावास की सजा काट रहे ऐसे अपराधी को जमानत दी जानी चाहिए, जिसने 8 साल की वास्तविक सजा काट ली हो।

अनी राय बनाम बिहार राज्य (2001) मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि यह बार-बार माना गया है कि न्याय न केवल किया जाना चाहिए बल्कि ऐसा दिखना भी चाहिए कि न्याय किया गया है। इसी तरह, जहां न्याय में देरी न्याय से वंचित करने के समान है, वहीं न्याय न मिलना उससे भी बदतर है। इस निर्णय में आगे यह भी कहा गया कि निर्णय में वह तारीखें भी होनी चाहिए जब फैसला सुरक्षित रखा गया और जब सुनाया गया था। निर्देशों में आगे उच्च न्यायालयों के मुख्य न्यायाधीशों को यह सुनिश्चित करने को कहा गया कि लंबित फैसले छह हफ्ते के अंदर सुनाए जाएं।

रजरप्पा में अवैध कोयला खनन के मुहानों से निकल रही भीषण आग से लोग परेशान

जमीन से निकलती भीषण आग और काले धूएं का गुबार देख भुचुंगडीह गांव के लोग डरे हुए हैं। गांव के भविष्य पर संकट गहराता दिख रहा है। जिससे लोगों में रोष भी देखा जा रहा है। बताया जाता है यहां सुलगती भूमिगत आग को लेकर पूर्व में ही सीसीएल रजरप्पा प्रबंधन को सचेत किया गया था। बावजूद इसके कोई ठोस पहल नहीं हो सकी। बताया जाता है कि यहां पर दशकों पहले भूमिगत कोयले की खदान हुआ करती। जो काफी अरसे पहले बंद हो गई। संभावना है कि यहां किसी तरह सुलग उठी भूमिगत आग समय बीतने के साथ फैलती गई होगी। इधर, अवैध खनन से मुहानों की पतली होती कोयले की परत के कारण आग ने भीषण रूप अख्तियार कर लिया। स्थानीय लोगों की मानें तो क्षेत्र में बड़े पैमाने पर अवैध रूप से खनन कर कोयला निकाला जाता है।

विशेष प्रतिनिधि द्वारा

रामगढ़ : रामगढ़ जिले के रजरप्पा में एक बंद कोयला खदान में भीषण आग लगने की खबर है। आग के बाद इलाके में घना काला धुआं छा गया। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। स्थानीय लोगों ने दावा किया है कि जहरीले धुएं से इलाके में रहने वाले करीब 10,000 लोग प्रभावित हो सकते हैं। उन्होंने स्थानीय प्रशासन और 'सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल)' को इस स्थिति के लिए जिम्मेदार ठहराया तथा आरोप लगाया कि कुछ दिन पहले जब जमीन के नीचे मामूली आग लगी थी, तब उनकी शिकायतों पर कोई संज्ञान नहीं लिया गया था। जमीन से निकलती भीषण आग और काले धूएं का गुबार देख भुचुंगडीह गांव के लोग डरे हुए हैं। गांव के भविष्य पर संकट गहराता दिख रहा है। जिससे लोगों में रोष भी देखा जा रहा है। बताया जाता है यहां सुलगती भूमिगत आग को लेकर पूर्व में ही सीसीएल रजरप्पा प्रबंधन को सचेत किया गया था। बावजूद इसके कोई ठोस पहल नहीं हो सकी। बताया जाता है कि यहां पर दशकों पहले भूमिगत कोयले की खदान हुआ करती। जो काफी अरसे पहले बंद हो गई। संभावना है कि यहां किसी तरह सुलग उठी भूमिगत आग समय बीतने के साथ फैलती गई होगी। इधर, अवैध खनन से मुहानों की पतली होती कोयले की परत के कारण आग ने भीषण रूप अख्तियार कर लिया। स्थानीय लोगों की मानें तो क्षेत्र में बड़े पैमाने पर अवैध रूप से खनन कर कोयला निकाला जाता है। जो जिले की कई फैक्ट्रियों व ईंट भट्ठों में खपाया जाता है। साथ ही बाहर की मंडियों में भी भेजा जाता है। उपायुक्त चंदन कुमार ने बताया कि आग

बुझाने के लिए एक टीम मौके पर भेज दी गई है। उन्होंने बताया कि आग पर काबू पाने के लिए युद्ध स्तर पर काम करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि चितरपुर प्रखंड के घनी आबादी वाले भुचुंगडीह गांव तक पहुंचने से पहले उसे नियंत्रित किया जा सके। उन्होंने कहा, ''हम आग पर नजर रख रहे हैं। हमारे अधिकारी आग बुझाने का उपाय खोजने के लिए सीसीएल के खनन विशेषज्ञों से सलाह ले रहे हैं। भुचुंगडीह गांव के निवासी राजू महतो ने कहा कि अगर आग को तुरंत नहीं बुझाया गया तो ग्रामीणों को अपने घरों से भागना पड़ेगा। उन्होंने बताया कि गांव में करीब 10,000 लोग रहते हैं। एक अन्य ग्रामीण जीवन महतो ने बताया कि आग अभी गांव से महज 500 मीटर की दूरी पर है। उन्होंने बताया कि कुछ दिन पहले ग्रामीणों ने भूमिगत आग देखी थी और स्थानीय अधिकारियों तथा सीसीएल को इसकी सूचना दी थी। उन्होंने आरोप लगाया, ''लेकिन किसी ने इस पर ध्यान नहीं दिया।'' रजरप्पा क्षेत्र के सीसीएल महाप्रबंधक कल्याणजी प्रसाद ने कहा, ''हमने प्रारंभिक तौर पर मिट्टी और रेत डालकर आग को कम करने के लिए कदम उठाए हैं। अगर इसे नियंत्रित नहीं किया जा सका तो हम दूसरा तरीका खोजने की कोशिश करेंगे।

विवेक दा के एनकाउंटर के साथ ही नक्सलियों के एक युग का अंत

सोमवार तड़के शुरू हुई मुठभेड़ में दोनों ओर से भारी गोलीबारी हुई। अंततः सुरक्षाबल भारी पड़े और कुख्यात नक्सली प्रयाग मांझी मारा गया। मुठभेड़ के बाद फरार नक्सलियों की तलाश के लिए क्षेत्र में व्यापक सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। विवेक दा धनबाद जिले के टुंडी के मानियाडीह थाना क्षेत्र का रहने वाला था। बहुत कम उम्र में ही वह नक्सली संगठन में शामिल हो गया था। विवेक दा न सिर्फ झारखंड, बल्कि बिहार, ओड़िशा और छत्तीसगढ़ के नक्सली बेल्ट में भी वर्षों तक सक्रिय रहा।

क्राइम संवाददाता द्वारा

बोकारो : एक करोड़ रुपये के इनामी नक्सली और भाकपा माओवादी के केंद्रीय कमेटी सदस्य प्रयाग मांझी उर्फ विवेक दा की मौत से झारखंड में नक्सल आंदोलन के एक युग का अंत हो गया। सोमवार सुबह बोकारो जिले के लुगू पहाड़ी में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ में विवेक दा सहित आठ नक्सली मारे गए। यह झारखंड पुलिस की अब तक की सबसे बड़ी सफलता मानी जा रही है। आइए जानते हैं कौन हैं विवेक दा और कैसे हुआ नक्सलियों के एक युग का अंत... रविवार रात से मिली गुप्त सूचना के आधार पर सुरक्षाबलों ने इलाके को घेर लिया था। सोमवार तड़के शुरू हुई मुठभेड़ में दोनों ओर से भारी गोलीबारी हुई। अंततः सुरक्षाबल भारी पड़े और कुख्यात नक्सली प्रयाग मांझी मारा गया। मुठभेड़ के बाद फरार नक्सलियों की तलाश के लिए क्षेत्र में व्यापक सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। विवेक दा धनबाद जिले के टुंडी के मानियाडीह थाना क्षेत्र का रहने वाला था। बहुत कम उम्र में ही वह नक्सली संगठन में शामिल हो गया था। विवेक दा न सिर्फ झारखंड, बल्कि बिहार, ओडिशा और छत्तीसगढ़ के नक्सली बेल्ट में भी वर्षों तक सक्रिय रहा।

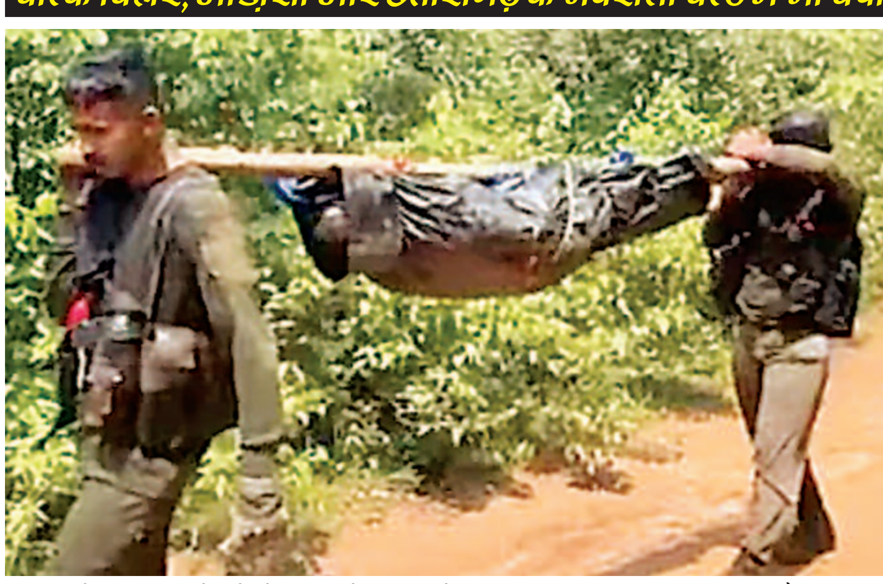

गिरिडीह के पारसनाथ, बोकारो के लुगू और झुमरा पहाड़ उसके प्रभाव क्षेत्र में थे। अकेले गिरिडीह में ही उसके खिलाफ 50 से अधिक मामले दर्ज थे। संगठन में उसकी पहचान एक रणनीतिकार और सशस्त्र दस्ता प्रमुख के रूप में थी। सूत्रों के अनुसार, विवेक दा के पास एके-47, इंसास राइफल और भारी मात्रा में विस्फोटक था। उसके दस्ते में 50 से अधिक प्रशिक्षित नक्सली शामिल थे, जिनमें महिला माओवादी भी अलग-अलग इलाकों में सक्रिय थीं। उसकी तूती झारखंड के कई जिलों में बोलती थी और वह हमलों की रणनीति खुद तय करता था। प्रयाग मांझी की मौत को झारखंड पुलिस के लिए ऐतिहासिक सफलता माना जा रहा है। पहली बार राज्य में एक करोड़ रुपये का इनामी नक्सली ढेर किया गया है। इस कार्रवाई से गिरिडीह-बोकारो सहित उत्तरी छोटानागपुर क्षेत्र में नक्सल गतिविधियों की कमर टूट गई है। विवेक दा की मौत के साथ ही भाकपा माओवादी संगठन को बड़ा झटका लगा है। विवेक, अरविंद और साहेब राम मांझी सहित आठ नक्सलियों के मारे जाने से संगठन की ताकत में भारी गिरावट आई है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मुठभेड़ के बाद बचे हुए नक्सलियों की गिरफ्तारी के लिए अभियान तेज कर दिया गया है।

करणी सेना अध्यक्ष की हत्या के पीछे कौन?

क्राइम संवाददाता द्वारा

जमशेदपुर : जमशेदपुर के बालीगुमा में करणी सेना के प्रदेश अध्यक्ष विनय सिंह की हत्या से इलाके में तनाव का माहौल है। विनय उलीडीह थाना क्षेत्र के आस्था स्पेस टाउन में रहते थे। डिमना चौक पर उनकी टाइल्स की दुकानें हैं। हत्या के बाद काफी बवाल देखने को मिला। घटना से नाराज विनय सिंह के समर्थकों ने डिमना चौक के पास एनएच-33 को जाम कर दिया। इससे सड़क पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और यातायात ठप हो गया। पुलिस सीसीटीवी फुटेज, मोबाइल कॉल डिटेल व अन्य सबूतों के आधार पर जांच कर रही है। जांच, पुलिस पूछताछ और तमाम जानकारियों के मुताबिक इस घटना के संबंध में अलग अलग खुलासे हो रहे हैं। विनय सिंह की हत्या का कारण गोविंदपुर के बिल्ला पाठक से करीबी होना बताया जा रहा है। जमशेदपुर पुलिस ने कहा कि झारखंड के जमशेदपुर में रविवार शाम करणी सेना के प्रदेश अध्यक्ष विनय सिंह का शव बरामद हुआ, उनके सिर पर गोली लगी थी और बाएं हाथ में पिस्तौल थी। कल सुबह से ही वे संपर्क में नहीं थे। शिकायत के बाद उनके मोबाइल लोकेशन का पता लगाया गया और शव बरामद किया गया। सभी संभावित एंगल से जांच की जा रही है। सूत्रों का कहना है कि एक महीने से विनय सिंह, बिल्ला पाठक के करीब थे और यह माना जा रहा है कि बिल्ला पाठक का प्रतिद्वंद्वी गैंग, जिसका सरगना माशूक मनीष है, इस घटना को अंजाम देने में शामिल हो सकता है।मौका-ए-वारदात पर कई लोग इस हत्याकांड में माशूक मनीष गिरोह के शामिल होने की बात कह रहे थे। सूत्रों का कहना है कि एक महीने से विनय सिंह की रेकी की जा रही थी और इसकी जानकारी विनय सिंह को भी थी।

छत्तीसगढ़ एंटी करप्शन ब्यूरो की टीम की कार्रवाई में दो अधिकारी गिरफ्तार

विशेष प्रतिनिधि द्वारा

रायपुर : छत्तीसगढ़ एंटी करप्शन ब्यूरो की टीम ने सोमवार राज्य के दो बड़े शहरों में रेड की कार्रवाई की है. इन दोनों जिले में एसीबी की टीम ने कथित तौर पर रिश्वत मांगने और स्वीकार करने के आरोप में सरकारी अधिकारियों पर शिकंजा कसा है. दोनों अधिकारियों को सीजी एसीबी की टीम ने गिरफ्तार कर लिया है. दोनों की पहचान प्रवीण साहू और सुल्तान सिंह बंजारा के रूप में हुई है.दोनों अधिकारियों के बारे में जानकारीः एसीबी के अधिकारी ने बताया कि प्रवीण साहू छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड में सहायक अभियंता के पद पर तैनात थे, जबकि सुल्तान सिंह बंजारा कोरबा जिले के दुल्लापुर गांव में ग्राम राजस्व अधिकारी के पद पर कार्यरत थे.दोनों अधिकारियों पर गंभीर आरोपः प्रवीण साहू पर एक शिकायतकर्ता ने गंभीर आरोप लगाए हैं. शिकायतकर्ता से प्रवीण साहू ने वाणिज्यिक मीटर उपलब्ध कराने के लिए 25,000 रुपये की मांग की थी. जबकि सुल्तान सिंह बंजारा ने शिकायतकर्ता से उसकी तीन एकड़ जमीन को राजस्व रिकॉर्ड बुक में उसके नाम पर शामिल करने के लिए कथित तौर पर घूस की मांग की थी. बंजारा पर 25 हजार रुपये रिश्वत मांगने का आरोप था.एसीबी की तरफ से कहा गया है कि दोनों अधिकारियों को गिरफ्तार कर लिया गया है. दोनों एसीबी के बिछाए जाल में फंस गए. इन दोनों पर कथित घूसखोरी के आरोप में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत कार्रवाई की जा रही है. एसीबी राज्य में लगातार छापेमार कार्रवाई कर रही है. 15 अप्रैल को एसीबी ने गौरेला पेंड्रा मरवाही में कार्रवाई की थी.

ईडी ने अलग-अलग शहरों में 573 करोड़ रुपए की संपत्तियां जब्त की

ईडी ने 16 अप्रैल को दिल्ली, मुंबई, इंदौर, अहमदाबाद, चंडीगढ़, चेन्नई और संबलपुर में छापेमारी की। इस दौरान 3.29 करोड़ रुपए नकद भी जब्त किए गए। ईडी ने एक बयान में कहा कि तलाशी कार्रवाई के परिणामस्वरूप 3.29 करोड़ रुपए की नकदी जब्त की गई, 573 करोड़ रुपए से अधिक मूल्य की प्रतिभूतियों, बांड और डीमैट खातों पर रोक लगा दी गई। इसके अलावा विभिन्न दस्तावेज और इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड भी जब्त किए गए।

विशेष संवाददाता द्वारा

रायपुर : ईडी ने महादेव ऑनलाइन सट्टेबाजी ऐप मामले में बड़ी कार्रवाई की है। पिछले हफ्ते छापेमारी कर 573 करोड़ रुपए की प्रतिभूतियां, बांड और डीमैट खाते जब्त किए। जांच में पता चला कि सट्टेबाजी से कमाए गए पैसे को विदेश भेजा गया और फिर उसे एफपीआई के नाम पर भारतीय शेयर बाजार में लगाया गया। यह कार्रवाई दिल्ली, मुंबई समेत कई शहरों में की गई। एजेंसी का कहना है कि इस मामले में कुछ लोगों ने मिलकर छोटे और मध्यम उद्योगों (एसएमई) के शेयरों की कीमत बढ़ाई, ताकि आम निवेशकों को धोखा दिया जा सके। ईडी ने 16 अप्रैल को दिल्ली, मुंबई, इंदौर, अहमदाबाद, चंडीगढ़, चेन्नई और संबलपुर में छापेमारी की। इस दौरान 3.29 करोड़ रुपए नकद भी जब्त किए गए। ईडी ने एक बयान में कहा कि तलाशी कार्रवाई के परिणामस्वरूप 3.29 करोड़ रुपए की नकदी जब्त की गई, 573 करोड़ रुपए से अधिक मूल्य की प्रतिभूतियों, बांड और डीमैट खातों पर रोक लगा दी

गई। इसके अलावा विभिन्न दस्तावेज और इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड भी जब्त किए गए। महादेव बेटिंग ऐप का मामला कुछ साल पहले सामने आया था। तब एजेंसी ने कहा था कि छत्तीसगढ़ के कुछ नेता और अफसर इस ऐप के अवैध काम और पैसे के लेनदेन में शामिल हैं। इस ऐप को सौरभ चंद्राकर और रवि उप्पल नाम के दो लोगों ने शुरू किया था। दोनों छत्तीसगढ़ के रहने वाले हैं। जांच एजेंसी ईडी का कहना है कि कुछ कंपनियों ने मिलकर एसएमई सेक्टर के शेयरों की कीमत बढ़ाई। ऐसा इसलिए किया गया ताकि आम निवेशकों को नुकसान हो। ईडी के अनुसार, कुछ लोग शेयरों की कीमत में हेरफेर करके गलत तरीके से पैसा कमा रहे थे। ईडी ने इस मामले में अब तक 13 लोगों को गिरफ्तार किया है। 74 आरोपियों के खिलाफ पांच आरोपपत्र भी दाखिल किए गए हैं। इसके अलावा, 3,002 करोड़ रुपए की संपत्ति भी जब्त की गई है। ईडी का अनुमान है कि इस मामले में लगभग 6,000 करोड़ रुपए का अपराध हुआ है। वहीं, ईडी इस मामले की गहराई से जांच कर रही है। एजेंसी यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि इस घोटाले में और कौन-कौन शामिल है और पैसे का इस्तेमाल कहां-कहां किया गया।

आजीविका चलाने एवम आत्मनिर्भर बनाने के लिए महिलाओं को बन्धन एनजीओ द्वारा किया गया सामान वितरित

● सिंदूर पंचायत सचिवालय में किया गया वितरण कार्यक्रम का आयोजन ● बंधन एनजीओ का यह प्रयास मिल का पत्थर साबित होगाः समाजसेवी कृष्णा प्रसाद ● महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और महिला सशक्तिकरण की दिशा में नाबार्ड के सहयोग से बंधन एनजीओ की पहल सराहनीय हैः मुखिया सरोज देवी ● नाबार्ड के सहयोग से इस प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैंः एरिया कोऑर्डिनेटर इमाम उल हक

आदिवासी एक्सप्रेस
हजारीबाग। बंधन एनजीओ द्वारा नाबार्ड के सहयोग से सिंदूर पंचायत और बड़ासी पंचायत की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सामान का वितरित किया गया। ऐसे में बताना अहम यह होगा कि यह कार्यक्रम सिंदूर पंचायत सचिवालय में बुधवार को आयोजित किया गया?। कार्यक्रम को सफल बनाने में सिंदूर पंचायत की मुखिया सरोज देवी और मुखिया प्रतिनिधि कृष्णा प्रसाद ने अहम किरदार अदा किया। बंधन एनजीओ के एरिया कोऑर्डिनेटर इमाम उल हक ने जानकारी देते हुए बताया कि ऐसी महिलाएं जिनकी उम्र 18 से 59 वर्ष के बीच है और गरीब परिवेश से हैं। परिवार में कोई कमाने

वाला पुरुष नहीं है, उसका सर्वे कराया गया है साथ ही महिलाओं के फॉर्म भरने की प्रक्रिया के बाद उनको आजीविका चलाने एवम आत्मनिर्भर बनाने के लिए बन्धन एनजीओ द्वारा सामान वितरित किया गया। बताया कि नाबार्ड के सहयोग से इस प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किया जा रहे हैं। जिसमे दर्जनों महिलाओं को किराना का सामान, कॉस्मेटिक, रेडीमेड कपड़े, ब्यूटी पार्लर, जवेलरी आदि का सामान दिया गया।

बंधन एनजीओ के द्वारा आयोजित कार्यक्रम को महिला सशक्तिकरण की दिशा में उठाए जाने वाला सराहनीय कदम बताते हुए सिंदूर पंचायत की मुखिया सरोज देवी ने कहा कि महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और महिला सशक्तिकरण की दिशा में नाबार्ड के सहयोग से बंधन एनजीओ की पहल सराहनीय है। उन्होंने पंचायत के लाभार्थी महिलाओं से भी अपील किया कि बंधन के साथ जुड़े और महिला सशक्तिकरण की दिशा में नए कीर्तिमान स्थापित करें। वही सिंदूर पंचायत मुखिया प्रतिनिधि सह समाजसेवी कृष्णा प्रसाद उर्फ पंडित जी ने बंधन एनजीओ के प्रयास को सराहनीय कदम बताते हुए कहा कि सिंदूर पंचायत और बड़ासी पंचायत में जरूरतमंद महिलाओं को 25 से 30 हजार रुपए के आर्थिक सहयोग के तौर पर बंधन एनजीओ के द्वारा नाबार्ड के सहयोग से प्रदान किया जा रहा है जो सरकारी व्यवस्था के तहत है महिलाओं के स्वावलंबन और सशक्त बनाए जाने की दिशा में बेहतर प्रयास है। उन्होंने कहा कि बंधन एनजीओ के द्वारा सिंदूर पंचायत और बड़ासी पंचायत की महिलाओं को तीन दिवसीय प्रशिक्षण देकर उन्हें सशक्त बनाया गया है और आर्थिक सहयोग राशि प्रदान कर उनके स्वालंबन की दिशा में बेहतर प्रयास किया गया है। उन्होंने कहा कि बंधन एनजीओ के द्वारा उठाया गया यह कदम मिल का पत्थर साबित होगा। साथ ही कहा कि आशा है कि सदर प्रखंड के सभी बीस पंचायत में इस कार्यक्रम को सफलतापूर्वक संचालित किया जाएगा और जागरूकता के माध्यम से सभी जरूरतमंद महिलाओं को इस कार्यक्रम से जोड़ा जाए ताकि महिला सशक्तिकरण की दिशा में सार्थक कदम साबित हो।

इस कार्यक्रम में विशेष तौर पर सिंदूर पंचायत मुखिया सरोज देवी, समाजसेवी सह मुखिया प्रतिनिधि कृष्णा प्रसाद उर्फ पंडित जी, बंधन एनजीओ के एरिया कोऑर्डिनेटर इमाम उल हक और कम्युनिटी ऑर्गेनाइज राजा शील शामिल रहे।

संक्षिप्त समाचार

रोटरी क्लब ऑफ़ हज़ारीबाग जागृति ने सामुदायिक सेवा पहल के तहत सरस्वती शिशु विद्या मंदिर को एक साउंड सिस्टम किया दान

आदिवासी एक्सप्रेस
हजारीबाग। रोटरी क्लब आफ हजारीबाग जागृति के सदस्यों ने बुधवार को सरस्वती शिशु विद्या मंदिर रामनगर में छात्रों और शिक्षकों के साथ एक कार्यक्रम आयोजित किया। अपनी सामुदायिक सेवा पहल के तहत रोटरी क्लब आफ हजारीबाग जागृति ने स्कूल को एक साउंड सिस्टम दान किया। इस अवसर पर स्कूल के बच्चों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए, गीतों और नृत्यों के साथ रोटरी क्लब आफ हजारीबाग जागृति के सदस्यों का गर्मजोशी से स्वागत किया।

रोटरी क्लब आफ हजारीबाग जागृति की अध्यक्ष मंदिरा गुप्ता ने इस अवसर पर अपनी खुशी का इजहार करते हुए कहा कि साउंड सिस्टम प्राप्त करने पर उनकी खुशी और कृतज्ञता वास्तव में दिल को छू लेने वाली थी। रोटरी क्लब ऑफ़ हज़ारीबाग़ जागृति की अध्यक्ष मंदिर गुप्ता ने कहा कि हम शिक्षा का समर्थन करने और युवा चेहरों पर मुस्कान लाने के लिए रोमांचित हैं। हमारी ओर से यह प्रयास लगातार जारी है और निरंतर जारी रहैगा।

बड़कागांव प्रखंड अंतर्गत विभिन्न पंचायत में लगे स्ट्रीट लाईट शोभा की वस्तु बनकर रह गई है

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता बड़कागांव
बड़कागांव। बड़कागांव प्रखंड अंतर्गत विभिन्न पंचायत सहित कांडतरी पंचायत विगत कई वर्ष पूर्व में सैंकड़ो स्ट्रीट लाइट लगाई गई थी।यह स्ट्रीट लाईट विभाग , कई कंपनी के साथ-साथ वन विभाग के द्वारा भी लगाई गई थी। स्ट्रीट लाईट लगने से जहां एक ओर पंचायत की एक-एक गांव , टोला मोहल्ला की सड़के , चौक चौराहा जगमगा उठा था।जिससे लोग काफी खुश थे।लोगों को रात्रि के समय में आवागमन करने में काफी सुविधा हो रही थी।और लोग दुर्घटनाओं से बच रहे थे।वहीं कांडतरी पंचायत अंतर्गत महुदी आंगनबाड़ी केंद्र सहित प्रत्येक सैकड़ो पोल खुट्टा में लगे सैकड़ो स्ट्रीट लाईट खराब हो जाने से मात्र शोभा की वस्तु बन कर रह गई है।उकत स्थानो पर विभाग की ओर से ना ही रिपेयरिंग करने की और ना ही नई स्ट्रीट लाईट लगाने की पहल की जा रही है।आज सैंकड़ो स्ट्रीट लाईट खराब पड़े हैं जिससे लोगों के साथ-साथ विशेष कर रहागीरों को रात्रि के समय आवागमन करने में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।लोगों ने मांग की है कि या तो जल्द से जल्द सभी पंचायत के खराब पड़े स्ट्रीट लाईट की रिपेयरिंग कर बनाया जाए या फिर सभी लाइट को बदलकर नए लाईट लगाए जाएं।

वीरता और बलिदान की गूंजः हजारीबाग में वीर कुंवर सिंह विजय उत्सव का भव्य आयोजन

कांग्रेस नेता मुन्ना सिंह ने श्रद्धासुमन किया अर्पित, युवाओं से देशभक्ति का किया आह्वान

आदिवासी एक्सप्रेस
हजारीबाग। 1857 की प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के अमर सेनानी बाबू वीर कुंवर सिंह की स्मृति में बुधवार को हजारीबाग के सर्किट हाउस के समीप वीर कुंवर सिंह विजय उत्सव समारोह का भव्य आयोजन किया गया। यह ऐतिहासिक अवसर वीरता, राष्ट्रप्रेम और त्याग की भावनाओं से ओतप्रोत रहा।

कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता मुन्ना सिंह ने वीर कुंवर सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित *किए* । उन्होंने वीरता के इस अप्रतिम प्रतीक को शत-शत नमन करते हुए कहा, बाबू वीर कुंवर

सिंह न केवल स्वतंत्रता संग्राम के महानायक थे, बल्कि वे भारतीय स्वाभिमान और अद्वितीय साहस के प्रतीक हैं। उनके बलिदान ने अंग्रेजी हुकूमत की नींव हिला दी थी। मुन्ना सिंह ने युवाओं से भी विशेष रूप से राष्ट्रनिर्माण में सक्रिय भागीदारी की अपील करते हुए कहा कि आज का दिन हमें उन गुमनाम नायकों की याद दिलाता है, जिनकी कुर्बानियों से आज हम स्वतंत्र भारत में सांस ले पा रहे हैं। कांग्रेस पार्टी सदैव ऐसे महान क्रांतिकारियों के सिद्धांतों और मूल्यों को प्रणाम करती रही है और उनके दिखाए रास्ते पर चलने के लिए प्रतिबद्ध है। कार्यक्रम के दौरान देशभक्ति गीतों, और वीर कुंवर सिंह के जीवन पर आधारित वक्तव्यों ने समूचे वातावरण को भावविभोर कर दिया। हर तरफ जयघोष गूंजता रहा जय हिन्द, जय वीर कुंवर सिंह ।

इस अवसर पर विनोबा भावे विश्वविद्यालय के कुलपति, प्रो दिनेश कुमार सिंह,आनंद देव , बंटी देव , भगवान सिंह राजू सिंह (पिंडी), बबलू सिंह,रविन्द्र सिंह ,शत्रुघ्न सिंह ,मुन्ना सिंह ,प्रदीप सिंह , मिथिलेश सिंह, पंकज सिंह ,मिथिलेश सिंह, आशीष सिंह ,संजय सिंह , परमानंद सिंह , पंकज सिंह ,डॉ मनोज कुमार सिंह , बबलु सिंह ,राज कुमार सिंह ,रवि रंजन सिंह ,डॉ संजीव सिंह उपस्थित थे।

पृथ्वी दिवस पर संत कोलंबस कॉलेज के एनसीसी कैडेट्स ने पर्यावरण संरक्षण पर दिया संदेश

● पोस्टर एवं क्विज प्रतियोगिता का किया गया आयोजन विजय प्रतिभागियों को किया गया पुरस्कृत

आदिवासी एक्सप्रेस
हजारीबाग। पृथ्वी दिवस के अवसर पर संत कोलंबस कॉलेज, हजारीबाग की द्वारा एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों और समाज के बीच पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाना था। इस कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में कॉलेज के वाइस प्रिंसिपल डॉ. जे.आर. दास एवं कार्यक्रम का नेतृत्व कंपनी कमांडर लेफ्टिनेंट डॉ. शत्रुघन कुमार पांडे ने किया।

कार्यक्रम की शुरुआत चित्रकला प्रतियोगिता से हुई, जिसमें एनसीसी कैडेट्स ने विभिन्न पर्यावरणीय विषयों पर सुंदर और प्रभावशाली चित्र बनाकर प्रकृति की रक्षा का संदेश दिया। पृथ्वी बचाओ, ग्रीन इज़ लाइफ, पेड़ लगाओ - जीवन बचाओ जैसे विषयों पर आधारित चित्रों ने सभी का ध्यान आकर्षित किया। इसके बाद कैडेट्स ने पृथ्वी दिवस पर भाषण दिया एवं शिक्षक गणों को अपना भावना प्रकट करते हुए कहा कि पृथ्वी को हमें कैसे सुरक्षित रखना है एवं किस तरह हम टेक्नोलॉजी के साथ-साथ प्रकृति को भी सुरक्षित रखते हुए चलना है

इसके पश्चात एनसीसी कैडेट में एक क्विज प्रतियोगिता रखा गया जिसमें उन्हें दो टीमों में बांट दिया गया और उनसे पृथ्वी दिवस के ऊपर प्रश्न पूछे गए जिसमें कैडेट का जोरदार प्रदर्शन रहा। सही जवाब देने वाले कैडेट्स को पुरस्कृत किया गया एवं उनकी सराहना की गई।

इस अवसर पर कंपनी कमांडर डॉ. शत्रुघ्न पांडेय ने सभी कैडेट्स को एक विशेष पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाई। शपथ में कैडेट्स ने संकल्प लिया कि हम पृथ्वी को अपनी माता समझकर इसका संरक्षण करेंगे परिवर्तन करेंगे और इनके संरक्षण के लिए कदम बढ़ाएंगे। हम पृथ्वी के संरक्षण के लिए ग्रीनहाउस गैस के प्रभाव को काम करेंगे और हम लोगों को इसके प्रति प्रेरित करेंगे। हम पृथ्वी के संरक्षण के लिए वृक्ष लगाएंगे और मिट्टी के संसाधनों का सदुपयोग करेंगे। वे न केवल स्वयं प्रकृति की रक्षा करेंगे, बल्कि अपने परिवार और समुदाय को भी इस दिशा में जागरूक करेंगे।

कॉलेज के वाइस प्रिंसिपल ने अपने संबोधन में कहा, ÷आज की युवा पीढ़ी को यह समझने की आवश्यकता है कि पृथ्वी दिवस सिर्फ एक दिन नहीं, बल्कि एक चेतावनी है कि हम अपनी धरती को अब और नुकसान नहीं पहुँचा सकते। एनसीसी के माध्यम से छात्रों में यह जिम्मेदारी विकसित की जा रही है, जो अत्यंत सराहनीय है।

इस पूरे आयोजन में एनसीसी कैडेट्स की सक्रिय भागीदारी ने यह सिद्ध कर दिया कि पर्यावरण के प्रति जागरूकता फैलाने में शिक्षण संस्थान और युवा वर्ग की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है।

कार्यक्रम का समापन हरित भारत - सुरक्षित भारत के नारे के साथ हुआ, जिसमें सभी ने मिलकर यह संकल्प लिया कि वे धरती को हरा-भरा बनाए रखने के लिए सदैव तत्पर रहेंगे।

प्रेस क्लब, हजारीबाग ने की पहलगाम हमले की घोर निंदा, आतंकियों की कार्रवाई को बताया कायरतापूर्ण

● केंद्र सरकार से पाकिस्तान की आतंकी गतिविधियों पर लगाम कसने की मांग

● मारे गए पर्यटकों के परिजनों को उचित मुआवजा और पीड़ित परिवार के एक व्यक्ति को नौकरी दें सरकार

आदिवासी एक्सप्रेस
हजारीबाग। प्रेस क्लब, हजारीबाग ने कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हमले की घोर निंदा की है। साथ ही आतंकवादियों की इस गतिविधि को कायरतापूर्ण करार दिया है। प्रेस क्लब हजारीबाग और इससे जुड़े जिलेभर के पत्रकारों ने आतंकी हमले में प्राण गंवानेवाले पर्यटकों के प्रति गहरी संवेदना जताई है। प्रेस क्लब हजारीबाग के अध्यक्ष उमेश प्रताप ने केंद्र सरकार से पाकिस्तान से जारी आतंकी गतिविधियों पर शीघ्र लगाम कसने की मांग की है। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ पहलगाम पर नहीं, हमारी

मातृभूमि संपूर्ण हिन्दुस्तान पर हमला है। उन्होंने आतंकी हमले में मारे गए पर्यटकों को उचित मुआवजा और पीड़ित परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने की मांग की है।

प्रेस क्लब हजारीबाग के सचिव मिथिलेश मिश्र ने बयान जारी करते हुए कहा कि पहलगाम हमला बर्दाश्त के लायक नहीं है। गृहमंत्री को इस पर कड़ी कार्रवाई करने की जरूरत है। इसका मुंहतोड़ जवाब आतंकवादियों को मिलना ही चाहिए। साथ ही पर्यटन स्थलों में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने की आवश्यकता है। इस संबंध में केंद्र सरकार को पत्राचार भी किया जाएगा। प्रेस क्लब हजारीबाग के सभी साथियों ने इस दुःख की घड़ी में सांत्वना के स्वर दिए हैं।

आयुष्मान भारत योजना के लंबित आवंटन के कारण प्राइवेट अस्पतालों की स्थिति बिगड़ी कई अस्पतालों में 3 महीने से चिकित्सक व कर्मियों का वेतन रुका, बैंक लोन पर चल रहे हैं हॉस्पिटल

● आयुष्मान योजना के बकाए का भुगतान नहीं हुआ तो खड़े कर सकते हैं प्राइवेट अस्पताल अपना हाथ ● डायलिसिस समेत गंभीर मरीजों की बढ़ सकती हैं मुश्किले

● जुलाई से नहीं हुआ है भुगतान हजारीबाग चैप्टर के दोनों जिले में 50 करोड़ से अधिक है बकाया, आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं संचालक फिर भी हम कार्डधारियों को दे रहे हैं सेवाः अध्यक्ष

आदिवासी एक्सप्रेस
हजारीबाग। आयुष्मान भारत योजना से लाभान्वित हो रहे हजारीबाग और रामगढ़ जिले के 10 लाख कार्डधारी की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। प्राइवेट और मनचाहे अस्पतालों में बेहतर इलाज की सुविधा प्राप्त करने में बाधा उत्पन्न हो सकता है। ऐसी स्थिति इसलिए उत्पन्न हो सकती है की आयुष्मान योजना से संबंध प्राइवेट अस्पतालों का भुगतान जुलाई से लंबित है। 10 महीने से करोड़ों की राशि का बकाया होना प्राइवेट अस्पतालों में आर्थिक संकट उत्पन्न कर दिया है। लोग अस्पताल संचालन के लिए कर्ज ले रहे हैं बैंक लोन पर कई अस्पताल संचालित हो रहे हैं। इसको लेकर एसोसिएशन आफ हेल्थ केयर प्रोवाइईस इंडिया के झारखंड चैप्टर के ज्वाइंट सेक्रेटरी हर्ष अजमेरा की अध्यक्षता में हजारीबाग चैप्टर के रामगढ़ और हजारीबाग के प्राइवेट अस्पताल के संचालकों ने प्रेस कॉन्फ्रेंस किया है। यह प्रेस कॉन्फ्रेंस हजारीबाग आरोग्यम नर्सिंग कॉलेज के सभागार में आयोजित हुआ।

जहां झारखंड चैप्टर के जॉइंट सेक्रेटरी हर्ष

अजमेरा ने पूरा ब्योरा प्रस्तुत करते हुए कहा कि दोनों जिले में 1025000 आयुष्मान कार्ड धारक हैं। जिसमें 7 लाख हजारीबाग जिले में और 325000 कार्डधारी रामगढ़ जिले में है। वही हजारीबाग जिले में 20 और रामगढ़ जिले में 6 प्राइवेट अस्पताल आयुष्मान योजना से पंजीकृत हैं। जो कार्ड धारकों का इलाज करते आ रहे हैं। आज स्थिति यह है कि जुलाई 2024 से आयुष्मान संबंध प्राइवेट अस्पतालों का आयुष्मान योजना का भुगतान नहीं हो पाया है। इस बकाया राशि का आंकड़ा 50 करोड़ से अधिक है। जिसमें लगभग 40 करोड़ हजारीबाग का और 10 करोड़ से अधिक रामगढ़ जिले का है। उन्होंने बताया कि आयुष्मान भारत योजना 2018 में लॉन्च हुआ। भारत देश के झारखंड राज्य से ही इसका लॉन्चिंग हुआ यह इस राज्य का सौभाग्य था। लेकिन अफसोस है कि इसी राज्य में प्राइवेट अस्पतालों का भुगतान नहीं हो पा रहा है और आज निजी अस्पताल संचालक आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं। जबकि 70 फ़ीसदी आयुष्मान योजना के मरीजों का इलाज हम प्राइवेट अस्पताल करते आ रहे हैं 30 फ़ीसदी ही मरीजों का इलाज सरकारी अस्पतालों में होने का आंकड़ा है। कहां की हम प्राइवेट अस्पताल संचालक सरकार के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम करते आ रहे हैं ताकि अधिक से अधिक लोग को इस योजना का लाभ मिले और बेहतर इलाज मुहैया हो सके आयुष्मान कार्ड धारकों का इलाज निरंतर हमारे द्वारा जारी है, लेकिन आज हम प्राइवेट अस्पताल संचालकों को ही बीच मझधार में छोड़ दिया गया है। चिकित्सक व कर्मियों का तीन-तीन माह से वेतन लंबित है। जिसका भुगतान हम लोग नहीं कर पा रहे हैं। इसके अतिरिक्त दवाई मेडिकल व्यवस्था इत्यादि में आए खर्च का भुगतान भी लंबित पड़ा हुआ है।

कहां की यह कहकर पैसे का भुगतान नहीं किया जा रहा है कि अभी ईडी की जांच चल रही है तो इडी अपना काम कर रहा है लेकिन जिन पर आरोप नहीं है और जो आरोप मुक्त हैं उनका भुगतान क्यों लंबित है। इडी की जांच हिमाचल में भी चल रहा है लेकिन हिमाचल में क्यों भुगतान हो रहा है और झारखंड में इसे क्यों रोक कर रखा गया है। कहां की 12 अस्पताल जांच की लिस्ट में थे ।जिसमें जिला स्तर से उपायुक्त द्वारा कमिटी बनाकर जांच हुई थी और सभी आरोप मुक्त हैं। उन्होंने बताया कि पूरे झारखंड में 540 प्राइवेट और सरकारी अस्पताल आयुष्मान से पंजीकृत हैं। कहां की अकेले आरोग्यम हॉस्पिटल ने 25 240 मरीजों का इलाज किया है जिसमें 3500 मरीज के इलाज की राशि बकाया है।

बताया कि कई मरीज है जो इस योजना का लाभ लेते हुए डायलिसिस पर हैं। कई मरीज हैं जिन्हें महीने में चार से पांच बार डायलिसिस कराना होता है। अगर इस योजना का लाभ उन्हें नहीं मिले तो 40 से 50000 का खर्च प्रतिमाह आएगा। ऐसे में उनकी मुश्किलें बढ़ सकती हैं। इस दौरान न्यू लाइफ लाइन के संचालक डॉ अमर कुमार , आरोग्यम हॉस्पिटल के एडमिनिस्ट्रेटर जया सिंह, डॉक्टर मेराज ,डॉ बीएन प्रसाद, डॉ सत्यवीर सिंह समेत सभी संचालकों और चिकित्सकों ने अपनी बातें रखी।

इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में जीवन श्री अस्पताल रामगढ़, प्राइम हॉस्पिटल रामगढ़ ,होप हॉस्पिटल रामगढ़, एचजेडबी आरोग्यम हॉस्पिटल हजारीबाग, डॉक्टर मेराज आई एंड डेंटल हॉस्पिटल हजारीबाग, श्रीनिवास हॉस्पिटल हजारीबाग, शांति सेवा सदन बड़कागांव, वंदना नर्सिंग होम हजारीबाग, आयुष्मान हॉस्पिटल हजारीबाग, क्षितिज हॉस्पिटल, न्यू लाइफ लाइन हॉस्पिटल, हमीदा नर्सिंग होम, राज हॉस्पिटल, महावीर हॉस्पिटल, श्री हरिकिशन हॉस्पिटल समेत सभी आयुष्मान योजना से संबंध रखने वाले अस्पतालों के संचालक और चिकित्सक मौजूद थे।

पूर्व मध्य रेल

ई–निविदा सूचना

ई–निविदा सूचना सं० एस०जी०/डी०एस०ई०/ओ०टी०/06/25 वरीय मंडल संकेत एवं दूर संचार अभियन्ता, पूर्व मध्य रेल, राष्ट्रपति के तरफ से ई–निविदा, अनुभवी ठेकेदार से निर्मित फार्म में नीचे दिए गए कार्यों के लिए आमन्त्रित करती है।

1. कार्य का नाम एवं स्थान : अल्टरेशन ईन सिमेन्स मेक ई.आई (इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग) सिस्टम एट 02 स्टेशन्स ईन कनेक्शन बिथ करेक्शन ईन यार्ड लेआउट वर्क एट (i) यार्ड रिमॉडलिंग एट सैयदराजा फॉर इनक्रिजिंग द सीएसएल ऑफ अप लूप लाईन एंड प्रोविजन ऑफ ओभर रन लाईन ईन डाउन लूप लाईन एंड (ii) प्रोविजन ऑफ ओभर रन लाईन ईन अप लूप लाईन एट गंज ख्वाजा स्टेशन।

2. कार्य का अनुमानित मूल्य : ₹ 2,56,99,717.75/– (दो करोड़ छप्पन लाख निनान्वे हजार सात सौ सतरह रूपये एवं पचहत्तर पैसे मात्र)। **3. धरोहर राशि :** ₹ 2,78,500.00/– (दो लाख अठहत्तर हजार पाँच सौ रूपये मात्र)। **4. ई–निविदा बंद होने की तिथि एवं समय :** दिनांक 13/05/2025 को 12:30 तक।

5. वेबसाइट का पता जहाँ से ई–निविदा का पूर्ण विवरण देखा जा सकता है : www.ireps.gov.in

मं०सं० एवं दू०सं० अभि०
पूर्व मध्य रेल, डी.डी.यू.
पीआर/0135/डीडीयू/एस&टी/टी/25–26/32

दयालपुर में हरियाली की नई शुरुआत : सीएसआर पहल में लगाए जा रहे हैं 10,000 पौधे

फरीदाबाद की इम्पीरियल ऑटो और नेशनल ह्यूमन वेलफेयर काउंसिल की साझेदारी में नवंबर 2024 से चल रहा है वृक्षारोपण अभियान

नई दिल्ली, (आरएनएस)। फरीदाबाद के दयालपुर गाँव में इन दिनों हरियाली की एक नई कहानी लिखी जा रही है, जहां एक विशेष हरित पहल के तहत हज़ारों पौधे लगाए जा रहे हैं। इम्पीरियल ऑटो इंडस्ट्रीज लिमिटेड की कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) के तहत नेशनल ह्यूमन वेलफेयर काउंसिल के सहयोग से एक विशेष वृक्षारोपण अभियान चलाया जा रहा है। यह

पहल नवंबर 2024 में शुरू हुई थी और अब तक गाँव में सैकड़ों पौधे लगाए जा चुके हैं। इस वर्ष इम्पीरियल ऑटो ने 10,000 पौधे लगाने का संकल्प लिया है, जिसे संस्था पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ पूरा करने में जुटी है। संस्था के अध्यक्ष गुंजन मेहता ने इम्पीरियल ऑटो के समर्थन के लिए आभार जताते हुए बताया कि पौधरोपण के लिए उपयुक्त स्थान की खोज में उन्हें दयालपुर गाँव का सहयोग मिला, जहाँ गाँव के सरपंच और स्थानीय निवासियों ने खुलकर साथ दिया। गाँव के सरपंच और ग्रामीणों की सक्रिय भागीदारी से, वर्ष 2018 से खाली पड़ी हर्बल पार्क की चार एकड़ भूमि को पौधरोपण के लिए चुना गया। लिखित अनुमति मिलने के बाद, सबसे पहले एक एकड़ क्षेत्र को साफ करके पौधरोपण के लिए तैयार किया गया। एक महीने से अधिक समय की मेहनत के बाद जिसके बाद यहाँ बड़े पैमाने पर पौधरोपण की शुरुआत की गई। संस्था अब आगामी 5 जून - विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर एक भव्य वृक्षारोपण कार्यक्रम की तैयारी कर रही है, जिसमें इम्पीरियल ऑटो की टीम को भी विशेष रूप से आमंत्रित किया गया है। यह अभियान केवल पौधरोपण तक सीमित नहीं है; इसका उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति जनजागरूकता बढ़ाना और स्थानीय समुदाय को इस प्रयास से जोड़ना भी है। नेशनल ह्यूमन वेलफेयर काउंसिल का मानना है कि जब समाज साथ आता है, तब ही पर्यावरण की रक्षा और सतत विकास जैसे लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

संक्षिप्त समाचार

एमिटी यूनिवर्सिटी झारखंड ने 'द बार्ड फेस्टः ऑल द वर्ल्ड्स ए स्टेज' का आयोजन किया

एमिटी यूनिवर्सिटी झारखंड ने 23 अप्रैल, 2025 को एमिटी इंस्टीट्यूट ऑफ इंग्लिश स्टडीज एंड रिसर्च (AIESR) द्वारा 'द बार्ड फेस्ट- ऑल द वर्ल्ड्स ए स्टेज' शीर्षक से विलियम शेक्सपियर की कालातीत विरासत का जश्न मनाया।

रांची स्थित दिल्ली पब्लिक स्कूल, सरला बिरला पब्लिक स्कूल, टेंडर हार्ट स्कूल और सेंट एंथोनी स्कूल के छात्रों और उनके शिक्षकों का स्वागत करते हुए, एमिटी यूनिवर्सिटी झारखंड के कुलपति डॉ. अशोक के. श्रीवास्तव ने विलियम शेक्सपियर के नाटकों और कविताओं पर प्रकाश डाला। यह एक प्रेरणादायक दिन होना चाहिए जिसे दैनिक जीवन में शामिल किया जा सके। अपने विचारों में हमेशा नवीनता रखें,÷उन्होंने छात्रों से आग्रह किया। अतिथि वक्ता, राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय के अकादमिक परिषद के सदस्य श्री अजय मलकानी ने विलियम शेक्सपियर के नाटकों के बारे में अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की और विलियम शेक्सपियर की जयंती मनाने के लिए एमिटी विश्वविद्यालय झारखंड द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना की।

कर्मदेव भगत को बालूमाथ कांग्रेस के पश्चिमी मंडल अध्यक्ष बने

संवाददाता राम कुमार

बालूमाथ। बालूमाथ जिला संगठन सृजन मंथन कार्यक्रम 2025 के तहत बालूमाथ प्रखंड में कांग्रेस पार्टी ने संगठनात्मक ढांचे को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए कर्मदेव भगत को पश्चिमी मंडल अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया।नियुक्ति पत्र जिला कांग्रेस अध्यक्ष गुजर उरांव एवं बालूमाथ प्रखंड अध्यक्ष मो आमिर हयात के द्वारा सौंपा गया। इस अवसर पर कार्यक्रम में कई वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं की उपस्थिति रही। बधाई देने वालों में बालूमाथ प्रखंड पर्यवेक्षक पंकज तिवारी,चंदवा प्रखंड अध्यक्ष मो असगर खान, बारियातू प्रखंड अध्यक्ष रिगन कुमार,वरिष्ठ कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष हाजी मोतिउर्रहमान, मो जुबैर सहित अन्य कार्यकर्ता शामिल रहे। नवनियुक्त मंडल अध्यक्ष कर्मदेव भगत ने कांग्रेस नेतृत्व का आभार प्रकट करते हुए कहा कि वे पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुँचाने का कार्य पूरी निष्ठा से करेंगे और संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत बनाने का प्रयास करेंगे।

बाइक में साड़ी फंसने से महिला घायल, रिम्स रेफर

बालूमाथ। बालूमाथ चतरा जिले की रहने वाली 32 वर्षीय कोशिल्या देवी, पति उदय यादव, एक गंभीर सड़क हादसे की शिकार हो गईं। यह दर्दनाक घटना उस वक्त हुई जब वह अपने पति के साथ बाइक पर सवार होकर हजारीबाग से बरियातू की ओर जा रही थीं। सूत्रों के अनुसार,जैसे ही बाइक बारीखाब के पास पहुंची,महिला की साड़ी अचानक बाइक के पहिये में फंस गई। इससे बाइक अनियंत्रित होकर सड़क पर गिर पड़ी,और दोनों पति-पत्नी हादसे का शिकार हो गए। घटना के बाद स्थानीय लोगों की मदद से घायल कोशिल्या देवी को तुरंत बालूमाथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने बताया कि महिला के सिर सहित शरीर के कई हिस्सों में गंभीर और आंतरिक चोटें आई हैं,जिनका समुचित इलाज के लिए रांची रिम्स रेफर कर दिया गया है। फिलहाल महिला की स्थिति गंभीर बताई जा रही है। इस घटना ने एक बार फिर महिला यात्रियों के पारंपरिक परिधानों के चलते होने वाले हादसों पर चिंता बढ़ा दी है। सड़क सुरक्षा को लेकर आमजन में जागरूकता फैलाने की ज़रूरत है, खासकर बाइक सवार महिलाओं के लिए जो साड़ी पहनकर यात्रा करती हैं।

विश्व पृथ्वी दिवस पर आयोजित दो दिवसीय कार्यक्रम का समापन पर्यावरणविद ने वृक्षों पर रक्षाबंधन कर किया

- बढ़ती प्रदूषण, जल संकट, भीषण गर्मी व जलवायु परिवर्तन रोकने का चाबी है पौधा रोपण डॉ कौशल
- प्रकृति से केवल लेना नहीं देना भी सीखें वन राखी मूवमेंट के प्रणेता डॉ कौशल

छतरपुर, पलामू, ठेठईटांगर सिमटेगा

नवा बाजार के कांड के वन वृक्षों पर छतरपुर के ग्राम पंचायत डाली बाजार बेल टांड़ के वन वृक्षों पर रक्षाबंधन और कौशल नगर मोहनलाल खुर्जा पार्वती देवी पार्क परिसर में बारहमासी कटहल के पौधा रोपण और सिमडेगा जिले के ठेठईटांगर जामपानी मिशन स्कूल में थाईलैंड प्रजाति के आम के पौधा वितरण और रोपण व वृक्षों पर रक्षाबंधन कर दो दिवसीय आयोजित कार्यक्रम का समापन विश्वव्यापी पर्यावरण संरक्षण अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह पर्यावरण धर्मगुरु व बनराखी मूवमेंट के प्रनेता पर्यावरणविद ट्री मैन डॉ कौशल किशोर जायसवाल ने पलामू में बढ़ते तापमान पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि वह दिन दूर नहीं जब पलामू प्रमंडल के लोग खुद पलामू छोड़कर भागने पर विवश होंगे

वन वृक्षों पर रक्षाबंधन करते व शपथ दिलाते पर्यावरण धर्मगुरु डॉ कौशल

पर्यावरण धर्मगुरु डॉ कौशल ने कार्यक्रम का शुभ आरंभ कन्या पूजन कर पर्यावरण धर्म के प्रार्थना के साथ पौधा रोपण कर उपस्थित छात्राओं को दिलाया वनों को आग से बचाने और पर्यावरण धर्म के 8 मूल ज्ञान मंत्रों की शपथ दिलाते हुए पढाया पर्यावरण धर्म की पाठ उन्होंने कहा कि एक तो पलामू से होकर कर्क रेखा गुजरने के कारण पहले से ही ब्लैक शैडो जोन में रखा गया है। दूसरी तरफ वनों के कटने और वनों में आग लगने से पत्थर पहाड़ नंगे होने के कारण प्रचंड गर्मी अचानक बढ़ी है। जिससे पलामू की धरती और आकाश में गर्मी का सुनामी आया है। यही कारण है कि पलामू देश का नंबर वन तापमान वाले जिला की सूची में शामिल हो गया है। उन्होंने कहा कि प्रकृति से केवल लेना नहीं देना भी सीखें क्योंकि बढ़ती प्रदूषण जल संकट भीषण गर्मी और तेजी से हो रहे जलवायु परिवर्तन को रोकना है तो लोग अपना धर्म के साथ-साथ पर्यावरण धर्म के आठ मूल ज्ञान मंत्रों को अपने दिनचर्या में शामिल कर एक-एक पौधा लगाकर बच्चों की तरह बचाएं दूसरा कोई विकल्प नहीं है।

कार्यक्रम कि अध्यक्षता कर रहे विद्यालय के प्रिंसिपल क्रोनोलिया डुंग डुंग ने कहा कि मैंने पर्यावरणविद डॉ कौशल किशोर के जीवनी को हमने बच्चें लोगों को पढ़ाया है इसके पूर्व हमारे विद्यालय मे पर्यावरणविद के द्वारा लगाए गए पौधे फल फूल दे रहे हैं।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ताओं में डाली पंचायत के पूर्व उप मुखिया अफजल अंसारी, जुबेर अंसारी, शिवनाथ राम, बाबूराम, अवधेश राम व श्याम देव सिंह ने पर्यावरण और पृथ्वी बचाने के लिए एक-एक पौधा लगाकर उसे बचाने की आग्रह की है इस कार्यक्रम में उपस्थित पर्यावरण प्रेमियों में लक्ष्मण राम, फुलवा देवी, देवंती देवी, राजपति कुंवर, संजू देवी, कमला कुमारी, सोनाली कुमारी, अनीता देवी, अमिता देवी, कलावती देवी, कुंती देवी, राजमतिया देवी, प्रियंका सोनमती, सुमित काफी संख्या में ग्रामीण शामिल थे।

नौडीहा तपती धूप और कड़ाके गर्मी से शिक्षक और छात्र-छात्राएं हैं बेहाल

- लू के देखते हुए विद्यालय में समय सारणी बदलाव की मांग शिक्षक

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता- पप्पू यादव

नौडीहा बाजार, पलामू। जिले के नौडीहा बाजार प्रखंड के अंतर्गत ढकनाथन प्राथमिक विद्यालय के वरिष्ठ शिक्षक अरुण कुमार सिंह को लू लग जाने के कारण उनको स्थिति नाजुक पड़ा हुआ है उनसे बातचीत करने पर उन्होंने बताया कि इतनी धूप और गर्मी से बच्चे तो बच्चे सभी

शिक्षक को भी बहुत बुरा हाल हो गया है सुबह 7:00 से 1:00 बजे दोपहर तक यानी मध्य दोपहरिया के समय में छुट्टी करना बच्चों को बहुत परेशानी का सामना करना पड़ रहा है एवं अरुण कुमार शिक्षक इस गर्मी लू लग जाने के कारण उनका तबीयत काफी बिगड़ चुका है इन्होंने बताया कि अगर समय रहते स्कूल का समय चयन नहीं किया गया तो बहुत आगे चलकर बच्चो को दिक्कत हो सकता है और उनकी यही स्थिति अभी भी है जो की प्राथमिक उपचार किया गया है इससे उनका कुछ आराम तो है बाकी चिंता सता रही है कल सुबह स्कूल जाने का और दोपहर में आने का इसलिए विभाग से मांग करता हू की समय सुबह 6:00 बजे से ज्यादा से ज्यादा 11:00 तक ही स्कूल चलाया जाए इससे बच्चे ,बच्चियों शिक्षक और अभिभावक गण सभी सुरक्षित हो सके।

फरार अभियुक्त के घर पुलिस ने चिपकाया इसतिहार, एक वारंटी अभियुक्त गिरफ्तार

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता- पप्पू यादव

नौडीहा बाजार, पलामू। पुलिस अधीक्षक रेशमा रमेशन के निर्देशानुसार नौडीहा बाजार थाना प्रभारी अमित कुमार द्विवेदी के अध्यक्षता में नौडीहा बाजार थाना कांड संख्या- 65/24 दिनाक- 13/10/2024 धारा- 70(2) BNS × 4/6 पोस्को एक्ट के अप्राथमिकी अभियुक्त (1) टिमन सूइयां पिता- वृक्ष भूइयां स्थान- नावाडीह थाना नौडीहा बाजार जिला

पलामू के घर पर एसआई आशीष कुमार ने अपने पुलिस दलबल के साथ स्थानीय ग्रामीणों के उपस्थिति में ढोल नगाड़ों के साथ विधिवत रूप से माननीय न्यायालय द्वारा निर्गत इसतिहार को चिपकाया गया वहीं बुधवार को नौडीहा बाजार थाना कांड संख्या 52/18, GR संख्या 503/19 के अजमानतीय वारंटी संतोष साव ग्राम झड़वाछाड़न थाना नौडीहा बाजार को विधिवत गिरफ्तार कर न्याय हिरासत में भेजा गया।

नवोदय संभागीय कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन, उपायुक्त हुई शामिल

प्रतियोगिता में पटना संकुल बना चैंपियन

आदिवासी एक्सप्रेस

हजारीबाग। नवोदय विद्यालय समिति पटना संभाग पटना के तत्वावधान में पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय, बोंगा हजारीबाग में आयोजित त्रिदिवसीय संभागीय कबड्डी प्रतियोगिता का आज दिनांक 23.4.2025 को समापन हो गया।

समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि उपायुक्त नैंसी सहाय शामिल हुई। इस दौरान उपायुक्त ने अपने संबोधन में कहा कि खेल जीवन जीने की कला सिखाता है। खेल हमें अनुशासन सिखाता है, धैर्य सिखाता है,आपसी प्रेम सिखाता है। विशिष्ट अतिथि डॉ बी डी त्रिवेदी ने भी खेल की महत्ता पर प्रकाश डाला।

इसके पूर्व संगीत शिक्षक अभिनीत कुमार के निर्देशन में साक्षी कुमारी वर्ग नवम, श्रुति कुमारी वर्ग नवम

और ग्रुप ने स्वागत गान प्रस्तुत किया। मुसकान और ग्रुप ने मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किया ।

विक्की कुमार दशम ने छाऊ नृत्य पेश करके सबका मन मोह लिया। विद्यालय के प्राचार्य विनोद कुमार पांडे ने विद्यालय परिवार की ओर से मुख्य अतिथि और अन्य गणमान्य अतिथियों का हार्दिक स्वागत किया। मो तनवीर अकबर खान ने विद्यालय परिवार की ओर से संपूर्ण कार्यक्रम का विस्तृत विवरण मुख्य अतिथि के समक्ष प्रस्तुत किया।

मंच संचालन सुश्री साक्षी कुमारी वर्ग द्वादश और सोनिया कुमारी वर्ग दशम ने किया

अंत में धनबाद ज्ञापन श्री मती जया जायसवाल ने किया। इस अवसर पर अरविंद कुमार सिंहा , गीतांजलि पांडे, अवधेश कुमार यादव, सुचिता कुजूर, एस के प्रसाद ,बी पी तिवारी, गणेश शंकर, प्रशांत बालाजी, वी सी मौर्य, ए के साहू, आशा पासवान, अफरोज आलम, दीपक यादव, कमलेश कुमार, राज कुमार महतो, मनोज कुमार ,अंजू दत्ता झा, प्रियंका शर्मा, मधु सिंह, सुलेखा कुमारी, सुनील चौबे, निरंजन प्रजापति आदि गणमान्य लोग उपस्थित थे।

आतंकवादियों को मुंहतोड़ जवाब देने की है जरूर - संदीप सरकार

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता

पलामू। जिले के छत्तरपुर युवा एकता मंच पलामू जिला अध्यक्ष सह छतरपुर पाटन विधानसभा के पूर्व विधायक प्रत्याशी युवा नेता संदीप सरकार ने प्रेस विज्ञप्ति ब्यान जारी करते हुए जम्मू कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमला पर मृतकों को विनम्र श्रद्धांजलि किया। उन्होंने कहा कि खबरों के अनुसार पूरे देश को मालूम चल रहा है कि जम्मू कश्मीर के पहलगाम में

पर्यटको पर आतंकवादी हमले से लगभग 35 व्यक्ति के मृत्यु हो गई है तथा काफी संख्या में घायल है। निहत्थे पर्यटकों पर इस तरह की आतंकवादी हमले से पूरे देश में मातम छाया हुआ है, जम्मू कश्मीर देश की खूबसूरत जगह है जहां भारत के सभी राज्यों से लोग शादी का सालगिरह, हनीमून या अपने-अपने खुशियों के अवसर पर घूमने जाते हैं परंतु आतंकवादी इस हमले के जरिए खौफ पैदा कर जम्मू कश्मीर को देश के अन्य राज्यों के व्यक्तियों से अलग रखना चाहते हैं पर्यटको पर हमला आतंकवादियों के बहुत बड़ी सोची समझी साजिश है, केंद्र सरकार को इस हमले का बदला लेना होगा। आतंकवादियों पर मुंहतोड़ जवाब का इंतजार पूरा भारत कर रहा है। यदि जरूरत पड़ी तो केंद्र सरकार के इशारे पर हर भारतीय हथियार उठाकर इस देश को बचाने के लिए लड़ने को तैयार है।

प्रेमिका को धोखा देकर प्रेमी ने की दूसरी शादी, गिरफ्तार

- रिसेप्शन के दौरान आ गई पुलिस, शादी वाले गेस्ट हाउस में मची अफरातफरी
- दूल्हे को रिसेप्शन से खींचकर ले गई पुलिस, प्रेमिका की बहादुरी की हो रही तारीफ

आदिवासी एक्सप्रेस / संतोष कुमार दास

हंटरगंज (चतरा)। हंटरगंज में अपनी प्रेमिका को धोखा देकर दूसरी युवती से शादी करने वाले युवक को हंटरगंज थाना पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। प्रेमिका ने मंगलवार को इसकी शिकायत हंटरगंज थाने में की थी। युवक पर शादी कर दो साल शारीरिक संबध बनाने का आरोप लगाया था।शिकायत के आलोक में हंटरगंज थाना प्रभारी प्रभात कुमार दल बल के साथ युवक के घर पहुंचे जहां रंगारंग कार्यक्रम रिसेप्शन पार्टी का आयोजन हुआ था पुलिस को घर पर पहुंचते ही शादी वाले गेस्ट हाउस में अफरातफरी मच गई। इधर थाना

प्रभारी ने तत्परता दिखाते हुए दूल्हे को रिसेप्शन से खींच कर हंटरगंज थाने ले आई।राजस्थान के अजमेर जिला के आदर्श नगर थाना क्षेत्र अन्तर्गत मखुरा हटूंडी रोड़ जोधपुर की रहने वाली युवती का हंटरगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत गोसाईडीह निवासी युवक चंदन कुमार से दो साल से प्रेम प्रसंग चल रहा था। प्रेमिका का आरोप है कि चन्दन ने सितम्बर 2023 को अजमेर के एक मंदिर में मेरे साथ शादी की और उसका शारीरिक शोषण लगभग दो साल तक किया इस दौरान नवंबर 2023 में गर्भपात करवाया। उसके बाद युवक 6 अप्रैल 2025 को मुझसे यह बोलकर दिल्ली आया था की कुछ दिन के लिए भैया पास जा रहा हूं . उसके बाद कुछ दिन के घर जाऊंगा मेरे रिश्तेदार की शादी है। जब मैं 20 अप्रैल को उसकी भतीजी के इंस्टाग्राम आईडी पर देखा की चन्दन दूसरी लड़की से शादी रचा ली है मेरे पैरों तले जमीन घिसक गई। हैरत की बात है कि अभी तक प्रेमिका के लिए जीने मरने की कसम खाने वाला प्रेमी भी अपने परिजनों के पक्ष में चला गया और दूसरी शादी रचा ली। युवक चन्दन ने प्रेमिका से चोरी छिपे दूसरी युवती से 20 अप्रैल को बिहार के गया जिला के बाराचट्टी थाना क्षेत्र अंतर्गत लय गांव में शादी रचा ली। जब प्रेमिका को इसकी जानकारी लगी तो उसके पैरों तले जमीन खिसक गई। प्यार में धोखा मिलने के बाद प्रेमिका आनन - फानन में राजस्थान से हंटरगंज थाने पहुंची जहां मामले की शिकायत पुलिस से की। हंटरगंज पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज की। रिपोर्ट दर्ज करने के बाद हंटरगंज थाना पुलिस उसकी धरपकड़ में लग गई। हंटरगंज थाना प्रभारी प्रभात कुमार दल बल के साथ युवक के घर पहुंचे जहां रंगारंग रिसेप्शन पार्टी से पुलिस ने आरोपी प्रेमी को गिरफ्तार किया। मेडिकल परीक्षण कराने के बाद पुलिस ने उसे जेल भेज दिया। हंटरगंज थाना प्रभारी प्रभात कुमार ने बताया कि आरोपी भागने की फिराक में था। उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। प्रेमी की गिरफ्तारी न होने तक युवती काटती रही थाना की चक्कर प्रेमिका की शिकायत के बाद पुलिस ने तुरंत आरोपी युवक चन्दन के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया। शिकायत के बाद से ही प्रेमिका हंटरगंज थाना में जमी थी। प्रेमी के गिरफ्तार कर जेल भेजे जाने के बाद वह चैन से बैठी। बुधवार को आरोपी चन्दन को जेल भेजे जाने के दौरान युवती चतरा कोर्ट में ही मौजूद रही। इधर इस संबध में आरोपी के मां उर्मिला देवी ने बताई की इस संबध में हमसभी परिजन को कोई जानकारी नहीं थी जब अचानक पुलिस मेरे घर और लड़की थाना पहुंची तब हमलोगो को इसकी जानकारी हुई वही आगे उन्होंने बताया हमलोग पर जो भी युवती के द्वारा आरोप लगाया जा रहा है हमसभी परिवार को इसके संबध में कोई जानकारी नहीं है।

हुसैनाबाद के महुडंड में मनरेगा योजनाएं का स्थलीय निरीक्षण करते मनरेगा कर्मी

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता-लालू कुमार यादव

हुसैनाबाद, पलामू। हुसैनाबाद प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत सुदूरवर्ती क्षेत्र महुडंड पंचायत में मनरेगा योजनाएं का एरिया ऑफ़िसर एप्स के माध्यम से 45.C सेल्सियस कड़ी धूप में मनरेगा योजनाएं कि स्थलीय निरीक्षण करते हुए और मनरेगा गाइडलाइंस कि जानकारी देते हुए। मनरेगा सहायक परियोजना

पदाधिकारी संजय कुमार, प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी चंद्रशेखर दुबे,कनिया अभियंता विपीन कुमार, रोजगार सेवक, सफीर आलम साहित कई मनरेगा मजदूरों, मेठ, और लाभुकों उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

उपायुक्त ने स्कूल रुआर एक 2025 जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो पाकुड़

रविन्द्र भवन टाउन हॉल परिसर से उपायुक्त मनीष कुमार, जिला पंचायत राज पदाधिकारी श्रीमती प्रीतिलता मुर्मू, डीईओ श्रीमती अनीता पुरती एवं डीएसई श्री नयन कुमार द्वारा स्कूल रूआर 2025 को लेकर जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। उपायुक्त मनीष कुमार ने कहा कि यह जागरूकता रथ गांव-गांव जाकर अभिभावकों को अभियान की जानकारी देगा और बच्चों के स्कूल में नामांकन के बारे में जागरूक करेगा। उपायुक्त ने जिलावासियों से अपील किया कि जिले में ड्रापआउट एवं अनामांकित बच्चों का विद्यालय में नामांकन करवाने व शिक्षा के मुख्यधारा से बच्चों को जोड़ने को लेकर सहयोग करें।

उपायुक्त की अध्यक्षता में जिला सुरक्षा समिति की बैठक की गई

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो पाकुड़

उपायुक्त मनीष कुमार ने जिला सुरक्षा समिति की बैठक में निजी अंगरक्षक उपलब्ध कराने के लिए जिले में प्राप्त आवेदनों की जानकारी ली। प्राप्त आवेदनों पर निःशुल्क और सशुल्क निजी अंगरक्षक उपलब्ध कराने को लेकर चर्चा की गई। जिसके बाद कुछ आवेदनों को स्वीकृति प्रदान की गई। जिले में सुरक्षा समिति की ओर से प्राप्त आवेदनों के माध्यम से पूर्व में दिए गए अंगरक्षकों की भी समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया। मौके पर पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार, उप विकास आयुक्त महेश कुमार संथालिया, अपर समाहर्ता जेम्स सुरीन, प्रभारी, सामान्य शाखा मोहनलाल मरांडी, जिला पंचायत राज पदाधिकारी श्रीमती प्रीतिलता मुर्मू, जिला स्थापना उप समाहर्ता श्री मनीष कुमार, विशेष कार्य पदाधिकारी त्रिभुवन कुमार सिंह, मुख्यालय डीएसपी श्री जितेन्द्र कुमार, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, पाकुड़ श्री डीएन आजाद समेत अन्य उपस्थित थे।

उपायुक्त मनीष कुमार की अध्यक्षता में सरकारी आवास आवंटन समिति की बैठक आयोजित की गई

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो पाकुड़

उपायुक्त ने पदाधिकारियों एवं कर्मियों के आवास को जीणोद्धार हेतु भवन प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता को प्राक्कलन बनाने का निर्देश दिया गया। साथ ही परिसर का सौंदर्यीकरण करने, पेड़ लगाने, बाउंड्रीवॉल मरम्मती एवं सर्किट हाउस की मरम्मति करने का निर्णय लिया गया। बैठक में पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार, उप विकास आयुक्त महेश कुमार संथालिया, अपर समाहर्ता जेम्स सुरीन, प्रभारी, सामान्य शाखा मोहनलाल मरांडी, जिला स्थापना उप समाहर्ता मनीष कुमार, विशेष कार्य पदाधिकारी त्रिभुवन कुमार सिंह समेत अन्य उपस्थित थे।

बाबा साहेब की जयंती पर समारोह का आयोजन किया गया

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam

साहिबगंज। ऑल इंडिया एससी/एसटी रेलवे कर्मचारी संगठन की साहिबगंज शाखा की ओर से मंगलवार की देर शाम स्थानीय रेलवे स्टेशन चौक स्थित नवनिर्मित अंबेडकर पार्क में बाबा साहेब की जयंती पर समारोह का आयोजन किया गया। मौके पर अंबेडकर पार्क की स्थापना की गई। अध्यक्षता अभिनंदन कुमार ने की। वहीं मौके पर बतौर मुख्य अतिथि ईई रामाकांत पासवान, शाखा सचिव प्रेम शंकर पासवान, एडिशनल शाखा सचिव अभय चौधरी ने संयुक्त रूप से बाबा साहेब की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर व माल्यार्पण कर कार्यक्रम शुरू किया। वहीं मौके पर एग्जीक्यूटिव इंजीनियर ने बाबा साहेब की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए उनके बताएं गए रास्तों को अपनाने की अपील की। शाखा सचिव प्रेम शंकर, कोषाध्यक्ष राजकुमार राम आदि ने बाबा साहेब की जीवनी से प्रेरणा लेने की बात कही है। मौके पर संगठन मंत्री गौतम दास, हिमांशु कुमार, मुकेश चौधरी शत्रुघ्न चौधरी, मौसम कुमार, पीके प्रभाकर, लूसीयस मुर्मू, लोको इंस्पेक्टर बीबी प्रसाद, एलारसा के एडिशन ब्रांच सेक्रेटरी गोपाल कुमार, निरंजन दास जूनियर इंजीनियर, सुजीत दास, अशोक कुमार लोको पायलट, केडी मंडल, आदि मौजूद थे।

उपायुक्त ने सभी से आग्रह किया कि वे ज्यादा से ज्यादा लोगों को प्रेरित कर रक्तदान करवाएं

● उपायुक्त ने वीसी के माध्यम से जिला स्तरीय पदाधिकारी एवं प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी को भी ब्लड डोनेशन कैंप को सफल कराने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिया

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्युरो पाकुड़

उपायुक्त मनीष कुमार ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से 24 अप्रैल को जिले एवं सभी प्रखंडों में आयोजित होने वाले ब्लड डोनेशन कैंप एवं कालाजार उन्मूलन के सफल क्रियान्वयन को लेकर जेएसएलपीएस दीदी, पीडीएस डीलर, सहिया, सेविका के साथ बैठक कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिया।

बैठक में उपायुक्त ने कहा कि छिड़काव के लिए जब कोई दल आपके पास आए तो उनको पूर्ण सहयोग प्रदान करते हुए अपने घरों के भीतर जैसे- शयनकक्ष, रसोईघर, बरामदा, पूजा घर, गौशाला एवं अन्य सभी जगहों की दीवारों पर इसका छिड़काव अवश्य करवाएं एवं आसपास के लोगों को भी इसका छिड़काव कराने के लिए प्रेरित करें। 7 दिनों से या उससे अधिक दिनों से बुखार रहने पर छिड़काव दल को अवश्य बताएं ताकि छूपे हुए कालाजार संभावित रोगियों की पहचान हो सके एवं समय रहते उचित ईलाज किया जा सके।

इसके अलावा उपायुक्त ने बताया कि हरेक साल 24 अप्रैल को पंचायत दिवस मनाया जाता है। पंचायत दिवस के अवसर पर पुराना सदर अस्पताल एवं सभी प्रखंडों में ब्लड डोनेशन कैंप का आयोजन होना है। उपायुक्त ने कहा कि जिसका हिमोग्लोबिन 10 से ऊपर है व स्वेच्छा से ब्लड डोनेशन कैंप में शामिल होकर ब्लड डोनेशन करना चाहते हैं वे रक्तदान अवश्य करें। ब्लड डोनेशन करने वाले लोगों को प्रोजेक्ट जागृति के तहत जिला प्रशासन के द्वारा सर्टिफिकेट दिया जाएगा। उपायुक्त ने कहा कि सभी प्रखंडों में अबुआ आवास का निर्माण किया जा रहा है। आप सभी मुखिया के साथ मिलकर सहयोग करके अबुआ आवास कंप्लीट करवायें। आपके आसपास कोई बच्चा स्कूल नहीं जाता है तो उसे स्कूल जरूर भेजें। उपायुक्त ने कहा कि (पाकुड़ बोलेगा) अब हर बच्चा को सबके सामने बोलने का मौका देना है। हर एक दिन पन्ना जिंदगी का प्रतिदिन लिखायें। जब बच्चा स्कूल से आते हैं तो आज आपने क्या सीखें, सभी का वीडियो जरूर बनवायें।

डीसी ने कालाजार कीटनाशी छिड़काव के सफल क्रियान्वयन को लेकर समीक्षात्मक बैठक की

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो पाकुड़

उपायुक्त मनीष कुमार ने कालाजार उन्मूलन हेतु किए जा रहे कीटनाशी छिड़काव और एक्टिव केस सर्च के सफल क्रियान्वयन को लेकर सभी प्रखंडों के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी, सभी भीबीडी नोडल पदाधिकारी, सभी सीएचओ एवं एमपीडब्लू के साथ समीक्षात्मक बैठक की। बैठक में उपायुक्त मनीष कुमार ने कीटनाशी छिड़काव को गंभीरता से मानीटरिंग करने का निर्देश सम्बंधित प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी को दिया। एम0पी0डब्लू, सी0एच0ओ एवं

एस0एफ0डब्लू को कीटनाशी छिड़काव से पूर्व ग्रामीणों को कीटनाशी छिड़काव की जानकारी घर घर पहुंचाने का निर्देश दिया गया ताकि छिड़काव के दिन एक भी बंद और आंशिक छिड़काव वाले घर न हो और छिड़काव के दौरान ग्रामीणों को छिड़काव के बाद 75 दिनों तक लिपाई - पुताई नहीं करने के लिए भी जागरूक करने के लिए कहा गया। छिड़काव लेने हेतु ग्रामीणों को प्रेरित करने के लिए पीआरआई सदस्य, पीडीएस डीलर, जेएसएलपीएस दीदी, सेविका, जलसहिया,सहायिका आदि का सहयोग लेने के लिए कहा गया। छिड़काव के दौरान एक्टिव केस सर्च गुणवत्तापूर्ण हो ताकि अधिक से अधिक सस्पेक्टेड मरीजों को खोजा जाए और उनको एक से दो दिनों में स्वास्थ्य केंद्रों में लाकर उचित उपचार किया जाए।

मौके पर जिला भी0बी0डी पदाधिकारी डॉ अमित कुमार, डब्लू0एच0ओ के क्षेत्रीय समन्वयक डॉ हासिब उपस्थित थे।

उपायुक्त ने 14 दिवसीय कॉस्ट्यूम ज्वेलरी प्रशिक्षण कार्यक्रम का किया शुभारंभ

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो पाकुड़

बुधवार को भारतीय स्टेट बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान सोनजोड़ी पाकुड़ में पलाश (जेएसएलपीएस) पाकुड़ के सखी मंडल के दीदियों का 14 दिवसीय कॉस्ट्यूम ज्वेलरी प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ जिसका विधिवत उद्घाटन उपायुक्त मनीष कुमार, निदेशक आरसेटी, पाकुड़ राजेश कुमार मिश्रा, जिला प्रबन्धक (आजीविका) वीरेंद्र कुमार और वरिष्ठ संकाय अमित कुमार बर्धन द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया।

उपायुक्त मनीष कुमार ने दीदियों को संबोधित करते हुए कौशल प्रशिक्षण के महत्व के बारे में आवश्यक जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इस प्रशिक्षण का अधिकाधिक लाभ प्राप्त कर स्वावलंबी बने। उन्होंने आरसेटी पाकुड़ में प्रशिक्षण को लगातार संचालित करने के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

निदेशक आरसेटी पाकुड़ राजेश कुमार मिश्रा, जिला प्रबन्धक (आजीविका) वीरेंद्र कुमार ने सभी प्रशिक्षुओं को शुभकामनाएं दी। मंच का संचालन करते हुए वरिष्ठ संकाय अमित कुमार बर्धन ने दीदियों को स्वरोजगारी बनने की सलाह दी। जीवन स्तर को सुधार करने में प्रशिक्षण के महत्त्व को बताया। वर्तमान समय में हुनरमंद होना नितांत आवश्यक है। पाकुड़ जिला की युवाओं और सखी मंडल की महिलाएं स्वरोजगार कर अच्छी आय प्राप्त कर रही हैं। लाभुकों को इस प्रशिक्षण के साथ साथ विपणन, उद्यमी योग्यता, समय प्रबंधन, वित्तीय समावेशन, प्रोजेक्ट रिपोर्ट, बैंकिंग, बीमा आदि से संबंधित जानकारी दी जाएगी।

आज के कार्यक्रम में संकाय वापी दास, कार्यलय सहायक शिबू कुनई और मोतीलाल साहा मौजूद रहे।

अवैध लॉटरी कारोबार पर कब लगेगा विराम

लोग कंगाल लॉटरी माफिया मालामाल

आदिवासी एक्सप्रेस जिला ब्यूरो

साहिबगंज जिला में अवैध लॉटरी कारोबार पर पुलिसिया कार्रवाई के बाद लॉटरी कारोबार पर प्रबंध तो लगा था परंतु केवल कुछ समय के लिए साहिबगंज जिले में अवैध लॉटरी के कारोबार पर लॉटरी माफिया द्वारा बड़े पैमाने पर भारी मात्रा में अवैध लॉटरी की तस्करी एवं बिक्री जिले के विभिन्न बाजारों में संचालित की फिर से की जा रही है जो पुलिस की आंखों में धूल झोंक कर इस कारोबार को बढ़ावा दे रहे हैं लॉटरी माफिया अपने सैकड़ो एजेंट के माध्यम तीन पहाड़ कोटालपोखर बरहेट बोरियो

बरहरवा थाना क्षेत्र के राजमहल बस

स्टैंड सब्जी मंडी सिनेमा हॉल रोड रेलवे फाटक हाई स्कूल रोड काली तल्ला बंगाली पड़ा तेतुलिया के कांटा के समीप में जोरो से अवैध लॉटरी एजेंट द्वारा बिक्री एवं तस्करी की जा रही है जो स्थानीय मजदूर छात्र एवं छोटे व्यवसाईयों को निशाना बनाकर उन्हें रातों-रात करोड़पति बनने के सपने दिखाकर अपना अवैध कारोबार संचालित करते हैं वर्तमान में नई तरकीब के साथ भी अवैध लॉटरी का खेल खेलने की जानकारी मिली है जो मोबाइल के व्हाट्सएप के जरिए केवल choice number को बुक किया जाता हैं ताकी पुलिस की नजरों से बचा जा सके लॉटरी माफिया के कुछ मुख्य डिस्ट्रीब्यूटर हैं डिस्ट्रीब्यूटर को अवैध लॉटरी की सप्लाई करते हैं आखिर इस अवैध कारोबार पर लगाम लगाने के लिए तमाम कार्रवाइयों के बाद भी धड़ाधड़ जिले मे यह कारोबार का संचालित होना प्रशासन को खुली चुनौती देना साबित हो रहा है सूत्रों से पता चलता है अवैध लॉटरी के माफिया करोड़ों का संपत्ति का मालिक है सूत्रों के अनुसार बड़े डिसटीब्यूटरों का कोड वर्ड के अनुसार लॉटरी छपता है और छोटे-छोटे सेलेरो के माध्यम से बाजार में लॉटरी बेचा जाता है जो कमीशन का लालच देकर के अवैध उगाई किया जाता है आखिर कब तक गरीब एवं छोटे व्यवसाय लालच में मरते रहेंगे इस अवैध कारोबार के पीछे किसका हाथ है आखिर कब तक गरीबों का जमा पूंजी लॉटरी के पीछे बर्बाद होते रहेगा।

दो मानव तस्करों को किया गिरफ्तार कानूनी कार्रवाई के तहत न्यायिक विरासत में भेजा जेल

● बरहरवाआरपीएफ ने नाबालिक बच्चों को कराया मुक्त

अजय कुमार कुशवाहा आदिवासी एक्सप्रेस

बरहरवा- मंगलवार को गुप्त सूचना के आधार आरपीएफ इंस्पेक्टर बरहरवा संजीव कुमार के नेतृत्व में सहायक उपनिरीक्षक अजय कुमार हंसदा,कांस्टेबल अनिल वकुमार शाह एवं आराधना मंडल बाल संरक्षण मंथन बरहरवा के साथ संयुक्त रूप से बरहरवा रेलवे स्टेशन पर छापेमारी व सर्च अभियान चलाया गया।सर्च के दौरान मैन गेट पूछताछ केंद्र के नजदीक दो वयस्क व्यक्तियों को पांच नाबालिक लड़कों के साथ संदेहास्पद स्थिति में खड़ा पाया। संदेह होने पर, दोनों वयस्क व्यक्तियों से पूछताछ करने पर दोनों अपना अपना नाम
1) मो.हसेम रेजा उम्र-23 वर्ष, पुत्र-अफजल शेख निवासी-दक्षिण पियारपुर, थाना-राधानगर, जिला-साहिबगंज (झारखंड) (2) असुरुद्दीन मोमिन उम्र-42 वर्ष, पुत्र-स्वर्गीय मो.हुसैन मोमिन निवासी-संथाली बरहेट, थाना-बरहेट, जिला-साहिबगंज (झारखंड) बताया और साथ ही साथ बताया कि सभी पांचों नाबालिक बच्चों को दूसरे राज्य मजदूरी कराने के लिए काम कराने जा रहे है,जिसके बदले दोनों तस्करों को कमीशन मिलता है,गिरफ्तारी की बात सुन कर दोनों अपनी गलती की माफी मांगने लगे।उसके बाद पांचों नाबालिक बच्चों से उनका नाम पता पूछ गया तो ,उन्होंने ने अपना अपना नाम(1) अजमाइल शेख उम्र-14 वर्ष पुत्र-मो.कुबेद शेख गांव-गोहलबाड़ी फुदकीपुर, थाना-राधानगर, जिला-साहिबगंज झारखंड।
(2) इस्माइल शेख उम्र-14 वर्ष पुत्र- नशीम शेख गांव- गोहलबाड़ी फुदकीपुर, थाना- राधानगर, जिला- साहिबगंज झारखंड।
(3) मशरौल शेख उम्र-16 वर्ष पुत्र-आशिक शेख ग्राम-गोहलबाड़ी फुदकीपुर, थाना-राधानगर, जिला-साहिबगंज झारखंड।
(4) मो. समीर आलम, उम्र 15 वर्ष, पुत्र मो. अकबर अंसारी, ग्राम-संथाली बरहैत, थाना- बरहैत, जिला- साहिबगंज झारखंड।
(5) हफीजुल्लाह अंसारी उम्र 14 वर्ष, पुत्र- रफीक अंसारी, ग्राम-संथाली बरहैत, थाना- बरहैत, जिला- साहिबगंज झारखंड बताया। नाबालिक बच्चों एवं तस्करों को आरपीएफ पोस्ट बरहरवा लाया गया और लिखित शिकायत के साथ दोनों ह्यूमन ट्रैफिकर को जीआरपी बरहरवा को अग्रिम कार्यवाही हेतु सौंपा गया है,जीआरपी थाना मामले को लेकर एफआईआर दर्ज कर अग्रेषित कार्यवाही करेगी।

प्रोजेक्ट परख अंतर्गत स्कूल रुआर कार्यक्रम के तहत एक दिवसीय कार्यशाला का हुआ आयोजन

● स्कूल रूआर 2025 अभियान का उद्देश्य विद्यालयों में शत प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित करना तथा ड्राप आउट बच्चों/आउट ऑफ स्कूल बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ना है-डीसी ● उपायुक्त ने बैक टू स्कूल कार्यक्रम को सफल बनाने को लेकर शिक्षा विभाग के अधिकारियों को दिया निर्देश ● रविन्द्र भवन टाउन हॉल में बुधवार को प्रोजेक्ट परख (तैयारी उड़ान की) अंतर्गत स्कूल रुआर (बैक टू स्कूल) कार्यक्रम के तहत एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो पाकुड़

कार्यशाला का शुभारंभ उपायुक्त मनीष कुमार, अपर समाहर्ता श्री जेम्स सुरीन, जिला पंचायत राज पदाधिकारी श्रीमती प्रीतिलता मुर्मू, जिला शिक्षा अधीक्षक नयन कुमार, जिला शिक्षा पदाधिकारी सुश्री अनीता पुरती, जिला क्रीड़ा पदाधिकारी राहुल कुमार, प्रखंड विकास पदाधिकारी पाकुड़ समीर अल्फ्रेड मुर्मू, प्रखंड विकास पदाधिकारी, अमड़ापाड़ा प्रमोद गुप्ता, प्रखंड विकास पदाधिकारी, हिरणपुर टुडु दिलीप ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया।

उपायुक्त मनीष कुमार ने कहा कि वे बच्चे जो विद्यालय छोड़ चुके है, उन्हें वापस लाने एवं उन्हें शिक्षित करना कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि रुआर का मतलब वापस आओ होता है। विद्यालय में अनामांकित 5 से 18 आयु वर्ग के सभी बच्चों को हमे विद्यालय में वापस लाना है। इसके अलावा कक्षा 1 से 11 में नामांकित सभी बच्चों को अगली कक्षा में नामांकन सुनिश्चित कराना है। वहीं नामांकित सभी बच्चों का विद्यालय में उपस्थिति भी सुनिश्चित कराना है। बच्चों को स्कूल से जोड़ने के लिए रचनात्मक प्रयासों पर जोर दें। जो बच्चे विद्यालय नहीं आ रहे हैं, उनके घरों में जाकर अभिभावकों से बात करें। उपायुक्त ने बताया कि यह कार्यक्रम 21 अप्रैल से लेकर 10 मई तक चलाया जाएगा। जिसमें विद्यालय के शिक्षक बाल पंजी का अद्यतीकरण व विद्यालय से बाहर के बच्चों को सूचीबद्ध करना है। जिले को शिक्षा के क्षेत्र में बढ़ाने को लेकर जिला प्रशासन लगातार प्रयासरत है। उपायुक्त ने कहा कि बच्चों को शिक्षा से जोड़ने के लिए सभी शिक्षक, पीआरआई मेंबर, मीडिया प्रतिनिधियों सभी मिलकर शिक्षा विभाग के साथ साथ इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए अहम भूमिका निभाएं। उपायुक्त ने बताया कि दिनांक 24 अप्रैल को जिले एवं सभी प्रखंडों में ब्लड डोनेशन कैंप का आयोजन किया जाएगा। उपायुक्त ने सभी से आग्रह किया कि वे ज्यादा से ज्यादा लोगों को प्रेरित कर रक्तदान करवाएं।

10 मई तक चलेगा स्कूल रूआर: डीएसई

जिला शिक्षा अधीक्षक नयन कुमार ने कहा कि बैक टू स्कूल कैंपेन 10 मई तक चलेगा। अभियान के तहत आंगनबाड़ी से प्राथमिक विद्यालय, प्राथमिक से मध्य व मध्य से उच्च तथा उच्च से उच्चतर विद्यालयों में ड्रॉपआउट या अनामांकित बच्चों का नामांकन होगा। स्कूलों को यह मैपिंग करनी है कि कक्षा पांच से छह, कक्षा आठ से नौ व कक्षा 10 से 11 में बच्चों का नामांकन हुआ। विद्यालय स्तर पर 21 अप्रैल से 10 मई तक विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएंगी।

जिला शिक्षा पदाधिकारी सुश्री अनीता पुरती ने कहा कि हमारी नैतिक जिम्मेदारी है, की एक भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रह जाए। सरकार सभी बच्चों को शिक्षित करना चाहती है। ताकि बच्चे शिक्षित हो कर समाज व देश के विकास में अग्रसर हो सके। इस अवसर पर एडीपीओ, एपीओ, बीईईओ, बीपीओ, बीआरपी, सीआरपी, पीआरआई मेंबर, पीएमयू सेल के कर्मी मौजूद थे।

संघ में इजाजत : न्यौता या जाल !

>> विचार

> वर्ष 2018 में जब भागवत से गोलवलकर के उनकी किताब बंच ऑफ़ थॉट्स में मुसलमानों को शत्रु कहे जाने के बारे में पूछा गया था, तो उन्होंने कहा था कि बातें जो बोली जाती हैं, वह स्थिति विशेष, प्रसंग विशेष के संबंध में बोली जाती हैं, वह शाश्वत नहीं रहती हैं। अब गोलवलकर के विचारों के संकलन के नए संस्करण में आंतरिक शत्रु वाला प्रसंग हटा दिया गया है। कहने की जरूरत नही कि सिर्फ किताब में से ही हटाया गया है।

बादल सरोज

इन दिनों अब मुसलमानों पर हेज उमड़ रहा है। आजादी के बाद का सबसे बड़ा कानून बनाकर संपत्ति हड़पो घोटाला वक्फ कब्जा कांड करने के साथ ही देश के इस सबसे बड़े अल्पसंख्यक समुदाय को निशाना बनाकर बयान दागे जा रहे हैं। यह बात अलग है कि वे शब्दों में कुछ भी हों, भावों में और पंक्तियों के बीच के अर्थ में एक समान हैं। इसी तरह का एक बयान खुद संघ प्रमुख का है, जिसमें उन्होंने कहा है कि मुसलमान भी संघ में शामिल हो सकते हैं। इसी के साथ यह दावा भी किया है कि संघ किसी की पूजा पद्धति या धर्म के आधार पर भेदभाव नहीं करता। वे यहीं तक नहीं रुके, इससे आगे बढ़ते हुए यह भी बोले कि संघ केवल हिंदुओं के लिए नहीं है। संघ का दरवाजा हर जाति, संप्रदाय और धर्म के लिए खुला है। चाहे वह हिंदू हो, मुसलमान हो, सिख हो या ईसाई-हर कोई इसमें शामिल हो सकता है। संघ मतलब आरएसएस के सरसंघचालक मोहन भागवत वाराणसी में यह एकदम नयी पेशकश तब कर रहे थे, जब होली और जुमे को लेकर उन्हीं कुनबे द्वारा घमासान मचाया जा चुका था। यह बात वे उस उत्तरप्रदेश में कह रहे थे, जिसमें ईद की नमाज को कहां, कैसे, कब पढ़ना है, की सख्त हिदायतें जारी की जा रही थी, खुले मैदानों की बात अलग रही, घर की छतों तक पर नमाज अदा करना प्रतिबंधित किया जा रहा था। यह बात वे तब कह रहे थे, जब उन्हीं के मंत्री, संत्री, मुख्यमंत्री, यहां तक कि खुद प्रधानमंत्री मुसलमानों के खिलाफ उन्माद भड़काने में पूरे प्राणप्रण से जुटे हुए थे। हालांकि इस एलान के साथ उन्होंने 'शर्तें लागू' का किन्तु-परंतुक भी जोड़ा है। इन शर्तों में भारत माता की जय का नारा स्वीकार करना और भगवा झंडे का सम्मान करना तो है ही, एक अतिरिक्त चेतावनी भी नत्थी कर दी है कि जो खुद को औरंगजेब का वारिस समझते हैं, उनके लिए संघ में कोई जगह नहीं है। और जैसा कि इस तरह के बयान देने के पीछे का मकसद होता है, इस बार भी था, वही हुआ; कईयों ने यह मानना शुरू कर दिया कि बताइये बेचारे को यूंही बदनाम करते रहते हैं, देखिये संघ तो मुसलमानों के लिए भी बाहें खोले खड़ा है। भले ही हिंदुत्व की विचारधारा से जुड़ा हो, लेकिन वह ऐसे मुस्लिमों को भी स्वीकार करने को तैयार है, जो भारत की संस्कृति को अपनाते हैं और राष्ट्रवाद में विश्वास रखते हैं। क्या सच में बात इतनी ही सीधी-सादी और सरल है? नहीं! यह औरंगजेब के नाम पर योजनाबद्ध तरीके से सुलगाई गयी ध्रुवीकरण की भट्ठी में खुद श्रीमुख से सूखी लकड़ियाँ झौंके जाने की कोशिश है। क्या भारत में ऐसा कोई मुसलमान है, जिसने अपने आपको औरंगजेब का वारिस बताया हो? कोई नहीं। अविभाजित भारत को भी जोड़ लें, तो ऐसा कोई है, जिसने औरंगजेब को अपना पुरखा या किसी भी तरह का नायक बताया हो? हाँ, वंशावली के आधार पर देखा जाए, तो औरंगजेब की एक सचमुच की वारिस और निकटतम जैविक रिश्तेदार जरूर हैं और वे राजस्थान में भाजपा सरकार में उपमुख्यमंत्री पद की शोभा अवश्य बढ़ा रही हैं। बहरहाल बयानों की शिगूफेबाजी को अलग रखते हुए, असल मुद्दे पर आते हैं कि जैसा कि भागवत साहब ने फरमाया है, क्या वैसा संघ में हो सकता है? क्या कोई मुसलमान या अहिंदू आरएसएस का सदस्य बन सकता है? बिल्कुल नहीं! पहली बात तो यह है कि खुद राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का कहना है कि उसकी कोई औपचारिक सदस्यता नहीं होती। जो लोग आरएसएस की शाखाओं में भाग लेते हैं, उन्हें स्वयंसेवक कहा जाता है। अब स्वयंसेवक कौन बन सकता है? संघ के मुताबिक कोई भी हिंदू पुरुष स्वयंसेवक बन सकता है। यहां हिन्दू पुरुष पर गौर फरमाने की आवश्यकता है, क्योंकि यह वह संगठन है, जो दावा तो अखिल ब्रह्माण्ड के हिन्दुओं को एकजुट और संगठित करने का करता है, लेकिन जिसकी सदस्य महिलाएं झ हिन्दू महिलाएं भी - नहीं बन सकती। इसकी वेब साईट के एफएक्यू यानि 'फ्रीक्वेंटली आस्क्ड क्वेश्चंस' मतलब 'अक्सर पूछे जाने वाले सवालों' के अध्याय में लिखा गया है कि "उसकी स्थापना हिंदू समाज को संगठित करने के लिए की गई थी और व्यावहारिक सीमाओं को देखते हुए संघ में महिलाओं की सदस्यता नहीं दी जाती है, सिर्फ हिन्दू पुरुष ही इसमें शामिल हो सकते हैं, इसके स्वयंसेवक बन सकते हैं। सौवें साल में भी संघ महिलाओं के प्रवेश के बारे में कोई पुनर्विचार करने को तैयार नहीं है। बस इतना भर कहा गया है कि अपने शताब्दी वर्ष में महिला समन्वय कार्यक्रमों के ज़रिए वो भारतीय चिंतन और सामाजिक परिवर्तन में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी को बढ़ाना चाहता है। बहरहाल फिलहाल चूँकि भागवत साहब ने अपने संघ में हिन्दू महिलाओं की नहीं, 'म्लेच्छ' मुसलमानों के दाखिले की बात की है, इसलिए उसी पर संघ की धारणा और नीति पर नजर डालना ठीक होगा। मुसलमानों के बारे में संघ की सोच की झलक इसके दूसरे सरसंघचालक माधव सदाशिवराव गोलवलकर की किताब बंच ऑफ़ थॉट्स" में मिलती है। गोलवलकर ने लिखा था, "हर कोई जानता है कि यहां- भारत में - केवल मुट्ठी भर मुसलमान ही दुश्मन और आक्रमणकारी के रूप में आए थे। इसी तरह यहां केवल कुछ विदेशी ईसाई मिशनरी ही आए। अब मुसलमानों और ईसाइयों की संख्या में बहुत वृद्धि हुई है। इसी रौ में वे आगे लिखते हैं कि वे मछलियों की तरह सिर्फ गुणन से नहीं बढे, उन्होंने स्थानीय आबादी का धर्मांतरण किया। हम अपने पूर्वजों का पता एक ही स्त्रोत से लगा सकते हैं, जहां से एक हिस्सा हिंदू धर्म से अलग होकर मुसलमान बन गया और दूसरा ईसाई बन गया। बाक़ी लोगों का धर्मांतरण नहीं हो सका और वे हिंदू ही बने रहे। यही वह किताब है, जिसमें गोलवलकर झ जिन्हें संघ अपना परम पूज्य गुरु मानता है ने मुसलमानों, ईसाइयों और कम्युनिस्टों को राष्ट्र का आंतरिक शत्रु बताया था। सनद रहे कि वर्ष 2018 में जब भागवत से गोलवलकर के उनकी किताब बंच ऑफ़ थॉट्स में मुसलमानों को शत्रु कहे जाने के बारे में पूछा गया था, तो उन्होंने कहा था कि बातें जो बोली जाती हैं, वह स्थिति विशेष, प्रसंग विशेष के संबंध में बोली जाती हैं, वह शाश्वत नहीं रहती हैं। अब गोलवलकर के विचारों के संकलन के नए संस्करण में आंतरिक शत्रु वाला प्रसंग हटा दिया गया है। कहने की जरूरत नही कि सिर्फ किताब में से ही हटाया गया है, एजेंडे में वह पहले से भी कही अधिक प्राथमिकता पर ले आया गया है। क्या इस सबसे भागवत जी ने किनारा कर लिया है? अब उनकी बाँहें और उनके संघ के दरवाजे मुसलमानों और बाकी अहिंदुओं के लिए खुल गए है? क्योंकि अगर ऐसा है, तो फिर इसे अपने संस्थापक के कहे से भी पल्ला झाड़ना होगा। अपने संस्थापक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार की स्वयं आरएसएस द्वारा प्रकाशित आधिकारिक जीवनी में से एक में यह साफ किया गया है कि हेडगेवार स्वतंत्रता संघर्ष से क्यों अलग हुए। जीवनी बताती है कि यह साफ़ है कि गांधीजी हिंदू-मुस्लिम एकता को हमेशा केंद्र में रखकर ही काम करते थे ... लेकिन डाक्टरजी को इस बात में खतरा दिखायी दिया। दरअसल वे हिंदू-मुस्लिम एकता के नए नारे को पसंद तक नहीं करते थे। 1937 में महाराष्ट्र के अकोला में सीपी एंड बरार (अब महाराष्ट्र) की हिन्दू महासभा के सावरकर की अध्यक्षता में हुए प्रांतीय अधिवेशन से लौटने पर, कांग्रेस छोड़ने की वजह पूछे जाने पर हेडगेवार का जवाब था क्योंकि कांग्रेस हिंदू-मुस्लिम एकता में विश्वास करती है। उनका मुस्लिम विरोध किस ऊंचाई का था, यह संघ के शुरुआती दिनों में उनके स्वयं के व्यवहार से समझ आ जाता है। उनकी एक जीवनी में बताया गया है कि मस्जिदों के आगे बैंड बाजा बजाने, शोर मचाने की कार्यविधि उन्हीं की खोज थी, जिसे संघ आज तक आजमा रहा है। जब कभी-कभी बैंड (संगीत) बजाने वाली टोली मस्जिद के सामने बैंड बजाने में हिचकिचाती थी, तो हेडगेवार "खुद ड्रम ले लेते और शांतिप्रिय हिंदुओं को उत्तेजित कर उनकी मर्दानगी को ललकारते थे।" गौरतलब है कि 1926 तक, मस्जिदों के बाहर ढोल-बाजे बजाना सांप्रदायिक दंगों के उकसाने की मुख्य वज़ह था। हेडगेवार ने हिंदुओं में आक्रमक सांप्रदायिकता उकसाने में निजी तौर पर भूमिका अदा की। इस तथ्य को उनके घनिष्ठ और आरएसएस के संस्थापक सदस्यों मे से एक रहे नागपुर की इस्पात मिल के मालिक अन्नाजी वैद का कथन पुष्ट करता है। उन्होंने बताया है : सन् 1926 में कई जगह हिंदू-मुसलमान दंगे होना प्रारंभ हुआ था। इसलिए हम लोगों ने तय किया कि हर एक मस्जिद के सामने से जुलूस निकलते समय ढोल बजने ही चाहिए। एक बार शुक्रवार के दिन जब वाद्य बजाने वाले एक मस्जिद के दरवाजे पर पहुंचे, तो संगीत बजाना बंद कर दिया। तब डाक्टरजी ने स्वयं ढोल खींच कर अपने गले में बांध कर बजाया। उसके बाद ही बाजा बजना प्रारंभ हुआ। क्या भागवत साहब ने हेडगेवार के इन सब किये-धरों को अनकिया करने का मन बना लिया है और सचमुच में आरएसएस को मुसलमानों और बाकी धर्मों के मानने वालों के लिए खोलने का फैसला कर लिया है? यदि हाँ, तो फिर वे अपने उस संविधान का क्या करेंगे, जिसमे कुछ और ही दर्ज किया हुआ है। गांधी हत्याकांड में प्रतिबंधित होने के बाद भारतीय संविधान के प्रति निष्ठा रखते हुए और गोपनीयता से दूर रहते हुए और हिंसा से दूर रहते हुए राष्ट्रीय ध्वज को मान्यता देते हुए एक लोकतांत्रिक, सांस्कृतिक संगठन के रूप में कार्य करने की अनुमति हासिल करने के लिए बनाये गये संघ के संविधान में क्या इसकी गुंजाइश है संघ के इस संविधान की शुरुआत ही हिन्दू समाज में अलग-अलग पंथों, आस्थाओं, जाति और नस्लों, राजनीतिक, आर्थिक, भाषायी, प्रांतीय फ़र्कों को समाप्त कर हिन्दू समाज का सर्वोन्मुखी उत्थान" करने के वाक्य से होती है। संघ के साथ जुड़ने का एकमात्र तरीका उसका स्वयंसेवक बनना है और संविधान में स्वयंसेवक बनने के लिए ली जाने वाली शपथ में दर्ज है कि "सर्वशक्तिमान श्री परमेश्वर तथा अपने पूर्वजों का स्मरण कर मैं प्रतिज्ञा करता हूँ कि अपने पवित्र हिन्दू धर्म, हिन्दू संस्कृति तथा हिन्दू समाज की अभिवृद्धि कर भारत वर्ष की सर्वांगीण उन्नति करने क लिए मैं राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ का घटक बना हूँ ...।" इस संविधान का पहला लक्ष्य ही "हिन्दू समाज के विविध समूहों को साथ लाना, उन्हें धर्म और सस्कृति के आधार पर पुनर्जीवित और पुनः युवतर करने" का है। क्या मुसलमानों, सिखों और बाकियों को शामिल करने के लिए भागवत अपने संघ का संविधान बदलेंगे? वे कुछ नहीं बदलने वाले। अपने इस तरह के दिखावटी बयानों से भी वे अपने एजेंडे को ही आगे बढ़ाने का जाल बिछा रहे होते हैं। ऐसे भ्रामक, निराधार और कभी भी अमल में न लाये जा सकने वाले बयानों के जरिये जहां जनता के एक हिस्से में वे अपने सुधरे, सुथरे और भले रूप की मरीचिका का आभास देना चाहते हैं, वहीं दूसरी ओर, मुस्लिम समुदाय के बारे ऐसा अहसास दिलाना चाहते हैं, जैसे वे इतनी बड़ी पेशकश को भी ठुकरा कर अपनी संकीर्णता का परिचय दे रहे हों।

(लेखक 'लोकजतन' के संपादक)

संपादकीय

बिलों पर कुंडली मार कर बैठना

गृह मंत्रालय में उपसचिव अथवा वरिष्ठ स्तर के अधिकारी तय किए जाते हैं, जो राष्ट्रपति के आधार पर निर्णय लेते हैं और फिर राष्ट्रपति उस फाइल पर हस्ताक्षर करते हैं। बेशक सर्वोच्च अदालत गृह मंत्रालय के अधिकारियों को निर्देश दे सकती है। दलीलें यहां तक दी गईं कि राष्ट्रपति देश के प्रधान न्यायाधीश और सर्वोच्च अदालत के अन्य न्यायाधीशों की नियुक्ति करते हैं। एक नौकर नियोक्ता को निर्देश कैसे दे सकता है? दरअसल ऐसे निर्णय भी सरकार और कैबिनेट के स्तर पर लिए जाते हैं और फिर संबद्ध मंत्रालय द्वारा भेजी गई फाइल पर राष्ट्रपति हस्ताक्षर करते हैं। राष्ट्रपति एक मायने में, लिखित रूप से, नियोक्ता हैं और सरकार की कार्यप्रणाली के मुताबिक, नियोक्ता नहीं भी हैं। हमें नहीं लगता कि न्यायपालिका ने संवैधानिक लक्ष्मण-रेखाओं को पार किया है। बल्कि ऐसी हरकत भाजपा सांसदों ने की है। झारखंड से भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने कहा-'इस देश में जितने गृहयुद्ध हो रहे हैं, उनके जिम्मेदार केवल यहां के चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया जस्टिस संजीव खन्ना साहब हैं।' भाजपा सांसद ने यहां तक आरोप लगाया कि अदालत इस देश को अराजकता की ओर ले जाना चाहती है। अदालत राष्ट्रपति को निर्देश कैसे दे सकती है? आपने नया कानून कैसे बना दिया? किस कानून में लिखा है कि राष्ट्रपति को तीन माह में ही फैसला लेना है? बहरहाल भाजपा नेतृत्व ने यह अच्छा किया कि सांसदों की ऐसी टिप्पणियों से किनारा कर लिया और ऐसे बयानों को खारिज कर दिया। अलबत्ता यहां से राजनीति नया तूल ले सकती थी। सर्वोच्च अदालत ने भी कोई संज्ञान नहीं लिया और ऐसे बयानों को नजरअंदाज कर दिया। आजकल अधिकतर राज्यपाल 'राजनीतिक' होते हैं, लिहाजा बिलों को दबाते रहते हैं। पारित बिलों पर कुंडली मार कर बैठना उचित और संवैधानिक नहीं है

वैश्विक धरोहर बनती प्राचीन भारतीय पांडुलिपियां

प्रमोद भार्गव

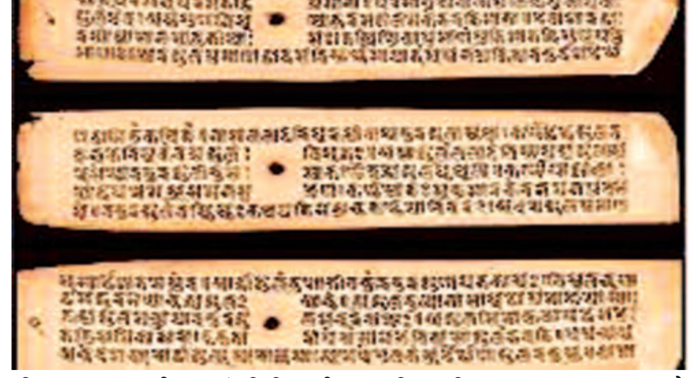

महाभारत में भगवान श्रीकृष्ण के उपदेश पर आधारित श्रीमद्भगवद्गीता और भारत की ललित कलाओं का मूल ग्रन्थ मने जाने वाले भरत मुनि द्वारा रचित नाट्यशास्त्र को यूनेस्को ने अपने स्मृतिकोश विश्व पंजीयन अभिलेख में शामिल किया है। यह कदम विश्व धरोहर दिवस 21 अप्रैल को उठाया गया है। यह पहल हमारे सनातन शाश्वत ज्ञान और समृद्ध विज्ञान सम्मत संस्कृति को वैश्विक मान्यता देती है। इन दोनों ग्रंथों में मानवता का संदेश देने के साथ जीवन को बेहतर बनाने के मार्ग दिखाए गए हैं। गीता दुनिया का एकमात्र ऐसा ग्रंथ है, जिसके सांस्कृतिक ज्ञान में विश्व कल्याण और सम्पूर्ण जीव-जगत की रक्षा की कामना की गई है। अतएव इन प्राचीन पांडुलिपियों को न केवल सहेजने की जरूरत है, बल्कि इनमें उल्लेखित ज्ञान विज्ञान को खंगालने की भी जरूरत है। भारत में प्राचीन पांडुलिपियां कितनी हैं, इनका सुसंगत अनुमान कठिन है। अनेक पांडुलिपि संग्रह व संरक्षण संस्थान ज्ञान-विज्ञान की पांडुलिपियों में भरे पड़े हैं। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग के निदेशक डॉ सुरेंद्रमोहन मिश्र कहते हैं कि लगभग डेढ़ करोड़ पांडुलिपियां उपलब्ध हैं। राज्यसभा सांसद राकेश सिन्हा द्वारा संसद में पूछे गए एक प्रश्न के उत्तर में कहा गया था कि ब्रिटेन के संग्रहालय में मुख्य रूप से चार लाख पांडुलिपियां आज भी सुरक्षित हैं। यद्यपि वहां से अब तक 50 हजार पांडुलिपियां मंगाई जा चुकी हैं। इन पांडुलिपियों में खगोल गणित, ज्योतिश, प्रौद्योगिकी, चिकित्सा, रसायन, धातु विज्ञान, खेती-किसानी, अस्त्र-शस्त्र और आवागमन के साधनों से लेकर ईंधन की खोज और मानव मनोविज्ञान तक के धरातल की पड़ताल की गई है। पांडुलिपियों में सामाजिक जीवन के विविध पहलू संरक्षित हैं। प्राचीन भारतीय पांडुलिपियां कितनी महत्वपूर्ण हैं, इस सिलसिले में एक प्रसंग यहां उद्घाटित है। संस्कृत के भोपाल के बड़े विद्वान और संस्कृत विष्वविद्यालय दिल्ली के कुलपति रहे डॉ राधावल्लभ त्रिपाठी को लंदन की इंडिया हाउस लायब्रेरी में उपलब्ध सुंदरकवि द्वारा रचित 'नाट्य-प्रदीप' पांडुलिपि की आवष्यकता थी। उक्त पुस्तकालय में उपलब्ध सूची की पुस्तकों में इस पांडुलिपि का नााम अंकित है। त्रिपाठी जी के मित्र पाठक जी लंदन जाते-आते रहते थे। अतएव उन्होंने पांडुलिपि के लाने का दायित्व पाठक जी को सौंप दिया। पाठक जी ने लंदन से लौट आने पर त्रिपाठी जी को नाट्य प्रदीप ग्रंथ की पांडुलिपि एक गोल डिब्बी में दी। त्रिपाठी जी अचंभित हुए तब पाठक जी ने बताया कि इस डिब्बी में एक माइक्रो चिप है। इसे माइक्रो फिल्म रीडर के माध्यम से कंप्युटर पर खोलकर प्रिंट आउट निकल आएंगे। भोपाल में तो यह काम संभव नहीं हुआ, तब उन्होंने दिल्ली के राष्ट्रीय कला केंद्र में जाकर प्रिंट निकलवाए। चार-पांच सौ पृष्ठ की नागरी लिपि में हस्तलिखित पांडुलिपि उनके हाथों में थी। उन्हें संदेह हुआ कि नाट्य-प्रदीप तो इतने पृष्ठों की नहीं है, फिर यह क्या? परंतु भोपाल आने पर जब उन्होंने पांडुलिपि पढ़ना आरंभ की तो उनका संदेह सच निकला। वह नाट्य-प्रदीप की पांडुलिपि नहीं थी। हालांकि पांडुलिपि के प्रथम पृष्ठ पर शीर्षक व अन्य जानकारियां सूची के अनुरूप ही थीं। दरअसल वह महाकवि दंडी के 'दशकुमारचरित' के तीसरे खंड की अधूरी प्रति थी। त्रिपाठी जी ने इसे ऊंचे पेड़ पर लगा एक फल माना और अध्ययन-मनन में लग गए। अंत में त्रिपाठी जी ने पूरी पांडुलिपि पढ़ने के बाद निष्कर्ष निकाला कि यह पांडुलिपि उज्जैन के राजा विक्रमादित्य की कथा है। कालांतर में उन्होंने इस विक्रमादित्य कथा का गद्यानुवाद करते हुए उपन्यास का रूप दिया। इस उपन्यास को भारतीय ज्ञानपीठ ने छापा है। उपन्यास में खगोलीय घटनाओं और विक्रम संवत के प्रारंभ होने के विज्ञान सम्मत, आख्यान तो हैं ही, विक्रमादित्य के इतिहास नायक होने के तथ्य भी हैं। सच्चाई यह है कि इस औपन्यासिक कथा में ईसा के पहले की शताब्दी के भारत की एक व्यापक प्रस्तुति है। इस पांडुलिपि का प्राप्ती रोचक गाथा उपन्यास की भूमिका में दी है। पांडुलिपि के उपन्यास के रूप में प्रकाशन से यह स्पश्ट होता है कि पुरातन ग्रंथों में इतिहास, भूगोल, युद्ध, विज्ञान, समयमान के चित्रण तो हैं ही, भारतीय इतिहास-नायकों की गाथाएं भी हैं। यही संयुक्त वर्णन कहानियों-किस्सों के रूप में किसी राष्ट्र के विकसित श्रेष्ठतम रूप को सामने लाते हैं। पांडुलिपियों के रूप में सुरक्षित ग्रंथों के शोध और संग्रह निरंतर होते रहे हैं। 1803 में इन ग्रंथों का सूची-पत्र तैयार करने की पहली शुरुआत एशियाटिक सोसायटी ने की थी। इस सोसायटी के चौथे अध्यक्ष एचटी कोलब्रुक ने सूची-पत्र तैयार करने के लिए प्रति वर्ष 5-6 रुपए का अतिरिक्त अनुदान का प्रबंध भी कराया। इसी क्रम में गवर्नर एलफिंस्टन ने जब संस्कृत ग्रंथों का अनुसंधान कराया, तब ज्ञात हुआ कि 1840 में जितने ग्रंथ भारत में पाए गए, उनकी संख्या ग्रीक और लेटिन भाषा के समस्त पश्चिमी और कतिपय एशियाई ग्रंथों से कहीं ज्यादा थी। इसके पूर्व 1830 में फ्रेडरिक ने 350 संस्कृत ग्रंथों की सूची बनाई थी। 1859 में बेल के शोधानुसार इन ग्रंथों की संख्या 1300 हो गई। कालांतर में 1891 आते-आते शियोगेर अलफ्रेस्ट ने जो सूची-पत्र बनाया, उसमें इन संस्कृत पांडुलिपियों की संख्या 32 हजार से ऊपर निकल गई। तदुपरांत भारतीय विद्वान हरप्रसाद शास्त्री ने 40 हजार पांडुलिपियों और 1916 में राहुल सांकृत्यायन ने 50 हजार ग्रंथों की खोज कर सूची-पत्र बना लिया। इन सूची-पत्रों की तैयारी के बाद पांडुलिपि शास्त्र के जर्मन ज्ञाता शिलगल ने इन ग्रंथों का विषयवार वर्गीकरण किया। इसी वर्गीकृत अध्ययन से ज्ञात हुआ कि ये ग्रंथ केवल एक विषय, एक धर्म या अध्यात्म मात्र पर केंद्रित नहीं हैं, अपितु इस वर्गीकरण से ग्रंथों के प्रकार और उनमें अंतर्निहित दर्शन का प्रादुर्भाव हुआ, जिसे तेरह वर्गों में विभाजित किया गया। वैदिक साहित्य अर्थात चार वेद, वेदांग अर्थात शिक्षा, कल्प, निरूक्त, व्याकरण, ज्योतिष और छंद। वेदांगों से आगे पुराण, इतिहास, धर्मशास्त्र, अर्थशास्त्र और काव्यशास्त्र लिखे गए। उपनिषदों के माध्यम से अध्यात्म खगोल और नैतिकता के दर्शन की स्थापना हुई। इसी क्रम में जैन और बौद्ध दर्शन से लेकर, चार्वाक दर्शन तक सामने आए। इनमें प्रकृति से लेकर मानव वृत्तियों के उल्लेखों के मनोवैज्ञानिक दृष्टान्त हैं, परंतु आडंबरों पर प्रहार है। 1981 में भारत की प्राचीनतम बख्शाली पांडुलिपि को प्राचीनतम गणित की पांडुलिपि माना गया है। यह पांडुलिपि खैबर पख्तूनख्वा, पेशावर (पाकिस्तान) के एक किसान को मिली थी। भोजपत्रों पर यह संस्कृत में लिखी गई है। इसके केवल सत्तर पृष्ठ मिले हैं, शेष नष्ट हो गए। इसे नौवीं शताब्दी का लिखा माना जाता है। परंतु जब इसकी लिखावट की ऑक्सफोर्ड विष्वविद्यालय और बोडालियन पुस्तकालय के शोधकर्त्ताओं ने रेडियो कार्बन डेटिंग से परीक्षण किया तो इसे तीसरी-चौथी शताब्दी का होना पाया गया। इस परिणाम से यह निष्कर्ष भी निकाला गया कि ग्वालियर में स्थित मंदिर की दीवार पर उत्कीर्ण शून्य का षिलालेख नौवीं शताब्दी का है, उससे भी पहले की यह पांडुलिपि है। इसमें एक ऐसे बिंदु का उल्लेख किया है, जो 'शून्य' का प्रतिनिधित्व करने वाला अब तक का सबसे प्राचीन प्रतीक है। ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के प्राध्यापक मार्कस डू सौतॉय ने प्रतिपादित किया है कि आज हम जिस शून्य का प्रयोग करते हैं, वह प्राचीन भारत में प्रयोग में लाए गए 'बिंदु' से ही विकसित हुआ है। इस पांडुलिपि का आरंभिक लेखन शारदा लिपि में है। यह लिपि 8वीं से 12वीं शताब्दी तक दक्षिण एशिया के उत्तर-पश्चिमी क्षेत्रों और कश्मीर के भूखंडों में प्रचलित थी। शारदा लिपि संस्कृत के निकट मानी जाती है। ऋग्वेद में इन लिपियों के प्रारंभिक विकास के चरण पणिय और मग समुदाय के लोगों के द्वारा किए जाने के उल्लेख हैं। इस पांडुलिपि में गणितीय नियमों, उनमें आने वाली समस्याओं के हल उदाहरणों सहित उपलब्ध हैं। अंकगणित, बीजगणित, रेखागणित और क्षेत्रमिति भी इसमें मिलते हैं। वर्गमूल, घनमूल स्वर्ण की गणना के साथ आय, व्यय, ब्याज और सरल समीकरणों का उल्लेख भी इस पांडुलिपि में है। बख्शाली पांडुलिपि में लिखे जाने से बहुत पहले से ही भारतीय मनीषियों ने इन गणितीय वैदिक ज्ञान के सूत्रों को श्रुति परंपरा से मौखिक रूप में पीढ़ी दर पीढ़ी स्मृति में ग्रहण करा दिया था। यही कालांतर में लिखित और मुद्रित रूपों में हमारे समक्ष हैं। सूत्रों को श्रुति परंपरा से मौखिक रूप में पीढ़ी दर पीढ़ी स्मृति में ग्राह्य कराया। यही कालांतर में लिखित और मुद्रित रूपों में हमारे समक्ष हैं। दुनिया ने मान लिया है कि ऋग्वेद के सूक्त और मंत्र सबसे प्राचीन मौखिक और भोजपत्रों पर लिखित आख्यान हैं। तथापि 'भृगुसंहिता' भी एक प्राचीन पांडुलिपि है, जिसकी मूल प्रति होशियारपुर में आज भी सुरक्षित है। इसमें ग्रह नक्षत्रों के आधार पर व्यक्ति का भूत और भविष्य वांचने का दावा किया जाता है। रामधारी सिंह दिनकर ने 'संस्कृति के चार अध्याय' में ऋग्वेद की ऋचाओं को विभिन्न विद्वानों के मतानुसार दो हजार से पचहत्तर वर्ष तक का प्राचीन माना है। इनमें सबसे उत्साहजनक दृष्टिकोण डॉ अविनाश दत्त का है। वे ऋग्वेद को पचास से पचहत्तर हजार वर्ष पुराना मानते हैं। बहरहाल प्राचीन पांडुलिपियों का संरक्षण तो जरुरी है ही, इनका अध्ययन भी जरूरी है।

छात्रों को अद्वितीय नौकरियों पर विचार क्यों करना चाहिए

विजय गर्ग

तेजी से विकसित होती दुनिया में, स्नातकों को अनुकूलनशीलता और निरंतर सीखने को गले लगाना चाहिए। सफलता अपने आप को फिर से तैयार करने और उत्सुक रहने पर निर्भर करती है। पिछले ज्ञान को जाने देने से नए दरवाजे खुलते हैं और कई जुनून को जोड़कर और एक बहु-विषयक मार्ग का पीछा करके, छात्र अपने लिए अद्वितीय अवसर पैदा कर सकते हैं। यहां तक कि माता-पिता भी गैर-पारंपरिक कैरियर पथ की पूर्ति और मूल्य के महत्व को समझते हैं। अज्ञात के लिए तैयार करने के लिए, स्नातकों को अपने जुनून पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए, उनकी समझ को गहरा करना चाहिए, और उन कनेक्शनों को ढूंढना चाहिए जो उन्हें बाहर खड़ा करते हैं। अपने आप को सच होने और विशिष्टता को गले लगाने से एक पूर्ण और समृद्ध भविष्य होता है। सफलता अनुकूलनशीलता, निरंतर सीखने, अनलर्निंग, किसी की सच्ची कॉलिंग खोजने और वित्तीय ज्ञान को एकीकृत करने में निहित है। हाई स्कूल स्नातक सफलता के लिए अपने स्वयं के अनूठे मार्ग का पालन करके आत्मविश्वास से विकसित दुनिया को नेविगेट कर सकते हैं। मौजूदा क्षेत्रों में विघटनकारी नवाचारों से परे, कई नए कैरियर के रास्ते सामने आए हैं, जो विविध हितों और जुनून वाले छात्रों के लिए अद्वितीय अवसर प्रदान करते हैं। निम्नलिखित छात्रों के लिए इन रोमांचक नए युग के करियर में से कुछ हैं: ध्वनि इंजीनियरिंग और संगीत साउंड इंजीनियरिंग का क्षेत्र संगीत और ऑडियो उत्पादन के लिए प्यार वाले व्यक्तियों के लिए एक शानदार अनुभव प्रदान करता है। साउंड इंजीनियर संगीत पटरियों को रिकॉर्ड करने, मिश्रण करने और माहिर करने के साथ-साथ लाइव प्रदर्शन और फिल्म निर्माण के

लिए ऑडियो समर्थन प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यह क्षेत्र रचनात्मक स्वभाव के साथ तकनीकी विशेषज्ञता को जोड़ता है। कृत्रिम होशियारी एआई के उदय ने विभिन्न उद्योगों में संभावनाओं की दुनिया को खोल दिया है। एआई विशेषज्ञ एल्गोरिदम, मशीन लर्निंग मॉडल और बुद्धिमान प्रणालियों के विकास पर काम करते हैं। स्वायत्त वाहनों से लेकर व्यक्तिगत सिफारिश प्रणालियों तक, एआई पेशेवर डेटा और स्वचालन की शक्ति का उपयोग करके भविष्य को आकार देते हैं। डिजिटल मार्केटिंग और विज्ञापन डिजिटल युग में, व्यवसाय अपने लक्षित दर्शकों तक पहुंचने के लिए डिजिटल मार्केटिंग और विज्ञापन पर बहुत अधिक भरोसा करते हैं। इस क्षेत्र में करियर में आकर्षक सामग्री बनाना, उपभोक्ता व्यवहार का विश्लेषण करना और उत्पादों और सेवाओं को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न ऑनलाइन प्लेटफार्मों का उपयोग करना शामिल है। डिजिटल विपणक ब्रांड की सफलता को चलाने के लिए रचनात्मकता, विश्लेषणात्मक कौशल और रणनीतिक सोच को जोड़ते हैं। ड्रोन और रोबोटिक्स रोबोटिक्स का क्षेत्र आश्चर्यजनक गति से आगे बढ़ रहा है जो रोबोट और ड्रोन को डिजाइन करने और प्रोग्रामिंग करने में रुचि रखने वाले व्यक्तियों के लिए अवसर प्रस्तुत करता है। रोबोटिक्स इंजीनियर विनिर्माण और स्वास्थ्य सेवा से लेकर रसद और मनोरंजन तक के उद्योगों के लिए रोबोट विकसित करते हैं। इस क्षेत्र में इंजीनियरिंग कौशल और नवाचार के लिए एक जुनून के मिश्रण की आवश्यकता होती है। जैसा कि नौकरी का बाजार विकसित होता है, स्नातकों के लिए उनके लिए उपलब्ध नए युग के कैरियर विकल्पों का पता लगाना आवश्यक है। ये क्षेत्र न केवल रोमांचक अवसर प्रदान करते हैं, बल्कि दुनिया में एक सार्थक प्रभाव बनाने का मौका भी प्रदान करते हैं। प्रौद्योगिकी, नवाचार और रचनात्मकता की शक्ति को गले लगाकर, छात्र एक सफल और पूर्ण कैरियर का मार्ग प्रशस्त कर सकते हैं।

(विजय गर्ग सेवानिवृत्त प्राचार्य शैक्षिक स्तंभकार गली कौर चंद एमएचआर मलोट पंजाब)

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक व प्रकाशक व संपादक सरोज चौधरी द्वारा ई-37, अशोक विहार रांची से प्रकाशित तथा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस लालगुटवा रांची से मुद्रित, संस्थापक संपादक : स्व. राधाकृष्ण चौधरी, प्रबंध संपादक अरूण कुमार चौधरी * फोन : 9471170557/08084674042, ई-मेल : aadivashiexpress@gmail.com

जिला दंडाधिकारी की अध्यक्षता में डीएमएफटी, अनाबद्ध निधि, आकांक्षी मद एवं नीति आयोग योजनाओं की समीक्षात्मक बैठक आयोजित

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam

साहिबगंज। जिला दंडाधिकारी-सह-उपायुक्त हेमंत सती की अध्यक्षता में कार्यालय प्रकोष्ठ में डीएमएफटी, अनाबद्ध निधि, आकांक्षी मद, नीति आयोग आदि मद के अंतर्गत संचालित योजनाओं की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में डीएमएफटी, अनाबद्ध निधि, आकांक्षी मद, नीति आयोग आदि मद के तहत संचालित योजनाओं एवं वित्तीय वर्ष 2024-2025 की प्रगति की जानकारी ली गई तथा संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक के दौरान कार्यपालक अभियंता (एनआरईपी), ग्रामीण

विकास विशेष प्रमंडल, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, असैनिक शल्य चिकित्सा, भवन प्रमंडल, समेकित जनजातीय विकास अभिकरण एवं नगर परिषद के अंतर्गत संचालित योजनाओं की विस्तार से समीक्षा की गई। उपायुक्त ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिया कि कार्यों को समयबद्ध रूप से पूर्ण किया जाए एवं गुणवत्ता सुनिश्चित की जाए। समीक्षा के क्रम में सदर अस्पताल में पेइंग वार्ड निर्माण, प्रखंड स्तरीय पुस्तकालय का कार्य, संध्या महाविद्यालय के समीप महिला शौचालय, मध्य विद्यालय सकरीगली, बरहेट में छह अतिरिक्त कक्षा का निर्माण, बाल गृह भवन की मरम्मती कार्य, राजमहल प्रखंड अंतर्गत छोटा हरीशचंद्रपुर में विश्राम गृह का निर्माण, साहेबगंज जिला में वेस्ट वंडर पार्क निर्माण, पीवीटीजीएस समुदाय परिवारों को रोजगार के अवसर प्रदान हेतु मशरूम उत्पादन, जिला स्तरीय खेल उपकरण उपलब्धता, मुख्यमंत्री रख-रखाव योजना की प्रगति की विस्तृत जानकारी ली गई। बोरियो प्रखंड के बांझी, बंदरकोला, चांदवासी में स्थित एसटी/एससी आवासीय बालक उच्च विद्यालय में पीवीटीजी छात्रों के लिए मॉड्यूलर किचन सह डाइनिंग हॉल के उन्नयन की समीक्षा की गई। बैठक में प्रबंधकीय समिति के तहत कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव भी पारित किए गए, जिनमें कल्याण विभाग के प्रत्येक आवासीय विद्यालय में दो शिक्षकों की नियुक्ति, मॉडल किचन के लिए सामग्री की उपलब्धता एवं अन्य व्यवस्थाओं का प्रस्ताव शामिल है। बैठक में उप विकास आयुक्त सतीश चंद्रा, परियोजना निदेशक आईटीडीए संजय कुमार दास, सिविल सर्जन डॉ. प्रवीण कुमार संथालिया, जिला योजना पदाधिकारी अनुप कुमार, जिला नियोजन पदाधिकारी पंकज झा, जिला शिक्षा पदाधिकारी दुर्गानंद झा, जिला शिक्षा अधीक्षक कुमार हर्ष, जिला उद्यान पदाधिकारी अमितेश रंजन, नगर प्रशासन अभिषेक कुमार सिंह सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे। जिला दंडाधिकारी हेमंत सती ने निर्देश दिया कि सभी विभाग अपने कार्यों में तेजी लाएं और यह सुनिश्चित करें कि सभी योजनाएं निर्धारित समयसीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण हों।

संक्षिप्त समाचार

खराब चापाकल की वजह से ग्रामीण परेशान

• बढ़ती गर्मी की वजह से पानी का अभाव

आदिवासी एक्सप्रेस मोहित मंसूरी

कोटालपोखर। बरहरवा प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत कोटालपोखर स्थित धोबी टोला में चापाकल के खराब होने की वजह से आसपास से ग्रामीण को बड़ी समस्या का सामना करना पड़ रहा है। जहां खराब चापाकल एवं पानी का निकास न होने की वजह से गंदगी जैसे समस्या से ग्रामीण को आए दिन दिक्कत होती रहती है। वही एक तरफ बढ़ती गर्मी की वजह से पानी का अभाव होना चिंता का विषय बना हुआ है। उधर ग्रामीण द्वारा बहुत प्रयास करने के बाद भी पानी के संबंधित समस्या का कोई विकल्प नहीं हो पा रहा है जिससे लोगों को परेशानी हो रही है। वही धोबी टोला स्थित चापाकल से पूरे गांव सहित आसपास के लोगों को पानी मिलता रहा है लेकिन अचानक से बार बार चापाकल का खराब हो जाना बहुत ही दुख का बात है। जहां ग्रामीणों द्वारा कई बार चापाकल को ठीक कराया जा चुका है लेकिन लंबे समय से चापाकल स्थिति खराब होने से ग्रामीणों में निराशा देखने को मिल रहा है। वही लोग इस चापाकल पर निर्भर होकर अपना जीवन व्यवस्थित कर रहे थे उनके लिए बहुत बड़ी समस्या है। वहीं ग्रामीणों द्वारा लगातार प्रयास किया जा रहा है ताकि जल्द से जल्द परिस्थिति पर काबू पा कर समस्या से निजात हासिल किया जा सके।

नशाखुरानी गिरोह के शिकार हुए पाकुड़ के युवक, रेल पुलिस युवक को कराया अस्पताल में भर्ती

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam

साहिबगंज: मालदा रेल मंडल अंतर्गत साहिबगंज रेल पुलिस ने एक युवक को बेहोशी की हालत में सदर अस्पताल में भर्ती कराया बताया जा रहा है कि नशाखुरानी के गिरोह के शिकार एक युवक को बेहोशी की हालत में बुधवार को रेल जीआरपी व आरपीएफ पुलिस ने 25 वर्षीय युवक को बेहोशी की हालत में अस्पताल में भर्ती कराया अस्पताल में चिकित्सक केशव कृष्णा के द्वारा इलाज प्रारंभ किया गया बताया जा रहा है कि युवक दरभंगा से पाकुड़ ट्रेन संख्या 13032 डॉन बर्दवान ट्रेन से जा रहा था इस दौरान नशा खुरानी के गिरोह ने युवक को अपना शिकार बना लिया युवक को बिस्किट में नशे की दवा देकर लूट लिया मिली जानकारी के अनुसार युवक पाकुड़ के महबूब आलम 25 वर्षीय बताया जा रहा है. इधर रेल पुलिस आरपीएफ कॉन्स्टेबल राजकुमार शाह ने बताया कि युवक अचेत अवस्था में मिला युवक के पास से राजमिस्त्री का सामान मिला है युवक भी मजदूरी करता होगा ऐसा प्रतीत होता है.

वाहन (डब्ल्यू बी 59 डी 1005) को ग्रामीणों ने पकड़ कर मिर्जाचौकी पुलिस के हवाले कर दिया

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam

साहिबगंज। मंडरो मिर्जाचौकी थाना क्षेत्र के मुख्य सड़क पर बुधवार की सुबह मवेशी लदा पिकअप वाहन (डब्ल्यू बी 59 डी 1005) को ग्रामीणों ने पकड़ कर मिर्जाचौकी पुलिस के हवाले कर दिया है। मिली जानकारी के अनुसार उक्त वाहन पर तीन दुधारू गाय एवं तीन बछड़ा था। जैसे ही ग्रामीणों ने मवेशी लदा पिकअप वाहन को पड़कर पुलिस को सूचना दिया। इस दौरान चालक समेत अन्य लोग पिकअप वाहन एवं मवेशी छोड़कर मौके से फरार हो गए। उक्त सभी लोग तस्करी के नियत से निकटवर्ती मिर्जागांव हाट से मवेशी खरीद कर ले जा रहे थे। मिर्जाचौकी पुलिस ने जांच के बाद पिकअप वाहन सहित मवेशी को छोड़ दिया है।

नगवां निवासी महेंद्र कुमार का हृदय गति रुकने से हुई मृत्यु

आदिवासी एक्सप्रेस / संतोष कुमार दास

इटखोरी (चतरा)। मंगलवार को ग्राम नगवां निवासी महेंद्र कुमार दांगी 35 वर्ष पिता स्वर्गीय निर्मल दांगी को अचानक सांस लेने में परेशानी आ रही थी उसके परिजन द्वारा इटखोरी अस्पताल में भर्ती करवाया। प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें सदर अस्पताल हजारीबाग रेफर कर दिया गया। हजारीबाग अस्पताल में स्थिति को देखते हुए वहां से रिम्स रेफर कर दिया गया, रिम्स जाने के क्रम में युवक ने दम तोड़ दिया। महेंद्र कुमार दांगी का उम्र 35 वर्ष था उनके परिजन तथा पत्नी का रो रो कर बुरा हाल है उनकी दो पुत्री है तथा पत्नी गर्भवती है उनकी मृत्यु से पूरे नगवां गांव में शौक की लहर है, शव को मंगलवार को ही रात में उनका अंतिम संस्कार कर दी गई।

तीन दिवसीय श्री राम महायज्ञ को लेकर 501 कलश के साथ निकाली गई भव्य कलश शोभायात्रा

बांका फुल्लीडुमर से कामेश्वर साह की रिपोर्ट

फुल्लीडुमर प्रखंड के भितिया पंचायत अंतर्गत अंगराजोर गांव में समाजसेवी मिथिलेश प्रसाद सिंह के द्वारा नवनिर्मित मंदिर में बजरंगबली की प्रतिमा स्थापित करने एवं तीन दिवसीय श्री राम महायज्ञ को लेकर बुधवार की सुबह लगभग 8:00 बजे 501 कलश के साथ भव्य कलश शोभायात्रा निकाली गई। जानकारी के अनुसार कलश शोभा यात्रा के आगे आगे चल रहे दो दर्जन घोड़े, बैंड बाजा, डीजे एवं राम दरबार की भव्य झांकी लोगों के आकर्षण का केंद्र बना रहा। धार्मिक अनुष्ठान को लेकर विद्वान पंडितों के सहयोग से भितिया के लोहागढ़ नदी में शास्त्रोक्त विधि से 501 कलश में जल भरा गया। तत्पश्चात कलश शोभायात्रा भितिया कालीस्थान,

कठडांड, अंगराजोर ठाकुर टोला, नयासी, नवाडीह आजादपुर एवं बाबूटोला अंगराजोर गांव का नगर परिभ्रमण करते हुए मंदिर प्रांगण एवं यज्ञ स्थल पर पहुंची। कलश शोभायात्रा में शामिल महिलाओं एवं भगवा झंडा लेकर शामिल सैकड़ो युवाओं की टोली द्वारा जय श्री राम के गगनभेदी नारे से सारा वातावरण भक्तिमय में हो गया। वहीं कलश शोभायात्रा के दौरान भितिया एवं अंगराजोर के श्रद्धालु भक्तजन शंभू प्रसाद साह, सुजीत सिंह, नागेंद्र ठाकुर, रूपेश कुमार ठाकुर, सत्यम कुमार एवं अन्य लोगों द्वारा जगह-जगह पर कलश शोभा यात्रा में शामिल श्रद्धालुओं के लिए नींबू पानी, शरबत, जूस एवं फल की भी व्यवस्था की गई थी। वहीं धार्मिक अनुष्ठान के मौके पर विधि व्यवस्था बनाए रखने को लेकर थाना अध्यक्ष बबलू कुमार के नेतृत्व में थाना के एस आई वीरेंद्र श्रीवास्तव दलबल के साथ कार्यक्रम स्थल पर मौजूद थे। वहीं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र फुल्लीडुमर द्वारा एंबुलेंस को भी तैनात किया गया था। कलश शोभायात्रा को शांतिपूर्वक संपन्न कराने को लेकर धार्मिक कार्यक्रम के आयोजक मिथिलेश प्रसाद सिंह, प्रदीप सिंह, वार्ड सदस्य रणधीर सिंह, पैक्स अध्यक्ष मनोज सिंह, सिकंदर सिंह, सत्यम कुमार उर्फ गोलू, हरीश यादव ,रविशंकर प्रसाद सिंह सहित दर्जनों अंगराजोर ग्राम वासियों द्वारा सक्रिय सहयोग किया जा रहा है।

स्वास्थ्य विभाग द्वारा नोटिस जारी, व्हाट्सएप ग्रुप में बिना सहमति के छुट्टी लेने पर कार्यवाही का आदेश

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam

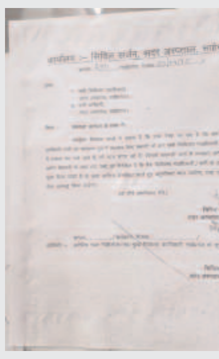

साहिबगंज: सदर अस्पताल के स्वास्थ्य विभाग द्वारा नोटिस जारी की गई दिए गए नोटिस में जिक्र किया गया है कि प्रायः देखा जा रहा है कि अवकाश के आवेदन उपस्थिति पंजी एवं व्हाट्सएप ग्रुप में डालकर बिना सहमति के चिकित्सा पदाधिकारी व स्वास्थ्य कर्मी छुट्टी में प्रस्थान कर चले जाते हैं. जो न्याय संगत नहीं है जिससे सरकारी कर में व्यवधान उत्पन्न होता है. जिसको लेकर अंतिम चेतावनी के साथ नोटिस दिया गया है कि वैसे चिकित्सा पदाधिकारी कर्मी के द्वारा यदि ऐसे कृति किया जाता है तो उक्त आवेदन अस्वीकृत करते हुए अनुपस्थित माना जाएगा तथा उक्त तिथि का वेतन अवरुद्ध किया जाएगा. जिसको लेकर सिविल सर्जन कार्यालय द्वारा नोटिस जारी करते हुए स्वास्थ्य कर्मी को कड़ी हिदायत दी गई.

अन्नदा कॉलेज के ईको क्लब ने कॉलेज कैंपस में चलाया सफाई अभियान

आदिवासी एक्सप्रेस

हजारीबाग। अन्नदा कॉलेज के ईको क्लब की टीम जिसमे डा मीना श्रीवास्तव, डा आकाश गोराई और प्रेरणा शर्मा के नेतृत्व में बच्चों ने अन्नदा कॉलेज के कैंपस में सफाई अभियान चलाया। उनका प्रमुख उद्देश था प्लास्टिक फ्री जोन बनाना। बच्चों ने विभिन्न पोस्टर, स्लोगन, चित्रांकन और सेमिनार के माध्यम से जागरूकता फैलाई। प्रिंसिपल इंचार्ज डा नीलमणि मुखर्जी ने भी ऐसे कार्यक्रम की सराहना की कार्यक्रम में डा रत्ना चैटर्जी, युवराज, श्रीकांत, प्रभा, आकांक्षा, शिवानी, आदित्य, प्रिया, प्रगति, मानसी की प्रमुख भूमिका रही। कार्यक्रम में ईको क्लब के सदस्य तथा ढेरो छात्र छात्राएं उपस्थित थे।

सेंट कोलंबस कॉलेज के एनसीसी कैडेट्स ने दी श्रद्धांजलि

पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए लोगों के परिवार के प्रति व्यक्त की संवेदना

आदिवासी एक्सप्रेस

हजारीबाग। कश्मीर में हुए आतंकी हमले में 27 निर्दोष पर्यटक नागरिकों की मौत की खबर ने पूरे देश को गहरे शोक में डुबो दिया है। इस दिल दहला देने वाली घटना और मृतकों के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करने के उद्देश्य से सेंट कोलंबस कॉलेज,हजारीबाग के एनसीसी कैडेट द्वारा एक विशेष श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस भावनात्मक अवसर पर वाइस प्रिंसिपल डॉ. जे. आर. दास एवं कंपनी कमांडर लेफ्टिनेंट डॉ. एस .के.पांडेय उपस्थित रहे। उनके नेतृत्व में एनसीसी कैडेट्स ने कॉलेज हॉल में एकत्र होकर दो मिनट का मौन रखकर शहीद नागरिकों को श्रद्धांजलि दी और उनके परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की।

कॉलेज के वाइस प्रिंसिपल ने इस

मौके पर कहा, यह हमला पूरे देश की आत्मा पर हमला है निर्दोष नागरिकों की हत्या मानवीय कृत्य है और हम इसकी निंदा करते हैं उन्होंने छात्रों को देश के प्रति अपने कर्तव्यों के प्रति जागरूक रहने और एकजुटता की भावना बनाए रखने की प्रेरणा दी।

कंपनी कमांडर डॉ. शत्रुघ्न पांडेय ने कहा, हमारे एनसीसी कैडेट्स न केवल अनुशासन और सेवा भावना में प्रशिक्षित होते हैं, बल्कि संवेदनशील नागरिक भी बनते हैं। आज का यह मौन केवल एक प्रतीक नहीं, बल्कि उस पीड़ा और प्रतिबद्धता का संकेत है, जिसे हम देश के नागरिकों के प्रति महसूस करते हैं।

इस आयोजन में एनसीसी कैडेट्स की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। सभी ने मौन व्रत के बाद एकजुट होकर आतंकी हमले की निंदा करते हुए देश के प्रति अपनी निष्ठा और सेवा भावना को दोहराया। कैडेट्स ने कहा कि वे हमेशा अपने राष्ट्र की सेवा के लिए तैयार हैं। श्रद्धांजलि सभा का समापन कंपनी कमांडर शत्रुघ्न पांडे ने यह कहते हुए किया कि आतंकवादियों का कोई धर्म नहीं कोई जाति नहीं होती वह केवल धर्म और जाति के नाम पर आतंक फैलाते हैं। इसलिए हमें एकजुट होकर रहना चाहिए यह आयोजन केवल एक श्रद्धांजलि नहीं, बल्कि युवा पीढ़ी के लिए एक संदेश था कि वे सामाजिक संवेदनशीलता, देशभक्ति और मानवता को अपने जीवन का मूल मंत्र बनाएं।

इस कार्यक्रम ने सभी प्रतिभागियों को एकजुट होकर राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों को समझने और निभाने की प्रेरणा दी।

कश्मीर के पहलगाम में सैलानियों पर कायरता पूर्ण हमला पर समाजसेवी राकेश गुप्ता ने आतंकवाद पर किया तिखी प्रतिक्रिया व्यक्त

• **ऐसी हिंसा हमारे देश में स्वीकार नहीं की जा सकती, दोषियों के खिलाफ त्वरित और कठोरतम कार्रवाई की जानी चाहिए: राकेश गुप्ता**

आदिवासी एक्सप्रेस

हजारीबाग। कश्मीर के पहलगाम में सैलानियों पर कायरता पूर्ण हमला पर समाजसेवी सह जदयू वरीष्ठ नेता राकेश गुप्ता ने आतंकवाद पर तिखी प्रतिक्रिया व्यक्त किया। आतंकी हमला मारे गए भारतीयों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त किया। दोषियों के खिलाफ त्वरित और कठोरतम कार्रवाई करने की मांग किया। उन्होंने कहा कि पहलगाम में जो कुछ हुआ, वह सिर्फ एक आतंकी हमला नहीं, बल्कि एक सुनियोजित नरसंहार था। प्रत्यक्षदर्शियों और स्थानीय पत्रकारों के अनुसार, हमलावरों ने पर्यटकों से धर्म पूछ-पूछकर उन्हें गोली मारी। इस वीभत्स हमले में कितनों लोगों की जान गई है। ऐसी हिंसा हमारे देश में स्वीकार नहीं की जा सकती। दोषियों के खिलाफ त्वरित और कठोरतम कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि देश को यह स्पष्ट संदेश देना होगा कि निर्दोषों का रक्त बहाने वालों को किसी भी कीमत पर छोड़ा नहीं जाएगा। आतंक फैलाने वालों के लिए भारत की ज़मीन कभी सुरक्षित पनाहगाह नहीं बन सकती। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह से मेरी अपील है कि वे कड़ी कार्रवाई करें और आतंकवादियों को जड़ से खत्म करें। पूरा देश आपके साथ है। इस उन्होंने दौरान मृतकों के प्रति गहरी वेदना प्रकट कर ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति प्रदान करने की कामना की।

झारखंड में 20 साल बाद भी नहीं थमी पशु तस्करी, कानून बेबस

क्राइम संवाददाता द्वारा

रांची। झारखंड में गोवंश हत्या प्रतिषेध अधिनियम को लागू हुए दो दशक बीत चुके हैं, लेकिन ज़मीनी सच्चाई इससे बिल्कुल उलट है. पशु तस्करी का नेटवर्क लगातार फल-फूल रहा है, और पाकुड़ जिले के हिरणपुर प्रखंड को इस अवैध कारोबार का केंद्र माना जा रहा है. पश्चिम बंगाल सीमा से सटी हुई तस्करों के लिए वरदान बन गई है. यहां से बंगाल में पशुओं को दिन के उजाले में कहिये या फिर रात के अंधेरे में पार करवा दिया जाता है. प्रशासन समय-समय पर कार्रवाई जरूर करता है, लेकिन तस्करी की रफ्तार कम होने का नाम नहीं ले रही.

स्थानीय सूत्रों और अधिकारियों की मानें तो यह काम अब सिर्फ स्थानीय स्तर तक सीमित नहीं है. बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल के तस्कर

एक संगठित सिंडिकेट के रूप में काम कर रहे हैं. रात के समय हाईवे और ग्रामीण रास्तों से गोवंश की तस्करी बड़े स्तर पर की जाती है.

झारखंड सरकार ने 22 नवंबर 2005 को गोवंश हत्या प्रतिषेध अधिनियम पारित किया था. इसके तहत गाय और बैल को राज्य से बाहर ले जाना कानूनन अपराध है. इसके क्रियान्वयन की जिम्मेदारी SPCA (Society for Prevention of Cruelty to Animals) निरीक्षकों को सौंपी गई है. उन्हें एफआईआर दर्ज कराने के लिए थानों पर निर्भर रहने की ज़रूरत नहीं है. फिर भी, तस्करी पर प्रभावी रोक नहीं लग पाई है. तस्करी के दौरान पशुओं को अमानवीय हालात में लादा जाता है- बिना चारे, पानी और हवा के. कानून कहता है कि ऐसे मामलों में अभियोजन की कार्रवाई होनी चाहिए, लेकिन ज़मीनी स्तर पर न तो रोकथाम दिखती है, न ही न्यायिक सख्ती.

जब एक संगठित रैकेट खुलेआम पशु तस्करी को अंजाम दे रहा हो और सीमावर्ती इलाके तस्करों का सुरक्षित ठिकाना बन गए हों, तो सवाल उठता है- क्यों नहीं हो रही है लगातार निगरानी? क्यों नहीं हो रहा है कड़ी कानूनी कार्रवाई?

अब जरूरत है कि जिला प्रशासन, सीमा सुरक्षा बल और राज्य सरकार मिलकर इस अवैध व्यापार पर लगाम लगाएं, वरना कानून महज़ कागज़ों में ही रह जाएगा और पशुओं पर क्रूरता का यह सिलसिला यूं ही चलता रहेगा.

महिला का अपहरण कर हत्या का आरोप झाड़ी में मिला महिला का शव

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam

साहिबगंज। जिले में इन दोनों चोरी हत्या काफी बढ़ गई है. आए दिन जिले में लगातार हत्या की घटना घट रही है. जहां ताजा मामला तालझारी थाना क्षेत्र के जसकुटी के पास मंगलवार को झाड़ी में महिला का नरकंकाल मिला है। शव की पहचान राजमहल थाना क्षेत्र के मलाही टोला निवासी ऋतु देवी के रूप में हुई। ऋतु 7 अप्रैल से लापता थी। पति नित्यानंद कर्मकार ने गांव के ही गणेश

साहा पर हत्या का आरोप लगाया है। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि पहाड़ के पास झाड़ी में महिला का शव पड़ा है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने नरकंकाल बरामद किया। शव पूरी तरह सड़ चुका था। रात में पहचान नहीं हो सकी। तालझारी थाना प्रभारी नितेश कुमार पांडेय ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू की। शव के पास से महिला की जूती, हैंडबैग घड़ी, और बैंक पासबुक मिली। इन्हीं सामानों के आधार पर पति नित्यानंद ने शव की पहचान अपनी पत्नी ऋतु देवी के रूप में की। पति नित्यानंद ने बताया कि 7 अप्रैल को ऋतु पासबुक लेकर बैंक जाने की बात कहकर घर से निकली थी। शाम तक नहीं लौटी। मोबाइल भी बंद मिला। काफी खोजबीन की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। 8 अप्रैल को राजमहल थाना में पत्नी के अपहरण की शिकायत दी थी। पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। वही मृतिका के एक बेटा विराट कुमार उम्र 10 वर्ष और बेटी प्रिया कुमारी उम्र 7 वर्ष है। मृतका के पति ने बताया कि गांव का गणेश साहा उस पर बुरी नजर रखता है। अश्लील इशारे करता है। लोकलाज के डर से वह पहले कुछ नहीं बोली। जब गणेश की हरकतें बढ़ीं, तब उसने पति को बताया। इसके बाद नित्यानंद ने गणेश को समझाया था कि वह अपनी हरकतें बंद करे, वरना समाज में उसकी बदनामी होगी। गणेश साहा ने ही उसकी पत्नी का अपहरण किया और हत्या कर शव झाड़ी में फेंक दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। इधर पुलिस पूरे मामले की जांच पड़ताल में जुट गई है।

गिरिडीहः राष्ट्रीय कायस्थवृन्द ने कैंडिल मार्च निकाल पहलगाम के मृतकों को दी श्रद्धांजलि

केंद्र सरकार से किया पाकिस्तान के खिलाफ सख्त कदम उठाने की मांग

गिरिडीह, प्रतिनिधि। कश्मीर के पहलगाम में आतंकियों द्वारा की गई 26 हिन्दू पर्यटकों व सैलानियों की नृशंस हत्या के खिलाफ राष्ट्रीय कायस्थवृन्द द्वारा बुधवार की शाम शहर में कैंडिल मार्च निकाला गया। यह कैंडिल मार्च पुराना जेल परिसर स्थित चित्रगुप्त मन्दिर परिसर से निकाल कर पूरे शहर का भ्रमण कर जेपी चौक पहुंची। इस दौरान कैंडिल मार्च में शामिल कायस्थवृन्द के लोग अपने हाथों में घटना के खिलाफ स्लोगन लिखी तख्तियां और जलती कैंडिल लेकर मुख्य मार्गो से गुजर कर जेपी चौक पहुंचे। वहां जेपी प्रतिमा के समक्ष सभी जलती कैंडिल को रख कायस्थवृन्द के लोगों ने आतंकी हमले में अपनी जान गंवाये सभी दिवंगत आत्मा की शांति हेतु ईश्वर से प्रार्थना किया।इस दौरान कायस्थवृन्द के लोगों ने केंद्र की मोदी सरकार से उक्त जघन्य हत्याकांड के लिये पाकिस्तान के खिलाफ सख्त से सख्त कदम उठाने और न्यायोचित कार्रवाई करने की मांग किया। इस कैंडिल मार्च में त्रिपुरारी प्रसाद बक्सी, संजीव रंजन सिन्हा, एमके वर्मा, संजीव सिन्हा सज्जन, राजेश कुमार, शिवेन्द्र कुमार सिन्हा, राजेश सहाय, कुमार राकेश, विशाल गौरव, राजेश कुमार सिन्हा राजू, विकाश सिन्हा, बिपिन कुमार सिन्हा, ज्योतिष कुमार सिन्हा, सावन दाराद, रमेश सिन्हा, स्वपन कुमार, आखोरी प्रशांत सिन्हा आदि शामिल थे।

आतंकवादी घटना के विरोध में भाजयुमो ने निकाला मशाल जुलूस

गिरिडीह, प्रतिनिधि। कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हुए हमले के विरोध में भाजपा युवा मोर्चा के द्वारा बुधवार की शाम को मशाल जुलूस निकाला गया। जिसमें काफी संख्या में भाजपाई शामिल हुए और झंडा मैदान से निकलकर शहर के मुख्य मार्गो का भ्रमण करते हुए टॉवर चौक पहुंचे। जुलूस के दौरान भाजपाईयों ने आतंकवाद के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। इस दौरान भाजपा नेता दिनेश यादव, सुरेश साव, चुन्नूकांत, प्रकाश सेठ, हरबिन्द्र सिंह बग्गा, संजीव सिंह, मिथुन चन्द्रवंशी, विक्की गुप्ता, शालिनी वैश्ख्यिार, उषा कुमारी सहित अन्य भाजपाईयों ने आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा कि कश्मीर के पहलगाम में जिस प्रकार से हिन्दू पर्यटकों को चिन्हित कर उन्हें गोली मारी गई है उससे साफ होता है कि हिन्दुओं के खिलाफ एक साजिश रची जा रही है। कहा कि जब तक कश्मीर में राष्ट्रपति शासन लागू था तब तक किसी आंतकवादी संगठन के द्वारा सिर नही उठा गया था, लेकिन जैसे ही कांग्रेस और नेशलन कॉफ्रेस पार्टी की सरकार बनी कश्मीर की हालत बिगड़ने लगी है। कहा कि इसी प्रकार से अगर हिन्दू समाज को तारगेट किया जाता रहा था तो पूरा हिन्दू समाज सड़क पर उतरकर उग्र प्रदर्शन को बाध्य होगा। इस दौरान भाजपाईयों ने प्रधानमंत्री से आतांकवादियों व हिन्दू विरोधी ताकतों से सख्ती से निपटने की मांग की। साथ राष्ट्रपति से कश्मीर में एक बार फिर राष्ट्रपति शासन लागू करने का आग्रह किया।

पहलगाम में सैलानियों पर हुए आतंकी हमला के विरोध में महाविद्यालय परिसर में विरोध प्रदर्शन

● शहीद हुए सैलानियों को श्रद्धांजलि अर्पित किया गया ● प्रधानमंत्री और गृहमंत्री जी से मांग है पाकिस्तान पर फिर एक बार सर्जिकल स्ट्राइक कर आतंकवादियों को जहन्नुम में वेज कर पाकिस्तान को औकात दिखाने का काम करेंः उज्जवल तिवारी

गिरिडीह, प्रतिनिधि। बुधवार को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् गिरिडीह महाविद्यालय इकाई के द्वारा जम्मू कश्मीर के पहलगाम में सैलानियों पर हुए आतंकी हमला के विरोध में महाविद्यालय परिसर में विरोध प्रदर्शन एवं शहीद हुए सैलानियों को श्रद्धांजलि अर्पित किया गया। इस दौरान अभाविप गिरिडीह जिला संयोजक उज्जवल तिवारी ने कहा कि आतंकियों ने अनंतनाग जिले के पहलगाम में खुलेआम नरसंहार किया है। जिन वादियों में देशभर से सैलानी घूमने पहुंचे थे, उसी वादी में दहशतगर्दों ने सैलानियों का पहले धर्म पूछा और फिर मौत के घाट उतार दिया। आतंकियों ने हैवानियत की सारी हदों को पार कर दिया। किसी पत्नी के आंखों के सामने आतंकियों ने पति को गोली मार दी, किसी की आंखों के सामने परिजन को मार दिया। दहशतगर्दों ने एक-दो नहीं, बल्कि 28 सैलानियों को चुन-चुन कर मारा। प्रधानमंत्री और गृहमंत्री जी से मांग है पाकिस्तान पर फिर एक बार सर्जिकल स्ट्राइक कर आतंकवादियों को जहन्नुम में वेज कर पाकिस्तान को औकात दिखाने का काम करे। मौके पर नगर अध्यक्ष प्रो राजकुमार वर्मा,कॉलेज मंत्री नीरज चौधरी, अनीश रॉय, सदानंद राय, बिट्टू मोदी, करण मिश्रा, ऋषभ सिंह, उमेश किस्कू, मिष्टी कुमारी, काजल कुमारी, मौसम कुमारी, अंजली कुमारी सहित कई कार्यकर्ता और छात्र छात्रा मौजूद थे।

गिरिडीह में सांसद दुल्लू महतो का सम्मान, अंतरराष्ट्रीय कराटे चैंपियनशिप को दी शुभकामनाएं

गिरिडीह, प्रतिनिधि। धनबाद से सांसद दुल्लू महतो का बुधवार को भाजपा नेता और जिला अधिवक्ता संघ के महासचिव चुन्नू कांत के बरगंडा स्थित आवास पर सम्मान किया गया। यह सम्मान उन्हें अंतरराष्ट्रीय कराटे चैंपियनशिप के सफल आयोजन की सराहना स्वरूप दिया गया। सांसद ढुल्लू महतो ने धनबाद में व्यस्त कार्यक्रमों के चलते आयोजन में शामिल न हो पाने की बात कही, लेकिन कराटे संघ के पदाधिकारियों से मिलकर आयोजकों को बधाई दी और गिरिडीह में अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाने वाले इस आयोजन की प्रशंसा की। इस मौके पर कराटे संघ के अध्यक्ष देवेंद्र सिंह, संरक्षक विजय कुमार सिंह व सचिव उज्जवल कुमार सहित बड़ी संख्या में अधिवक्ताओं और गणमान्य लोगों ने सांसद का स्वागत किया। सांसद को शॉल, पुष्पगुच्छ व शील्ड देकर सम्मानित किया गया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन न केवल युवाओं को प्रेरित करते हैं, बल्कि गिरिडीह व झारखंड को वैश्विक स्तर पर नई पहचान भी दिलाते हैं। कार्यक्रम में अधिवक्ता जयप्रकाश राय, श्रेयांश सौरभ, शिवानी शर्मा, शिवेंद्र सिंह गब्बू और अन्य प्रमुख चेहरे मौजूद रहे।

भारतीय मजदूर संघ झारखंड प्रदेश के प्रतिनिधि मंडल महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी से दिल्ली में की मुलाकात

गोमो। भारतीय मजदूर संघ झारखंड प्रदेश के प्रतिनिधि मंडल महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी भारत सरकार से शास्त्री भवन नई दिल्ली में मीटिंग किया। जिसमें माननीया मंत्री महोदय के सहयोग से मंत्रालय ने आंगनबाड़ी सेविकाओं को विभागीय कार्यों के अतिरिक्त अन्य कार्यों से विमुक्ति करने हेतु सभी उपायुक्त झारखंड आवश्यक कार्रवाई के संबंध में पत्र दिया है। भारतीय मजदूर संघ झारखंड प्रदेश मंत्री, मंत्रालय और भारत सरकार को इस मांग को पूरा करने के लिए आभार व्यक्त करती है। इस प्रतिनिधि मंडल में भारतीय मजदूर संघ झारखंड प्रदेश के अध्यक्ष बलिराम यादव, महामंत्री राजीव रंजन सिंह, उपाध्यक्ष रामचंद्र गोप और महासंघ सह प्रदेश महामंत्री आंगनबाड़ी के पुष्पा कुमारी, प्रदेश कोषाध्यक्ष शालिनी रानी आदि उपस्थित थे।

मांडर प्रखंड के सभी पंचायत भवन के प्रज्ञा केंद्र मे विवाह निबंधन की प्रक्रिया शुरू

मांडर- मांडर प्रखंड के सभी पंचायत भवन के प्रज्ञा केंद्र मे विवाह निबंधन की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। प्रखंड प्रमुख फिलिप सहाय एक्का ने बताया की अब इसके लिए लोगो को कचहरी का चक्कर नही लगाना होगा बुधवार को मांडर प्रमुख कार्यालय मे पहला विवाह प्रमाण पत्र सरिता खलखो पति अनमोल नियोन एक्का को प्रमुख फिलिप सहाय एक्का सीताराम साहू और अंजनी ज्योति टोप्पो के हाथो द्वारा दिया गया,विवाह पंजीकरण के लिए आवश्यक दस्तावेज दूल्हे का आधार कार्ड, और पहचान पत्र, दुल्हन का आधार कार्ड और पहचान पत्र, दूल्हे एंव दुल्हन का पासपोर्ट साइज फोटो दूल्हे एंव दुल्हन का हस्ताक्षर, लेटर पेड पर मुखिया द्वारा प्रमाणित हस्ताक्षर एवं मुहर, तीन फोटो शादी का जोड़े का, 3 गवाह का आधार एंव पहचान पत्र, 3 गवाह का पासपोर्ट फोटो 3 गवाह का हस्ताक्षर आवश्यक होगा, विवाह निबंधन कराने के बाद कन्यादान हेतु बाल विकास कार्यालय से सम्पर्क किया जा सकता है,

मौक़े पर सीताराम साहू, अंजनी ज्योति टोप्पो, कृति कुमारी, प्रेम साहू, फिरोज अन्सारी मौजूद थे !

संक्षिप्त समाचार

गिरिडीहः युवा योग महोत्सव का दूसरा दिनः स्वदेशी और स्वास्थ्य का मिला संदेश

गिरिडीह, प्रतिनिधि। पतंजलि योगपीठ गिरिडीह द्वारा आयोजित पांच दिवसीय युवा योग महोत्सव के दूसरे दिन का शुभारंभ प्रातः 5:15 बजे दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। मुख्य अतिथि डॉक्टर गुणवंत सिंह मोंगिया और उनकी धर्मपत्नी के साथ स्वामी रामदेव जी के प्रतिनिधि स्वामी कौशल देव व स्वामी विश्व देव ने योगाभ्यास कराया। शिविर में यौगिक जॉगिंग, प्राणायाम, हास्यासन आदि के साथ-साथ स्वास्थ्य, आयुर्वेद और स्वदेशी जीवनशैली की महत्ता पर बल दिया गया। स्वास्थ्य मंत्र के रूप में रोज दो घंटे योग करने की सलाह दी गई और विभिन्न रोगों के प्राकृतिक उपचार बताए गए। शिविर का संचालन रणधीर कुमार गुप्ता व नवीन कांत सिंह कर रहे हैं, जिसमें सैकड़ों योग साधक शामिल हुए।

शिशु विद्या मंदिर बरगंडा में वीर बाबू कुंवर सिंह की जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई

गिरिडीह, प्रतिनिधि। सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, बरगंडा में बुधवार को वीर बाबू कुंवर सिंह की जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। प्रधानाचार्य आनंद कमल, आचार्य एवं बच्चों ने बाबू कुंवर सिंह के छायाचित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित किया।विषय प्रवेश प्रदीप कुमार सिन्हा ने किया। मौके पर कशिश भारती, अर्चिता राजन,दिझासा वर्मा एवं निश्चय भदानी ने बाबू कुंवर सिंह के जीवन चरित्र पर प्रकाश डाला।

प्रधानाचार्य आनंद कमल ने बताया कि प्रथम स्वाधीनता संग्राम के महान सेनानी बाबू कुंवर सिंह ने 80 वर्ष की अवस्था में अंग्रेजों से लोहा लिया था।वे महान स्वतंत्रता सेनानी के साथ-साथ महान योद्धा एवं गुरिल्ला युद्ध में निपुण थे। उन्होंने बहादुरी, दूरदर्शिता,अनुशासन, कूटनीतिक और रणनीतिक कौशल के साथ-साथ देशभक्ति के मूल्यों का उच्चतम स्तर समाज को दिखाया। कार्यक्रम को सफल बनाने में कुमार प्रशांत, दुलारचंद यादव, राजेंद्र लाल बरनवाल एवं आचार्य दीदी का सराहनीय योगदान रहा।

गिरिडीह में चिकित्सकों ने पहलगाम आतंकी हमले के विरोध में आयोजित की शोक सभा

गिरिडीह, प्रतिनिधि। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के विरोध में गिरिडीह के सभी चिकित्सकों द्वारा एक शोक सभा आयोजित की गई, जिसमें हमले में शहीद हुए सभी लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए मौन रखा गया। सभा में एचबीआई आईएमए गिरिडीह के अध्यक्ष डॉ. एम.डी. आज़ाद, सचिव डॉ. राजेश कुमार सिंह, संयुक्त सचिव डॉ. रितेश कुमार सिन्हा, एएसआई गिरिडीह चैप्टर के अध्यक्ष डॉ उत्तम कुमार जालान, सचिव डॉ विकास लाल सहित कई चिकित्सक, स्वास्थ्यकर्मी और मेडिकल प्रतिनिधि उपस्थित रहे। सभी ने इस कायराना हमले की कड़ी निंदा करते हुए केंद्र सरकार से मांग की कि दोषियों के खिलाफ कठोरतम कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

इटखोरी गांधी चौक स्थित नेवारी गोदाम में आग लगने से लाखों की पशु चारा और अन्य सामान जलकर राख

आदिवासी एक्सप्रेस / संतोष कुमार दास
इटखोरी (चतरा)। इटखोरी गांधी चौक स्थित नेवारी गोदाम में अचानक आग लग गई। घटना बुधवार दोपहर पश्चात 3:30 की है। इस भीषण अगलगी में पिंटू सिंह के नेवारी गोदाम में रखे भारी मात्रा में नेवारी और रखे कुट्टी समेत चार पहिया वाहनों के टायर जलकर खाक हो गए। आसपास के लोगों ने घटना के बाद आग को बुझाने का काफी प्रयास किए,मगर वे असफल रहे। बाद में इसकी सूचना स्थानीय पुलिस को दी गई फिर दमकल वाहन को बुलाया गया। तब तक सारा सामान जलकर राख हो गया था। वहीं अल्वेस्टर सीट से बनें कुट्टी गोदाम भी ध्वस्त हो गया। दमकल वाहन ने घटना के बाद घटनास्थल पर पहुंचकर पूरी तरह से आग को बुझा दिया है,अर्जुन सिंह ने बताया कि आग लगने से लाखों कि रखे हुए समान जल कर खाक हो गया।

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम आतंकी हमले की विधायक रोशनलाल चौधरी ने घोर निंदा की

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता
बड़कागांव। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम स्थित बैसारन घाटी में 22 अप्रैल को हुए भीषण आतंकी हमले में 28 निर्दोष लोगों की जान चली गई। इस दुखद घटना पर बड़का गांव विधायक रोशनलाल चौधरी ने गहरी शोक संवेदना व्यक्त की, जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि यह आतंकी घटना अक्षम्य व घोर निंदनीय हैं,जिन लोगों ने इस दुःखद घटना में अपनों को खोया है उनके परिजनों के प्रति अपनी शोक संवेदनाएँ व्यक्त करता हूँ ।प्रभु श्री राम से प्रार्थना करता हूं कि दिवंगत पुण्यात्माओं को अपने श्री चरणों में स्थान दें। एवं घायलों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्रदान करे। इस बर्बर हमले ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह से अपील की है कि हमले के दोषियों के विरुद्ध कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाए, ताकि देश में शांति और सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

ब्लॉक मोड एवं दैनिक बाजार में जल मीनार खराब, लोग परेशान

आदिवासी एक्सप्रेस
बड़कागांव। बड़कागांव मुख्यालय से सटा ब्लॉक मोड़ के पास विगत एक माह से वहीं बड़कागांव दैनिक बाजार में 15 दिनों से जल मीनार खराब पड़ा है जिसके कारण ग्रामीणों को पेयजल की समस्या से जुझना पड़ रहा है। ब्लॉक मोड़ के पास स्कूल ,कॉलेज ब्लॉक व अन्य आवागमन कर रहे राहगीरों के लिए वहीं दैनिक बाजार में सैकड़ो लोग सब्जी खरीदने एवं कारोबार करने वालों के लिए पेयजल की समस्या उत्पन्न हो गई है। भीषण गर्मी को देखते हुए भाजपा के वरिष्ठ नेता ज्ञानेश्वर शर्मा ने प्रशासन से प्रखंड में बंद पड़े जल मीनारो को मरम्मत करवा कर पानी चालू करवाने की मांग की है। मामले को लेकर प्रखंड विकास पदाधिकारी जितेंद्र कुमार मंडल से पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि पीएचडी विभाग से बात कर बनाने का प्रयास किया जाएगा।

तिलकधारी सिंह को मिले राष्ट्रीय सम्मानः रुपेश कुमार सिंह

गिरिडीह, प्रतिनिधि। विदित हो की बीते 21 अप्रैल को जन नायक सबों के दिल में बसे बेदाग राज नेता तिलकधारी सिंह का निधन इलाज के दौरान हो गया। जिसकी भरपायी सम्भव नहीं है। तिलकधारी सिंह का जन्म 8 जनवरी 1938, को एक किसान परिवार गिरिडीह जिला के चतरो में हुआ था एक बार मुखिया दो बार राजधनवार से विधायक दो बार कोडरमा से सांसद रहे गिरिडीह जिला के प्रथम जिला परिषद अध्यक्ष भी रहे। जन कल्याण संगठन अध्यक्ष रुपेश कुमार सिंह ने कहा कि इन्होने पुरा राजनितिक जीवन कांग्रेस पार्टी में ही समर्पित कर दिया और सबसे बड़ी बात की काजल की कोठरी में रहकर बेदाग छवि वाले नेता थे तो केवल तिलकधारी सिंह थे। जाति पाती ऊँच नीच धर्म से ऊपर उठकर सदैव कार्य किये इनके साफ छवि के कारण अफसर लोग इनको विशेष इज्जत देते थे। अपने क्षेत्र में इन्होने जो विकास किया वह अतुलनीय है, अतः हम इनके सेवा को देखते हुए रास्ट्रीय सम्मान की मांग करते हैं।

संक्षिप्त समाचार

पंचायती राज दिवस : मधुबनी में पीएम मोदी का कार्यक्रम, राष्ट्र को समर्पित करेंगे कई परियोजनाएं

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत गुरुवार को 32वां पंचायती राज दिवस (एनपीआरडी) मनाएगा। इस ऐतिहासिक अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बिहार के मधुबनी जिले के झंझारपुर ब्लॉक स्थित लोहना उत्तर ग्राम पंचायत से पूरे देश की ग्राम सभाओं को संबोधित करेंगे। प्रधानमंत्री इस मौके पर विशेष श्रेणी के राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार- 2025 भी प्रदान करेंगे और करीब 13,500 करोड़ रुपए की लागत वाली प्रमुख अवसंरचना परियोजनाएं राष्ट्र को समर्पित करेंगे। यह आयोजन 73वें संविधान संशोधन अधिनियम-1992 की वर्षगांठ के अवसर पर हो रहा है, जिसने पंचायतों को संवैधानिक दर्जा प्रदान किया और उन्हें स्थानीय स्वशासन की संस्थाओं के रूप में मान्यता दी। इस वर्ष का समारोह 'संपूर्ण सरकार' दृष्टिकोण को अपनाते हुए आयोजित किया जा रहा है, जिसमें छह केंद्रीय मंत्रालयों, ग्रामीण विकास, आवास एवं शहरी कार्य, पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस, बिजली, रेल और सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय की भागीदारी है। प्रधानमंत्री मोदी कार्यक्रम के दौरान एलपीजी बॉटलिंग प्लांट, विद्युतीकरण योजनाएं, आवास योजनाएं, रेलवे और सड़क विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे। इसके साथ ही, प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण और शहरी) और डीएवाई-एनआरएलएम के तहत वित्तीय सहायता भी लाभार्थियों को वितरित की जाएगी। ये पहल ग्रामीण भारत, खासकर बिहार के ग्रामीण इलाकों को मजबूत बुनियादी ढांचा, सेवाएं और आर्थिक अवसर प्रदान करेंगी। इस अवसर पर प्रदान किए जाने वाले विशेष पुरस्कारों में जलवायु कार्रवाई विशेष पंचायत पुरस्कार, आत्मनिर्भर पंचायत विशेष पुरस्कार और पंचायत क्षमता निर्माण सर्वोत्तम संस्थान पुरस्कार शामिल हैं। इन पुरस्कारों का उद्देश्य जलवायु सुदृढ़ीकरण, आर्थिक आत्मनिर्भरता और संस्थागत क्षमता निर्माण के क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली पंचायतों को सम्मानित करना है।

पुरस्कार विजेता पंचायतें बिहार, महाराष्ट्र, ओडिशा, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, केरल और असम से चुनी गई हैं। खास बात यह है कि विजेता ग्राम पंचायतों में से तीन का नेतृत्व महिला सरपंच कर रही हैं, जो स्थानीय स्तर पर समावेशी नेतृत्व को दर्शाता है।

इस कार्यक्रम में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, केंद्रीय पंचायती राज मंत्री राजीव रंजन सिंह, उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा, पंचायती राज मंत्री केदार प्रसाद गुप्ता और अन्य वरिष्ठ अधिकारी एवं पंचायत प्रतिनिधि शामिल होंगे।

बीपीएससी की 25 अप्रैल को होने वाली मुख्य परीक्षा पर रोक से सुप्रीम कोर्ट का इंकार

नई दिल्ली, एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) की 25 अप्रैल को होने वाली 70वीं संयुक्त प्रतियोगी मुख्य परीक्षा पर रोक लगाने से बुधवार को साफ तौर पर इंकार कर दिया। न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति मनमोहन की पीठ ने इस संबंध में पटना उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई के बाद यह आदेश पारित किया। पीठ ने पिछले साल 13 दिसंबर 2024 को आयोजित की गई 70वीं संयुक्त प्रतियोगी प्रारंभिक परीक्षा के दौरान बड़े पैमाने पर कदाचार का आरोप लगाते हुए 25 अप्रैल 2025 को होने वाली इसकी मुख्य परीक्षा रद्द करने की मांग वाली याचिकाएं खारिज कर दीं। पीठ ने सभी अभ्यार्थियों के लिए फिर से परीक्षा आयोजित करवाने को उचित ठहराने के लिए निर्णायक सबूतों की कमी का हवाला देते हुए यह आदेश पारित किया। अदालत ने सभी संबंधित पक्षों की दलीलें सुनने के बाद यह आदेश पारित किया

पटना उच्च न्यायालय ने परीक्षा रद्द करने से इनकार करने वाले अपने फैसले में कहा था कि कई परीक्षा केंद्रों में अनियमितताओं के कोई निर्णायक सबूत नहीं मिले। इस वजह से बीपीएससी को मुख्य परीक्षा आयोजित करने की अनुमति दी गई। शीर्ष अदालत के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना की अगुवाई वाली पीठ ने 13 दिसंबर, 2024 को आयोजित बीपीएससी परीक्षा में कथित अनियमितताओं और उसके बाद प्रदर्शनकारी उम्मीदवारों पर पुलिस कार्रवाई के संबंध में एक अलग याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया था। तब अदालत ने याचिकाकर्ताओं को पटना उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाने को कहा था। प्रारंभिक परीक्षा में बड़े पैमाने पर अनियमितता के आरोपों के बाद बढ़ते विवाद के दौरान बीपीएससी ने चार जनवरी 2025 को पटना के 22 केंद्रों पर चुनिंदा अभ्यार्थियों के लिए प्रारंभिक परीक्षा फिर से आयोजित की थी। पुनः आयोजित परीक्षा के लिए पात्र 12,012 उम्मीदवारों में से 8,111 ने अपने परीक्षा प्रवेश पत्र डाउनलोड किए और 5,943 उम्मीदवार परीक्षा में शामिल हुए।

अब्दुल करीम ने मोदी से भेंट कर की पहलगाम आतंकी हमले की कड़ी निंदा

नई दिल्ली, एजेंसी। मुस्लिम वर्ल्ड लीग के महासचिव शेख डॉ. मोहम्मद बिन अब्दुलकरीम अल-इसा ने जेद्दा में मंगलवार की रात प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की। उन्होंने जम्मू-कश्मीर में हुए भीषण आतंकी हमले की कड़ी निंदा की और निर्दोष लोगों के मारे जाने पर गहरी संवेदना व्यक्त की। विदेश मंत्रालय ने बुधवार को यहां बताया कि इस मुलाकात के दौरान प्रधानमंत्री ने जुलाई 2023 में नई दिल्ली में महासचिव के साथ अपनी बैठक को याद किया। उन्होंने सहिष्णु मूल्यों को बढ़ावा देने, संयम की वकालत करने और सामाजिक सामंजस्य और सद्भाव को आगे बढ़ाने में मुस्लिम वर्ल्ड लीग की भूमिका की सराहना की। वसुधैव कुटुम्बकम के भारत के सदियों पुराने दर्शन को याद करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत एक बहु-सांस्कृतिक, बहुभाषी, बहु-जातीय और बहु-धार्मिक समाज के रूप में विविधता में एकता के भाव को आत्मसात किये हुए है। भारत की अविश्वसनीय विविधता एक मूल्यवान शक्ति है जिसने अपने जीवंत समाज और राजनीति को आकार दिया है। उन्होंने चरमपंथ, आतंकवाद और हिंसा के खिलाफ मुस्लिम वर्ल्ड लीग के दृढ़ रुख की सराहना की। प्रधानमंत्री ने रेखांकित किया कि भारत सऊदी अरब के साथ अपने संबंधों को बहुत महत्व देता है, जो आज कई क्षेत्रों में एक स्थायी साझीदारी के रूप में विकसित हुआ है। घनिष्ठ सामाजिक-सांस्कृतिक संबंध इस साझीदारी का एक महत्वपूर्ण पहलू हैं।

बिहार के बूथ स्तरीय चुनाव अधिकारियों के तीसरे बैच का प्रशिक्षण शुरू

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत निर्वाचन आयोग ने लोकतंत्र को मजबूत करने और चुनाव प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, निष्पक्ष और सटीक बनाने के उद्देश्य से दिल्ली के इंडिया इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डेमोक्रेसी एंड इलेक्शन मैनेजमेंट (आईआईआईडीईएम) में बिहार के चुनावी कार्यकर्ताओं के लिए दो दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम की शुरुआत की है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में 229 बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ), 12 इलेक्टोरल रजिस्ट्रेशन ऑफिसर (ईआरओ) और दो डिस्ट्रिक्ट इलेक्टोरल ऑफिसर (डीईओ) भाग ले रहे हैं।

बिहार से आने वाला यह बीएलओ का तीसरा बैच है, जो विधानसभा स्तर के मास्टर ट्रेनर्स (ALMT) के रूप में आगे चलकर पूरे राज्य के बीएलओ नेटवर्क को प्रशिक्षित करने में सहायक सिद्ध होंगे। इस कार्यक्रम का उद्घाटन भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने किया, जबकि चुनाव आयुक्त डॉ. विवेक जोशी भी इस अवसर पर उपस्थित रहे। दोनों शीर्ष अधिकारियों ने प्रतिभागियों से संवाद कर उनके अनुभवों और सुझावों को सुना और भविष्य के चुनाव प्रबंधन में उनकी भूमिका को लेकर मार्गदर्शन भी दिया।

पहलगाम हमले में जान गंवाने वाले नागरिकों को श्रद्धांजलि

संवाददाता द्वारा

रांची सेंट जेवियर्स कॉलेज, रांची ने NSS के सहयोग से 22 अप्रैल 2025 को पहलगाम हमले में जान गंवाने वाले नागरिकों को श्रद्धांजलि देने के लिए कैंडल मार्च का आयोजन किया। इस दिन, TRF से जुड़े चार से छह आतंकवादियों ने पहलगाम के पास बैसरन घाटी में पर्यटकों के एक समूह पर गोलीबारी की। हमलावर सैन्य शैली की वर्दी पहने हुए थे, जो पास के जंगलों से निकले और जम्मू-कश्मीर के नागरिकों को करीब से निशाना बनाया। कम से कम 28 लोग मारे गए, जिनमें 24 भारतीय नागरिक और नेपाल और यूएई के चार विदेशी नागरिक शामिल थे। 20 से अधिक अन्य घायल हो गए।

आज का कैंडल मार्च नागरिकों और पर्यटकों को श्रद्धांजलि देने और आतंकवाद से लड़ने के लिए भारत की प्रतिबद्धता की पुष्टि करने के लिए आयोजित किया गया है। पहलगाम हमला राष्ट्रीय सुरक्षा की कीमत और आतंकवाद के खिलाफ चल रहे संघर्ष की एक दर्दनाक याद दिलाता है। यह सुनिश्चित करने के लिए भारत के संकल्प को भी मजबूत करता है कि ऐसी त्रासदियाँ दोबारा न हों। कैंडल मार्च में कुल 250 लोगों ने हिस्सा लिया, जिसमें 150 एनसीसी कैडेट और 100 एनएसएस कैडेट शामिल थे। इस भागीदारी ने आतंकवाद के खिलाफ लड़ने के लिए सभी नागरिकों, खासकर युवाओं की एकता को दर्शाया।

अंत में एएनओ लेफ्टिनेंट डॉ. प्रिया श्रीवास्तव मैडम ने संबोधित किया और हमें इस कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी, जिसने सभी कैडेटों को प्रेरित किया। उनके मार्गदर्शन में कार्यक्रम सफल रहा।

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा निर्दोष पर्यटकों पर किए गए कायराना हमले से पूरा देश मर्माहत है। हम सभी मृतकों को अपनी भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं एवं घायलों के शीघ्र स्वास्थ लाभ की कामना करते हैं। साथ ही सभी देशवासी सरकार से ये माँग करते हैं कि दोषियों पर सखत से सखत और अतिशीघ्र कार्यवाही होनी चाहिये।

इस शांति मार्च द्वारा हम सभी एन सी सी और एन एस एस के छात्र ये संदेश देना चाहते है कि हम सभी एकजुट है और देश की अखंडता और एकता को अक्षुण्ण रखने के लिए समर्पित हैं।

दिल्ली के मुखर्जी नगर में इन्दिरा आईवीएफ के फर्टिलिटी क्लिनिक का शुभारंभ

नई दिल्ली, (आरएनएस)। इन्दिरा आईवीएफ ने उत्तरी दिल्ली के मुखर्जी नगर में अपने नए फर्टिलिटी क्लिनिक का उद्घाटन किया है, जिससे राजधानी में ग्रुप की उपस्थिति अधिक मजबूत हुई है। यह नया सेंटर ग्राउंड फ्लोर, शांतिस्वरूप त्यागी मार्ग, बीपी कॉलोनी, निरंकारी कॉलोनी, मॉडल टाउन, धीरपुर, मुखर्जी नगर, दिल्ली में स्थित है। इसका उद्देश्य स्थानीय लोगों और दम्पतियों को समय पर डायग्नोज और वैज्ञानिक इलाज के जरिए रिप्रोडक्टिव केयर उपलब्ध करवाना है।

उद्घाटन के अवसर पर इन्दिरा आईवीएफ के जोनल बिजनेस डायरेक्टर और पटेल नगर नई दिल्ली सेंटर हेड डॉ. अरविंद वैद तथा मुखर्जी नगर सेंटर हेड डॉ. रोमा उपस्थित रहे। इन्दिरा आईवीएफ के कॉ-फाउण्डर और मैनेजिंग डायरेक्टर नितिज मुर्डिया ने कहा कि दिल्ली विभिन्न समुदायों और विविधताओं से भरा शहर है, जहां हर इलाके की स्वास्थ्य संबंधी आवश्यकताएं अलग होती हैं। मुखर्जी नगर में नया सेंटर शुरू करने से हमें उत्तरी दिल्ली में बढ़ती मांग को पूरा करने में मदद मिलेगी। हम यहां ऐसी फर्टिलिटी सेवाएं प्रदान करना चाहते हैं जो जरूरतमंद की पहुंच में हो और आज के तेजी से बदलती हेल्थकेयर आवश्यकताओं के अनुसार हो। इन्दिरा आईवीएफ के जोनल बिजनेस डायरेक्टर और पटेल नगर नई दिल्ली सेंटर हेड डॉ. अरविंद वैद ने कहा कि फर्टिलिटी केयर के क्षेत्र में जागरूकता की कमी एक बड़ी चुनौती है। कई बार लोग सामाजिक झिझक या गलत जानकारी की वजह से एक्सपर्ट डॉक्टर से बात करने में देरी करते हैं। यह नया सेंटर लोगों को समय पर सलाह और इलाज लेने के लिए प्रेरित करेगा।मुखर्जी नगर सेंटर हेड डॉ. रोमा ने कहा कि हमारे पास आने वाले कई मरीजों को यह पता नहीं होता है कि जीवनशैली, उम्र और पहले से मौजूद स्वास्थ्य समस्याएं भी फर्टिलिटी क्षमता को प्रभावित कर सकती हैं। हमारा लक्ष्य सिर्फ इलाज नहीं, बल्कि सही समय पर सही जानकारी देना भी है ताकि लोग अपने रिप्रोडक्टिव हेल्थ को बेहतर तरीके से समझकर प्लान कर सकें। देशभर में 150 से अधिक क्लीनिक्स के साथ इन्दिरा आईवीएफ का यह नया सेंटर उत्तर दिल्ली के तेजी से बढ़ते इलाके में एक्सपर्ट रिप्रोडक्टिव केयर को सुलभ बनाएगा। इसके ज़रिए इन्दिरा आईवीएफ लोगों में फर्टिलिटी को लेकर जागरूकता बढ़ाने और समय पर इलाज उपलब्ध कराने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम बढ़ा रहा है।

गांधीनगर अस्पताल, सीसीएल में हृदय रोग संबंधी निःशुल्क चिकित्सीय शिविर का आयोजन

संवाददाता द्वारा

राँची सीसीएल के केन्द्रीय अस्पताल, गांधीनगर, में शनिवार, दिनांक 26/04/2025 को प्रातः 9 बजे से निःशुल्क हृदय रोग संबंधी चिकित्सीय शिविर (कार्डियक क्लिनिक) का आयोजन किया जा रहा है। इस चिकित्सीय शिविर में मैक्स अस्पताल, नई दिल्ली के प्रसिद्ध चिकित्सक डॉ. राजीव राठी (सीनियर इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजिस्ट) हृदय रोग से ग्रसित मरीजों का जाँच करेंगे एवं चिकित्सीय सलाह देंगे। हृदय रोग से ग्रसित सभी मरीज इस निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का लाभ उठा सकते हैं। मरीज के पास यदि पुराने ईलाज की रिर्पोट/जाँच के पेपर हों तो उसे अवश्य अपने साथ लाये।

सीएमडी, सीसीएल, श्री निलेन्दु कुमार सिंह के मार्गनिर्देशन में सीसीएल ने अपने कर्मियों के साथ-साथ समाज के हर वर्ग के लिए चिकित्सा सेवा मुहैया कराने के लिए कृतसंकल्पित है। इसके लिए सीसीएल द्वारा नियमित तौर पर देश के ख्याति प्राप्त विशेषज्ञ चिकित्सकों को आमंत्रित कर विभिन्न बीमारियों से संबंधित स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जाता है। शिविर का उद्देश्य है कि जरूरतमंद परिवारों को गंभीर बीमारी के अत्याधुनिक ईलाज की सुविधा उनके घर के निकट ही प्राप्त हो सके तथा इससे अधिक से अधिक लोग लाभान्वित हो सके।

महिला संवाद कार्यक्रम में जीविका दीदी का उमड़ा जनसैलाब, योजनाओं को दी गई जानकारी

बुधवार को जीविका बेलहर के द्वारा ज्वाला जीविका महिला ग्राम संगठन में महिला संवाद कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिनमें बड़ी संख्या में महिलाओं की सहभागिता देखी गई। कार्यक्रम में परियोजना प्रबंधक (जीविका) बेलहर तौहीद काजमी , एरिया कॉडिनेटर जयनारायण कुमार, सीसी सूचित कुमार, एमआरपी सविता कुमारी,आशीष कुमार पंडित, बीके सुषमा कुमार उपस्थिति रहे। महिला संवाद कार्यक्रम में बेलहर परियोजना प्रबंधक तौहीद काजमी के द्वारा महिला संवाद का महत्व बताया गया , उनके द्वारा बताया गया कि संवाद के मुख्य उद्देश्य सरकार और महिला के बीच संवाद कर महिलाओं के माध्यम से उनके आकांक्षाओं का संकलन करना है द्व साथ ही साथ आवास , पेंशन योजना एवं कई अन्य योजनाओं के बारे में बताया गया तथा उनके द्वारा सभी महिलाओं से आग्रह किया आपकी जो समस्या और सुझाव है उससे हमें अवगत कराए , प्रखंड परियोजना प्रबंधक के द्वारा जीविका दीदी एवं जीविका से बाहर के दीदीयो से अपील की गई कि अपने आस पास के महिलाओं को भी प्रेरित करे जिससे वे भी अपनी समस्याओं और सुझाव से हमें अवगत कराए ताकि सभी समस्याओं का समाधान किया जा सके और जिला का विकास किया जा सके। महिला संवाद वाहन के माध्यम से महिलाओं को ऑडियो-विजुअल के ज़रिए योजनाओं की जानकारी दी गई। योजनाओं से संबंधित लीफलेट्स का वितरण भी किया गया। कार्यक्रम के दौरान 4 प्रेरणास्पद दीदियों ने अपने अनुभव साझा किए, जो विभिन्न सरकारी योजनाओं से लाभान्वित रही हैं। साथ ही महिलाओं से उनकी आकांक्षाएं और आवश्यकताएं पूछी गई, महिलाओ ने अपनी -अपनी आकांक्षाएं और आवश्यकताएं बताई , आर्थिक गतिविधि बढ़ाने के लिए बकरी पालन , गाय पालन ,और मुर्गी पालन के लिए प्रशिक्षण एवं अनुदान के मांग की ,जल का स्तर तेजी से नीचे जाते देख कर ,वर्षा का जल को कैसे रोका जाय ,और उसका उपयोग कैसे किया जाय उसके लिए प्रशिक्षण कि भी मांग की , साथ ही साथ जो महिलाए जीविका से नहीं जुडी है उन्हें एक मोबाइल एप्लिकेशन के माध्यम से डिजिटल रूप में संकलित किया गया, ताकि उन्हें आगे की योजना निर्माण में शामिल किया जा सके।

पुलिस ने थाना कांड संख्या 748 /24 के एक प्राथमिकी अभियुक्त को किया गिरफ्तार

बांका फुल्लीडुमर से कामेश्वर साह की रिपोर्ट

फुल्लीडुमर थाना की पुलिस बुधवार को गुप्त सूचना के आधार पर प्रातः कालीन गस्ती के दौरान थाना कांड संख्या 748 वर्ष 2024 के एक नामजद प्राथमिकी अभियुक्त को गिरफ्तार करने में सफलता पाई है। फुलीडूमर थाना के पुलिस पदाधिकारी से मिली प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना कांड संख्या 748 वर्ष 2024 के नामजद अभियुक्त की गिरफ्तारी हेतु थाना अध्यक्ष बबलू कुमार के नेतृत्व में एस आई मनीष कुमार सिंह के द्वारा बेलहर थाना क्षेत्र के खडौदा गांव में छापेमारी की गई। जहां छापेमारी के दौरान पुलिस ने कांड के नामजद प्राथमिकी अभियुक्त खडौदा गांव निवासी जितेंद्र कुमार उर्फ अभिजीत कुमार पिता बेचन शाह को उसके घर से गिरफ्तार कर लिया गया। वहीं थाना अध्यक्ष बबलू कुमार ने बताया कि बुधवार को गिरफ्तार व्यक्ति की सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र फुल्लीडुमर में स्वास्थ्य परीक्षण कराकर पुलिस अभीरक्षा में न्यायिक हिरासत में बांका जेल भेज दिया गया।

पहलगाम में पर्यटन यात्रियों पर वीभत्स आतंकवादी हमला अत्यंत दुःखद है, जिसकी जितनी भी निंदा एवं भर्तसना की जाये वह कम है, यह हमला न केवल मानवाता बल्कि सम्पूर्ण पर्यटन व्यवसाय पर गंभीर कुठाराघात है- राजीव अरोरा

पर्यटन एवं यात्रा व्यवसाय से सम्बन्धित सभी जिम्मेदार सदस्यों द्वारा एक शान्तिपूर्ण कैन्डल मार्च उन सभी पीड़ितों एवं मृतआत्माओं की शान्ति हेतु तथा समस्त पर्यटन व्यवसाय इस दुःख भरी परिस्थितयों में एक साथ खड़े हैं

स्थान आयोजितः ताज होटल से 1090 चौराहा

समयः ताज होटल के सामने सायं 5:45 पर एकत्रित होकर सायं 6:00 बजे 1090 चौराहा के लिए प्रस्थान

समस्त पर्यटन व्यवसायी एयर लाइन्स अधिकारी होटल समुदाय से सम्बन्धित इस कैंडल मार्च में सम्मिलित होने का आग्रह किया है, तथा सुनिश्चित किया है कि सभी लोग सहभागी बनकर एकता और एकजुटता प्रदर्शित करें।

आतंकवादी चुनौती से निपटने को सर्वदलीय बैठक बुलाए सरकार: खरगे

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पहलगाम में हुई आतंकवादी हमले को कायराना कार्रवाई करार देते हुए इसकी कड़ी निंदा की और कहा कि सरकार को आतंकवाद से निपटने की रणनीति पर विचार करने के लिए सर्वदलीय बैठक बुलानी चाहिए। कांग्रेस अध्यक्ष ने बुधवार को यहां जारी एक वक्तव्य में पहलगाम आतंकवादी हमले पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए घटना पर गहरा क्षोभ व्यक्त करते हुए कहा कि यह देश पर सीधा हमला है और इसकी जिम्मेदारी पाकिस्तानी आतंकवादी संगठन ने ली है जिसका मुंहतोड़ जवाब दिया जाना चाहिए। श्री खरगे ने कहा, सरकार से हम अपेक्षा करते हैं कि जब जरूरी कार्रवाई हो जाए और पूरी मालूमात हासिल हो गई हो तो, वह सभी राजनीतिक दलों को विश्वास में लेकर आतंकवाद की चुनौती से निपटने के बारे में चर्चा करेगी। उन्हें सर्वदलीय बैठक बुलाकर कुछ सलाह लेनी चाहिए। यह राजनीति नहीं है और हम इस स्थिति में राजनीति नहीं चाहते।

हमलावरों के साथ साथ साजिश रचने वालों को भी जल्द दिया जायेगा मुंहतोड़ जवाब: राजनाथ सिंह

नई दिल्ली, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पहलगाम की कायराना हरकत के खिलाफ देश को एकजुट बताते हुए पाकिस्तान का नाम लिए बिना कहा है कि न केवल यह हमला करने वालों बल्कि पर्दे के पीछे से भारत की धरती पर इस तरह की नापाक हरकत करने की साजिश रचने वालों को जल्द ही उचित जवाब दिया जाएगा। राजनाथ सिंह ने बुधवार को यहां वायु सेना के मार्शल अर्जन सिंह की स्मृति में एक व्याख्यान देते हुए आतंकवाद को कतई न बर्दाशत करने के भारत के दृढ़ संकल्प को दोहराया और कहा कि मोदी सरकार हर आवश्यक और उचित कदम उठाएगी। उन्होंने देशवासियों को भरोसा दिलाया पहलगाम में निर्दोष नागरिकों पर कायराना आतंकवादी हमले के लिए जिम्मेदार लोगों को जल्द ही भारतीय धरती पर उनके नापाक कृत्यों का मुंहतोड़ जवाब मिलेगा। रक्षा मंत्री ने कहा, ÷भारत एक पुरानी सभ्यता है और इतना बड़ा देश कभी भी किसी भी तरह की आतंकी गतिविधियों से भयभीत नहीं हो सकता। इस कायराना हरकत के खिलाफ हर भारतीय एकजुट है। न केवल हमला करने वालों को बल्कि पर्दे के पीछे से भारतीय धरती पर इस तरह की नापाक हरकत करने की साजिश रचने वालों को भी जल्द ही उचित जवाब मिलेगा।

सीमा पार से समर्थित आतंकवादी घटनाओं के संदर्भ में रक्षा मंत्री ने कहा, इतिहास गवाह है कि राष्ट्रों का पतन दुश्मन की कार्रवाई के कारण नहीं बल्कि उनके अपने कुकर्मों के परिणामस्वरूप हुआ है। मुझे उम्मीद है कि सीमा पार के लोग इतिहास के सबक को और करीब से देखेंगे।÷ उन्होंने आतंकी हमले में अपने प्रियजनों को खोने वाले परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा, ÷आतंकवादियों द्वारा धर्म को निशाना बनाकर किए गए कायराना हमले में हमारे देश ने कई निर्दोष नागरिकों को खो दिया है। इस अत्यंत अमानवीय कृत्य ने हमें बहुत पीड़ा में डाल दिया है। दुख की इस घड़ी में मैं दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना करता हूं। बाद में रक्षा मंत्री ने भारतीय वायु सेना के मार्शल अर्जन सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके नेतृत्व, दूरदर्शिता और समर्पण को अविश्वसनीय बताया। उन्होंने कहा, वे एक दूरदर्शी सैन्य नेता थे, जो आज भी युवाओं को प्रेरित करते हैं।

हॉकी इंडिया ने ज्ञान विनिमय सत्र के लिए ओपी जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी के छात्रों की मेजबानी की

एजेंसी

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने सोनीपत स्थित ओपी जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी के छात्रों के एक समूह का नई दिल्ली स्थित अपने मुख्यालय में एक संवाद सत्र के लिए स्वागत किया। जीतेंद्रनाथ मिश्रा (पीएच.डी., भारतीय विदेश सेवा, सेवानिवृत्त)और डिप्लोमैटिक प्रैक्टिस के प्रोफेसर के नेतृत्व में इस दौरे का उद्देश्य शासन और कूटनीति में खेलों की भूमिका के बारे में समझ को गहरा करना था। सत्र के दौरान हॉकी इंडिया के अधिकारियों ने छात्रों से संवाद किया और कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की। इनमें संघ का आंतरिक शासन, भारत की वैश्विक हॉकी में उपस्थिति, अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) के साथ संबंध, लिंग समानता के लिए समर्थन, गरीब खिलाड़ियों के लिए सहायता और भारतीय हॉकी में जमीनी स्तर पर विकास शामिल थे। इस प्रकार की पहलों के माध्यम से हॉकी इंडिया शैक्षिक कार्यक्रमों का समर्थन करता है जो समाज में खेलों की भूमिका पर चर्चा और सीखने को बढ़ावा देते हैं।

बाबा दीप सिंह बास्केटबॉल टूर्नामेंट में लेडी श्री राम कॉलेज ने की विजयी शुरुआत

नई दिल्ली। लेडी श्री राम कॉलेज और रामजस कॉलेज ने पीएसपीबी बाबा दीप सिंह बास्केटबॉल टूर्नामेंट में अपने अभियान की विजयी शुरुआत की है। महिला वर्ग में लेडी श्री राम कॉलेज ने किरोड़ी मल को 38-28 से हराया और प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड लेडी श्रीराम कॉलेज की अन्वी को मिला। रामजस कॉलेज ने हंसराज कॉलेज को 39-28 से हराया और रामजस कॉलेज की अनीका प्लेयर ऑफ द मैच बनीं। पुरुष वर्ग में हंसराज कॉलेज ने रामजस कॉलेज को 54-40 से हराया और हंसराज कॉलेज के अनुभव प्लेयर ऑफ द मैच बने। किरोड़ी मल कॉलेज ने दयाल सिंह कॉलेज को 54-51 से हराया और प्लेयर ऑफ द मैच किरोड़ी मल कॉलेज के अनस बने। श्री गुरु तेग बहादुर खालसा कॉलेज ने भारत अकादमी को 69 -63 से हराया और विजई टीम के नितिन हुडा को प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड मिला। हॉकी प्रतियोगिता के चौथे दिन पुरुष वर्ग में मैच में इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स साइंसेज ने किरोड़ी मल कॉलेज को 7-0 से हराया।इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स साइंसेज की तरफ पुलकित शर्मा ने 4 गोल और गुरमुख सिंह, भूपिंदर एवं चिरंजीव ने एक-एक गोल किए। प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट के पुलकित शर्मा को मिला।

मुजारबानी ने बंगलादेश को दूसरी पारी में 255 पर समेटा, जिम्बाब्वे को मिला 174 का लक्ष्य

सिलहट। ब्लेसिंग मुजारबानी (छह विकेट) की घातक गेंदबाजी के दम पर जिम्बाब्वे ने पहले टेस्ट मैच के चौथे दिन बंगलादेश की टीम को दूसरी पारी में 255 के स्कोर पर समेट दिया है। पहली पारी में मिली बढ़त के आधार पर जिम्बाब्वे को जीत के लिए 174 रन बनाने है। बंगलादेश ने कल के चार विकेट पर 194रन से आगे खेलना शुरु किया। सुबह के सत्र की शुरुआत में ही ब्लेसिंग मुजारबानी ने कप्तान नजमुल शान्तो (60) को आउट कर जिम्बाब्वे के लिए अच्छी शुरुआत की। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये मेहदी हसन मिराज (11) को भी मुजारबानी ने अपना शिकार बनाया। जिम्बाब्वे की घातक गेंदबाजी के आगे आज बंगलादेश ने 61 रन जोड़ कर अपने छह विकेट गवां दिये। रिचर्ड एन्गारावा ने तैजुल इस्लाम (एक) को आउट किया। हसन महमूद (12), खालिद अहमद (शून्य) को वेलिंग्टन मसाकाट्जा का शिकार बने। इस दौरान जाकेर अली एक छोर थामे रन बनाते रहे और उन्होंने अपना अर्धशतक पूरा किया। मुजारबानी ने 80वें ओवर की दूसरी गेंद पर जाकेर अली (58) को आउटकर बंगलादेश की पारी को 255 के स्कोर पर समेट दिया। जिम्बाब्वे को जीत के लिए 174 रन बनाने है।

आईपीएल ने भारत में क्रिकेट के प्रति जुनून को दी हवा

लखनऊ। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) ने क्रिकेट के दीवाने देश भारत में क्रिकेट के प्रति जुनून को हवा दी है और दीवानगी का आलम यह है कि 47 फीसदी भारतीय दर्शक स्टेडियम में जाकर लाइव मैच देखना चाहते हैं जिसके लिये शहर ही नहीं बल्कि अन्य प्रदेश अथवा विदेश यात्रा करने वालों की भी कोई कमी नहीं है। एक रिपोर्ट के अनुसार 50 फीसदी भारतीय क्रिकेट मैच के बाद शहर देखने के लिए अपनी यात्रा 3-4 दिन बढ़ाना चाहते हैं। क्रिकेट देखने के लिए यात्रा की सूची में ऑस्ट्रेलिया और भारत में सबसे ऊपर मुंबई है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि 80 फीसदी भारतीय इस सीजन में आईपीएल मैच लाइव देखना चाहते हैं। लीडिंग ग्लोबल ट्रैवल ऐप स्काईस्कैनर ने अपनी 'पिच परफेक्ट जर्नीज़' रिपोर्ट जारी की। इस रिपोर्ट के मुताबिक भारतीयों की यात्रा में क्रिकेट की अहम भूमिका रहने वाली है।

पूर्व ऑस्ट्रेलियाई ओपनर कीथ स्टैकपोल का 84 वर्ष की उम्र में निधन

एजेंसी

मेलबर्न। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई टेस्ट ओपनर कीथ स्टैकपोल का 84 वर्ष की उम्र में हार्ट अटैक से निधन हो गया है। उन्होंने अपने करियर में 43 टेस्ट मैच खेले और 7 शतक लगाए थे। स्टैकपोल ने ना सिर्फ बल्ले से बल्कि गेंद से भी टीम के लिए योगदान दिया और बाद में एक लोकप्रिय टीवी व रेडियो कमेंटेटर भी बने।

मिडिल ऑर्डर से ओपनर बनने तक का सफर

स्टैकपोल ने 1966 में इंग्लैंड के खिलाफ मिडिल ऑर्डर बल्लेबाज और लेग स्पिन गेंदबाज के रूप में टेस्ट डेब्यू किया था। लेकिन 1969 की शुरुआत में उन्हें ओपनिंग की जिम्मेदारी दी गई, जहां उन्होंने बिल लॉरी के साथ मजबूत जोड़ी बनाई। कीथ स्टैकपोल ने अपना पहला टेस्ट शतक साउथ अफ्रीका के खिलाफ केपटाउन में लगाया था, जबकि

उनका सर्वोच्च स्कोर 207 रन इंग्लैंड के खिलाफ 1970 में गाबा (ब्रिस्बेन) में आया। इंग्लैंड के खिलाफ उनका प्रदर्शन बेहद शानदार रहा–उन्होंने 55.21 की औसत से रन बनाए और तीन शतक जमाए। 1972 की एशेज सीरीज में वे इयान चैपल के उपकप्तान थे और सबसे ज्यादा 485 रन बनाए थे। इसके चलते उन्हें 1973 में विज्डन क्रिकेटर ऑफ द ईयर भी चुना गया।

अनोखे अंदाज में टेस्ट करियर का अंत

1974 में न्यूज़ीलैंड के खिलाफ ऑकलैंड में उन्होंने अपने करियर का आखिरी टेस्ट खेला, जिसमें वे दोनों पारियों में खाता भी नहीं खोल पाए। पहली ही गेंद पर फुल टॉस पर आउट होकर उन्होंने लिखा था– मैंने गेंद को सिर के पास एक गज की दूरी पर देखा और पीछे हट गया, लेकिन बैट के किनारे से लगकर गेंद स्लिप में चली गई। शायद टेस्ट क्रिकेट का पहला मौका था जब कोई बिना गेंद ज़मीन पर गिरे आउट हो गया!

पहले वनडे में भी निभाई थी भूमिका

स्टैकपोल ने 1971 में खेले गए पहले-द्द1द्दह्न वनडे मैच में भी हिस्सा लिया था, जहां उन्होंने एमसीजी में 3 विकेट लेकर 40 रन दिए थे।

संपूर्ण करियर और बाद का योगदा: स्टैकपोल ने फर्स्ट-क्लास क्रिकेट में 10,100 रन बनाए और 148 विकेट लिए। संन्यास के बाद वे टीवी और रेडियो कमेंट्री की दुनिया में एक जाना-माना नाम बन गए।

ग्लोबल इंडियन प्रवासी कबड्डी लीग: तमिल लायंस, भोजपुरी लेपर्ड्स और पंजाबी टाइगर्स की रोमांचक जीत

एजेंसी

गुरुग्राम। गुरुग्राम यूनिवर्सिटी में जारी ग्लोबल इंडियन प्रवासी कबड्डी लीग (जीआई-पीकेएल) के खेले गए पुरुष वर्ग के मुकाबलों में तमिल लायंस, भोजपुरी लेपर्ड्स और पंजाबी टाइगर्स ने शानदार जीत दर्ज की। 13 दिवसीय यह लीग पिछले सप्ताह शुरू हुई थी और इसका फाइनल मुकाबला 30 अप्रैल को आयोजित होगा। लीग के पांचवें दिन हरियाणा के वरिष्ठ भाजपा नेता भानी राम मंगला ने उपस्थिति दर्ज कर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया और बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को सम्मानित किया। दिन के पहले मुकाबले में तमिल लायंस ने मराठी वल्चर्स को कड़े मुकाबले में 41-38 से मात दी। तमिल लायंस की ओर से 23 रेड प्वाइंट और तीन सुपर टैकल किए गए, जबकि मराठी वल्चर्स ने 20 रेड प्वाइंट और चार ऑल-आउट के साथ कड़ा मुकाबला किया। अंतिम क्षणों में तमिल की रक्षात्मक मजबूती ने उन्हें तीन अंकों की रोमांचक जीत दिलाई।

दूसरे मुकाबले में भोजपुरी लेपर्ड्स ने तेलुगु पैंथर्स को 43-41 से हराया। मैच बेहद कड़ा रहा, जिसमें तेलुगु पैंथर्स ने अधिक रेड प्वाइंट (27) बटोरे, लेकिन भोजपुरी लेपर्ड्स की टैकलिंग (16 अंक) और निर्णायक ऑल-आउट ने उन्हें जीत दिलाई। दोनों टीमों ने एक-एक सुपर रेड किया, लेकिन भोजपुरी की संतुलित रणनीति ने उन्हें इस हाई-वोल्टेज मुकाबले में जीत दिलाई। दिन के अंतिम मुकाबले में पंजाबी टाइगर्स ने दमदार प्रदर्शन करते हुए हरियाणवी शार्क्स को 64-47 से शिकस्त दी।

प्रीमियर लीग: इंजरी टाइम में नून्स के गोल से मैनचेस्टर सिटी ने एस्टन विला को 2-1 से हराया

एजेंसी

मैनचेस्टर। इंग्लिश प्रीमियर लीग में रात खेले गए रोमांचक मुकाबले में मैनचेस्टर सिटी ने मातेउस नून्स के इंजरी टाइम में किए गए गोल की बदौलत एस्टन विला को 2-1 से हराकर चैंपियंस लीग की दौड़ में अपनी उम्मीदों को मजबूती दी।

अंतिम लम्हों में छिना विला का जीत का सपना

मैच ड्रॉ की ओर बढ़ रहा था जब मार्कस रैशफोर्ड के पेनल्टी गोल ने पहले हाफ में बर्नार्डो सिल्वा के शुरुआती गोल को बराबर कर दिया था। लेकिन 94वें मिनट में जेरमी डोकू के शानदार क्रॉस पर नून्स ने गोल दागते हुए सिटी को जीत दिला दी।

अंकतालिका में तीसरे स्थान पर पहुंची सिटी

इस जीत के साथ मैनचेस्टर सिटी ने दो स्थान की छलांग लगाते हुए 61 अंकों के साथ तीसरा स्थान हासिल कर लिया है। हालांकि, उनके पीछे की तीन टीमें एक-एक मैच कम खेली हैं। वहीं, एस्टन विला 57 अंकों के साथ सातवें स्थान पर कायम है और उसकी एतिहाद स्टेडियम में हार की यह लगातार 15वीं शिकस्त है।

बर्नार्डो सिल्वा ने दिलाई शुरुआती बढ़त

मैच के 7वें मिनट में उमर मर्मूश ने विला के राइट बैक मैटी कैश को छकाकर गेंद बर्नार्डो सिल्वा को दी, जिन्होंने गोलकीपर एमिली मार्टिनेज के हाथों को चीरते हुए गेंद को नेट में पहुंचा दिया।

रैशफोर्ड ने पेनल्टी से दिलाई बराबरी

विला की वापसी 18वें मिनट में हुई जब वीएआर जांच के बाद सिटी के डिफेंडर रूबेन डायस को जैकब रैम्से को पीछे से टक्कर मारने का दोषी पाया गया। इस पर मिली पेनल्टी को मार्कस रैशफोर्ड ने बड़ी सहजता से गोल में बदलते हुए स्कोर 1-1 कर दिया।

धर्मशाला में चार मई को खेले जाने वाले मैच की टिकटों की ऑनलाइन बिक्री शुरू

एजेंसी

धर्मशाला। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम धर्मशाला में होने वाले आईपीएल के तीन मैचों में से अब तक चार मई को खेले जाने वाले पहले मैच की टिकटें बिकना शुरू हुई हैं। पंजाब और लखनऊ के बीच मैच की टिकटों की ऑनलाइन बिक्री एक दिन चलने के बाद शाम तक कमिंग सून में पहुंच गई है। अब दर्शकों को टिकट खरीदने के लिए इंतजार करना पड़ रहा है।

जबकि पंजाब के दिल्ली व मुंबई के साथ होने वाले मुकाबलों के टिकट अभी तक ऑनलाईन मिलना शुरू नहीं हुए हैं। दूसरी ओर ऑफलाईन कांउटर धर्मशाला में लगाए जाने को लेकर भी कोई सहमति नहीं बन पाई हैं। ऑनलाईन डिस्ट्रिक ऐप्प में 1200 रुपए से टिकट के दाम शुरू हो रहे हें। इसके बाद बाद 1500, 3500 और 6000 रुपए से लेकर 20 हज़ार तक दाम पेवेलियन टैरेस और क्लब लॉज के टिकटों के होंगे। इसमें वेस्ट स्टैंड-तीन 1200, ईस्ट स्टैंड-एक 1500,

वेस्ट स्टैंड-दो 1500 रुपए, नॉर्थ वेस्ट स्टैंड 1500 रुपए, ईस्ट स्टैंड-दो 1500, वेस्ट स्टैंड-एक छह हज़ार, नॉर्थ-एक स्टैंड, 1500, नॉर्थ-दो स्टैंड 1500, ईस्ट स्टैंड-थ्री छह हज़ार, नार्थ पैवेलियन 3500, नॉर्थ-एक लेवल-एक व लेवल दो के दो हजार दाम रखे गए हैं। उधर, एचपीसीए सचिव अवनीश परमार ने बताया कि टिकटों की ऑनलाईन बिक्री शुरू हो गई है। ऑफलाईन टिकट कांउटर को लेकर फ्रैंचाईजी से बात की जाएगी, जिसके बाद कांउटर लगाया जाएगा।

28वीं राष्ट्रीय सीनियर एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में मप्र के पोल वोल्ट खिलाड़ी देव मीणा ने जीता स्वर्ण पदक

एजेंसी

भोपाल। दक्षिण भारतीय राज्य केरल के कोच्चि शहर में 21 से 24 अप्रैल तक आयोजित 28वें राष्ट्रीय फेडरेशन सीनियर एथलेटिक्स चैम्पियनशिप 2025 में मप्र राज्य एथलेटिक्स अकादमी के पोल वोल्ट खिलाड़ी देव मीणा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। उन्होंने प्रतियोगिता में 5.35 मी की छलांग लगाकर नया राष्ट्रीय रिकार्ड अपने नाम किया। देव ने अपना ही राष्ट्रीय रिकार्ड 5.32मी को तोड़कर 5.35 मी. की छलांग लगाते हुये नया राष्ट्रीय रिकार्ड कायम किया है। 28वें राष्ट्रीय फेडरेशन सीनियर एथलेटिक्स चैम्पियनशिप 2025 में पोल वोल्ट के मुकाबले खेले गए। इनमें मप्र के देव मीणा ने 5.35 मीटर की छलांग लगाकर स्वर्ण पदक

जीता। वहीं तमिलनाडु के एम. ग्वाथम ने 5.15 मी छलांग लगाकर रजत और तमिलनाडु के ही रीगन जी. ने 5.10 मी छलांग लगाकर कांस्य पदक अपने नाम किया।

खेल मंत्री सारंग ने बधाई

प्रदेश के खेल मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने पोल वोल्ट खिलाड़ी देव मीणा को बधाई दी है। उन्होंने देव मीणा की सराहना करते हुये बताया कि उन्होंने अपना ही राष्ट्रीय रिकार्ड तोड़कर नया राष्ट्रीय रिकार्ड बनाया है। देव प्रदेश के नये स्टार बन गये है। उन्होंने 5.35 मी की छलांग लगाकर नया राष्ट्रीय रिकार्ड बनाया है। खेल एवं युवा कल्याण संचालक राकेश गुप्ता ने भी देव को बधाई दी है। उन्होंने विभाग द्वारा उपलब्ध कराये गये प्रशिक्षक की भी सराहना की है, जिनकी देखरेख में देव के कठिन परिश्रम कर लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे है और नये रिकार्ड बना रहे हैं। ईसाइ धर्म गुरू पोप फ्रांसिस का निधन हो जाने के कारण भारत सरकार ने तीन दिवसीय राष्ट्रीय शोक घोषित किया है।

आईपीएल न खेल पाने का मलाल: क्रिकेटर मोहसिन खान

एजेंसी

मुरादाबाद। चोट की वजह से आईपीएल के मौजूदा संस्करण से बाहर हुए संभल के तेज गेंदबाज मोहसिन खान मुम्बई में सर्जरी कराकर घर लौट आए हैं। मोहसिन ने मीडिया कर्मियों से कहा कि आईपीएल न खेल पाने का मलाल तो है, लेकिन वह सिर्फ मैदान से दूर हैं। उनका दिल अब भी टीम के साथ जुड़ा हुआ है। टीम उनके लिए परिवार की तरह है।

टीम ने मुश्किल दौर में भी उनका साथ दिया है। वह रिकवर होकर उसी जोश के साथ मैदान में लौटेंगे। आईपीएल-2025 में चोटिल हुए तेज गेंदबाज मोहसिन खान ने बीते 09 अप्रैल को मुंबई में सर्जरी कराई। अब वह अपने गृह जनपद संभल लौट चुके हैं। डॉक्टरों ने उन्हें पांच महीने तक मैदान से दूर रहने और आराम करने की सलाह दी है। मोहसिन खान को आईपीएल-2025 में लखनऊ सुपर जायंट्स की ओर से खेलना था। फ्रेंचाइजी ने उन्हें चार करोड़ रुपये में रिटेन किया था। इससे पहले आईपीएल-2022 की नीलामी में मोहसिन को फ्रेंचाइजी ने 20 लाख रुपये में अपनी टीम में शामिल किया था। मोहसिन ने 2022 से 2024 तक कुल 23 मैच खेले और इसमें से कई मैचों में उन्होंने मैच जिताऊ प्रदर्शन किया। इन 23 मैचों में उन्होंने कुल 27 विकेट अपने नाम किए। मोहसिन खान के इस शानदार प्रदर्शन पर फ्रेंचाइजी ने इस वर्ष मेगा नीलामी में उन्हें चार करोड़ रुपये में रिटेन किया था।

ओल्मो के गोल से बार्सिलोना ने मल्लोर्का को हराया

एजेंसी

बार्सिलोना। बार्सिलोना ने ला लीगा खिताब की ओर एक और मजबूत कदम बढ़ाते हुए मंगलवार देर रात मल्लोर्का को 1-0 से हराया। इस जीत के साथ ही शीर्ष पर काबिज बार्सिलोना ने दूसरे स्थान पर मौजूद रियल मैड्रिड पर अपनी बढ़त सात अंकों की कर ली है।

ओल्मो ने दिलाई अहम जीत, रियल पर दबाव

स्पेन के इंटरनेशनल डानी ओल्मो के गोल ने बार्सिलोना को जीत दिलाई और मौजूदा चैंपियन रियल मैड्रिड पर दबाव बढ़ा दिया। रियल का अगला मुकाबला बुधवार को गेटाफे के खिलाफ है। हांसी फ्लिक की टीम अब संभावित 'क्वाड्रपल' (चार खिताब) की ओर देख रही है।

कई स्टार प्लेयर्स को मिला आराम, फाती को मिला पहला स्टार्ट: होने वाले कोपा डेल रे फाइनल से पहले कोच फ्लिक ने कई प्रमुख खिलाड़ियों को आराम दिया। अक्टूबर के बाद पहली बार अंसु

फाती को शुरुआत करने का मौका मिला। वहीं हेक्तर फोर्ट को डिफेंस के बाएं ओर और फेरान टोरेस को चोटिल लेवांडोव्स्की की जगह आक्रमण में उतारा गया।

पहले हाफ में कई मौके, लेकिन गोल नहीं

बार्सिलोना ने पहले हाफ में एक के बाद एक मौके बनाए, लेकिन गोल नहीं हो सका। गावी का शॉट पोस्ट से टकराया, वहीं टोरेस और फाती ने आसान मौके गंवाए। युवा खिलाड़ी लामिन यामाल और फोर्ट के प्रयासों को भी मल्लोर्का के गोलकीपर लियो रोमान ने शानदार तरीके से रोका।

दूसरे हाफ में ओल्मो ने तोड़ी खामोशी

दूसरे हाफ की शुरुआत में बार्सिलोना ने पासिंग मूव से खेलते हुए ओल्मो के जरिए बढ़त हासिल की। इसके बाद फाती और यामाल ने बढ़त दोगुनी करने की कोशिश की, लेकिन रोमान की जबरदस्त गोलकीपिंग के आगे बार्सिलोना को एक और गोल नहीं मिल सका।

रोमान की शानदार वापसी, लेकिन टीम को नहीं मिला पॉइंट

यह 2025 में मल्लोर्का के लिए रोमान का पहला लीग मैच था और उन्होंने 10 शानदार सेव किए। उन्होंने यामाल, एरिक गार्सिया और लोपेज़ के प्रयासों को रोका। स्टॉपेज टाइम में अब्दोन प्रात्स पर गार्सिया की टक्कर पर मल्लोर्का ने पेनल्टी की मांग की, लेकिन रेफरी ने खारिज कर दिया।

अब 'एल क्लासिको' पर टिकी निगाहें

बार्सिलोना के पास अब लीग में पांच मुकाबले बचे हैं, जिनमें 11 मई को रियल मैड्रिड के खिलाफ एल क्लासिको सबसे अहम होगा। इस मुकाबले से खिताब की तस्वीर और साफ हो सकती है।

आईपीएल मैचों में वाहन पार्किंग की समस्या से मीडियाकर्मी भी परेशान

लखनऊ । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के लखनऊ में हो रहे मुकाबलों में उत्तर प्रदेश क्रिकेट संघ (यूपीसीए) और पुलिस प्रशासन के बीच तालमेल के अभाव में पार्किंग की समस्या विकराल हो रही है और इससे मैच कवर करने वाले मीडियाकर्मी भी खासे परेशान हैं। लखनऊ के इकाना स्टेडियम में सात मैचों में से चार मुकाबले खेले जा चुके हैं जबकि दिल्ली और लखनऊ के बीच मैच मंगलवार को खेला गया। इसके बाद भी यहां दो और मैच खेले जाने हैं। इन मैचों को देखने को अपने निजी वाहनो से आने वाले दर्शकों को पार्किंग के लिये निर्धारित स्थान से खासी दूरी तय कर स्टेडियम तक आना पड़ रहा है जबकि इससे पहले जगह जगह डायवर्जन के कारण पार्किंग स्थल तक पहुंचने में दो से चार किमी तक की दूरी भीड़ के बीच रेंग रेंग कर तय करनी पड़ रही है।

आईपीएल 2025: दिल्ली कैपिटल्स ने लखनऊ सुपरजायंट्स को 8 विकेट से हराया

एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ के इकाना स्टेडियम में खेले गए इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के 40वें मैच में दिल्ली कैपिटल्स ने केएल राहुल और अभिषेक पोरेल के अर्धशतकों की मदद से लखनऊ सुपरजायंट्स को 8 विकेट से हरा दिया है।लखनऊ ने एडेन मार्करम के अर्धशतक के दम पर 20 ओवर में छह विकेट पर 159 रन बनाए, जवाब में दिल्ली ने 17.5 ओवर में दो विकेट पर 161 रन बनाकर मैच जीत लिया। दिल्ली के लिए राहुल ने 42 गेंदों पर तीन चौकों और तीन छक्कों की मदद से नाबाद 57 रन बनाए, जबकि पोरेल ने 36 गेंदों पर पांच चौकों और एक छक्के की मदद से 51 रन की पारी खेली। वहीं, कप्तान अक्षर पटेल ने 20 गेंदों पर 34 रन की दमदार पारी खेली। जबकि कुरुण नायर सिर्फ 15 रन का योगदान दे सके। लखनऊ सुपरजायंट्स के लिए दोनों

सफलताएं एडन मार्करम को मिले। इससे पहले, लखनऊ ने बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवरों में 6 विकेट के नुकसान पर 159 रन बनाए। लखनऊ के लिए एडन मारक्रम ने 52 रन और मिचेश मार्श ने 45 रन की पारी खेली। इनके अलावा, आयुष बडोनी ने 36 और डेविड मिलर ने 14 रन बनाए। शेष कोई बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा नहीं छू सका। जबकि कप्तान ऋषभ पंत एक बार फिर बल्ले से विफल रहे और बिना कोई खाता खोले पवेलियन लौटे।

दिल्ली कैपिटल्स की ओर से मुकेश कुमार ने सबसे अधिक 4 विकेट अपने नाम किए। जबकि दुष्मथ चमीरा और मिशेल स्टार्क को एक-एक सफलता मिली।

ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले अजमीना ने पिता को किया याद, बोलीं- पापा के लिए खेल रही हूं

एजेंसी

पर्थ। भारतीय महिला हॉकी टीम की युवा मिडफील्डर अजमीना कुजुर जल्द ही सीनियर टीम में डेब्यू करने जा रही हैं। उन्हें ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली पांच मैचों की सीरीज के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है। 23 वर्षीय अजमीना ने इस मौके पर अपने पिता को याद करते हुए कहा कि वह अब अपने पिता के सपने को पूरा करने के लिए खेल रही हैं और यही उनकी सबसे बड़ी प्रेरणा है।भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच यह पांच मैचों की सीरीज 26 अप्रैल से पर्थ हॉकी स्टेडियम में शुरू होगी। इसमें भारत दो मुकाबले ऑस्ट्रेलिया 'ए' के खिलाफ और तीन मुकाबले ऑस्ट्रेलिया की सीनियर टीम के खिलाफ खेलेगा। इस दौरे के लिए अजमीना को सीनियर टीम में मौका मिला है और वे इस मौके को पूरी तरह भुनाने के लिए तैयार हैं। ऑस्ट्रेलिया पहुंचने के बाद अजमीना ने एक बयान में कहा, मैं आभारी हूं कि मुझे अब टीम में शामिल किया गया है। दो साल पहले कैंप में थी लेकिन टीम में नहीं आ पाई थी। अब जब मौका मिला है तो अपना 100 प्रतिशत दूंगी।

हालांकि, अजमीना पहली बार भारतीय सीनियर टीम के लिए फील्ड हॉकी खेलने जा रही हैं, लेकिन अंतरराष्ट्रीय मंच का अनुभव उनके पास पहले से है। 2024 में एफआईएच महिला

हॉकी5एस वर्ल्ड कप में उन्होंने भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व किया था। उस टूर्नामेंट में भारत उपविजेता रहा था। अजमीना ने शानदार प्रदर्शन करते हुए तीन गोल किए थे। अजमीना ने बताया, हॉकी5एस वर्ल्ड कप में अमेरिका को हराना सबसे खास लम्हा था। इससे हमारा आत्मविश्वास बहुत बढ़ा, क्योंकि अमेरिका ने इससे पहले ओलंपिक क्वालिफायर में हमारी सीनियर टीम को हराया था। उस जीत से ऐसा लगा कि हमने सीनियर टीम का सम्मान वापस दिलाया।

ओडिशा के सुंदरगढ़ जिले से ताल्लुक रखने वाली अजमीना 11 साल की उम्र से हॉकी खेल रही हैं। उन्होंने बताया कि उनके पिता और भाई हॉकी खेलते थे। इसी से उनका भी खेल की तरफ रुझान बढ़ा। हालांकि, कोविड-19 महामारी के दौरान 2021 में उनके पिता का निधन हो गया था। अजमीना ने भावुक होते हुए कहा, अब मैं अपने पापा के लिए खेल रही हूं। उन्हें गर्व महसूस कराने के लिए। यही मेरी सबसे बड़ी प्रेरणा है। अजमीना इस सीरीज में अपने प्रदर्शन से टीम में अपनी जगह पक्की करना चाहती हैं। उन्होंने कहा, मैं अपनी फिटनेस और मिडफील्ड में पासिंग पर खास ध्यान दे रही हूं। इस दौरे पर हर मौके को भुनाना है ताकि एफआईएच हॉकी प्रो लीग में भी टीम का हिस्सा बन सकूं।

फ्लिपकार्ट आईपीओ से पहले अपना मुख्यालय सिंगापुर से भारत में करेगा स्थानांतरित

एजेंसी

नई दिल्ली। वॉलमार्ट के स्वामित्व वाली ई-कॉमर्स कंपनी फ्लिपकार्ट भारत में घर वापसी की तैयारी कर रही है। देश की प्रमुख ई-कॉमर्स कंपनियों में से एक फ्लिपकार्ट कई सालों तक सिंगापुर में परिचालन करने के बाद अब अपना मुख्यालय सिंगापुर से वापस भारत ला रही है। क्योंकि वह अगले साल भारतीय शेयर बाजार में आईपीओ लाने की तैयारी कर रही है। फ्लिपकार्ट ने एक बयान में कहा कि वह अपना मुख्यालय सिंगापुर से भारत में स्थापित करेगी। इस कदम को देश में संभावित सार्वजनिक सूचीबद्धता की दिशा में एक कदम के रूप में देखा जा सकता है। इसकी मूल कंपनी वॉलमार्ट 17 साल पुरानी कंपनी को सार्वजनिक करने का लक्ष्य बना रही है। वर्तमान में फ्लिपकार्ट का मुख्यालय सिंगापुर में स्थित है। कंपनी ने कहा कि भारत में जन्मी और विकास करने वाली कंपनी के रूप में यह बदलाव हमारे ग्राहकों, विक्रेताओं, भागीदारों और समुदायों की सेवा करने में हमारे ध्यान और तत्परता को और बढ़ाएगा, ताकि देश की बढ़ती डिजिटल अर्थव्यवस्था और उद्यमिता में योगदान जारी रखा जा सके। अब भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था मजबूत हो रही है और घरेलू तकनीकी फॉर्म में निवेशकों के दिलचस्पी बढ़ रही है, जिसके कारण फ्लिपकार्ट ने भारत वापस लौटने का फैसला किया है।

वित्त मंत्री सीतारमण की सैन फ्रांसिस्को में कारोबारी दिग्गजों से मुलाकात, निवेश व तकनीकी सहयोग पर चर्चा

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को सैन फ्रांसिस्को में कई वरिष्ठ कारोबारी नेताओं, अधिकारियों और व्यापार जगत के दिग्गजों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डिजिटल इंडिया, निवेश और शिक्षा में भारत-अमेरिका सहयोग के अवसरों पर चर्चा की। इसके अलावा उन्होंने स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी के हूवर इंस्टीट्यूशन में 'विकसित भारत 2047 की नींव' विषय पर मुख्य भाषण दिया। इस दौरान उन्होंने प्रोफेसर स्टीव डेविस के साथ एक फायरसाइड चैट में हिस्सा लिया। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण इन दिनों अमेरिका और पेरू की 11 दिनों की आधिकारिक दौरे पर हैं। दौरे की शुरुआत में उन्होंने कैलिफोर्निया के इस शहर में भारतीय प्रवासी समुदाय के साथ बातचीत की। सोमवार को उन्होंने कई बिजनेस लीडर्स और कॉरपोरेट एक्जीक्यूटिव्स से मुलाकात की। इस दौरान वित्त मंत्री ने सिलिकॉन वैली की वेंचर कैपिटल फर्म a165 के जनरल पार्टनर अंजनेय मिधा और टेक्नोलॉजी कंपनी VMware के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) रघु रघुराम से मुलाकात की। वित्त मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर दी गई जानकारी में बताया कि बैठक के दौरान वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में तकनीक के क्षेत्र में हो रहे अभूतपूर्व परिवर्तन पर चर्चा की।

सोनीपत की मंडियों में तीन लाख 28 हजार 403 टन गेहूं की आवक

सोनीपत। हरियाणा में सोनीपत में सांय तक जिला की विभिन्न 24 मंडियों व खरीद केंद्रों में तीन लाख 28 हजार 403 टन गेहूं की आवक हो चुकी है। यह जानकारी उपायुक्त मनोज कुमार ने दी। उन्होंने बताया कि कुल आवक में से खाद्य एवं आपूर्ति विभाग ने एक लाख चार हजार 251 टन, हैफेड एक लाख 36 हजार 259 टन, हरियाणा वेयर हाउसिंग 68 हजार 710 टन और फूड कार्पोरेशन आफ इंडिया (एफसीआई) द्वारा दस हजार 782 टन गेहूं एवं आमजन के द्वारा (कमर्शियल गेहूं) 8401 टन गेहूं की खरीद की गई है। इसी प्रकार बरोदा खरीद केन्द्र पर 2680 टन, भैंसवाल 3750 टन, बिचपड़ी 1055 टन, दातौली 4846 टन, फरमाणा 7594 टन, गन्नौर 29585 टन, गोहाना 116276 टन, हुल्लाहेड़ी 1208 टन, कासंडी 5110 टन, कथूरा 7095 टन, खानपुर 7577 टन, खरखौदा मण्डी में 46340 टन, मोहाना 9574 टन, मुण्डलाना 6705 टन, मुरथल खरीद केन्द्र पर 8403 टन, नाहरा 6290 टन, पुगथला 9000 टन, पुरखास 6970 टन, रूखी खरीद केन्द्र पर 8750 टन, सनपेड़ा 9074 टन तथा सोनीपत 29432 टन गेहूं की आवक हुई है।

आईएमएफ ने घटाया भारत का विकास अनुमान

नयी दिल्ली । अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने कहा कि वैश्विक अनिश्चितता और व्यापार तनाव के कारण चालू वित्त वर्ष के लिए भारत की जीडीपी वृद्धि दर जनवरी में अनुमानित 6.5 प्रतिशत की तुलना में कम होकर 6.2 प्रतिशत रहने की उम्मीद है। विश्व आर्थिक परिदृश्य के अपने दूसरे अपडेट में, आईएमएफ ने कहा कि बढ़ते व्यापार संघर्ष का वित्त वर्ष 27 की विकास संभावनाओं पर भी असर पड़ सकता है, जिसमें भारत की वृद्धि दर पहले अनुमानित 6.5 प्रतिशत की तुलना में 6.3 प्रतिशत रहने का अनुमान है। आईएमएफ ने कहा, भारत के लिए, 2025 में विकास की संभावना अपेक्षाकृत अधिक स्थिर है, जो निजी खपत, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में, द्वारा समर्थित है, लेकिन यह दर जनवरी 2025 के डब्ल्यूईओ अपडेट की तुलना में 0.3 प्रतिशत कम है, जो व्यापार तनाव और वैश्विक अनिश्चितता के उच्च स्तर के कारण है। आईएमएफ का संशोधन इस महीने की शुरुआत में विश्व व्यापार संगठन और यूएनसीटीएडी द्वारा इसी तरह की डाउनग्रेडिंग के बाद आया है। भारतीय रिजर्व बैंक ने भी अप्रैल में अपने नीतिगत दृष्टिकोण में फरवरी में अनुमानित 6.7 प्रतिशत से वृद्धि पूर्वानुमान को घटाकर 6.5 प्रतिशत कर दिया है।

श्रीनगर जाने वाली फ्लाइट्स के किराये पर सरकार की नजर, एयरलाइन कंपनियों को सख्त निर्देश

एजेंसी

नई दिल्ली। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने एयरलाइन कंपनियों को यह सुनिश्चित करने को कहा है कि श्रीनगर मार्ग पर हवाई किराये में कोई वृद्धि न हो। मंत्रालय ने कहा कि श्रीनगर के लिए अतिरिक्त उड़ानें भी संचालित की जाएंगी।

नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने आज जारी बयान में कहा कि केंद्रीय नागर विमाननमंत्री राममोहन नायडू ने कश्मीर में हुए आतंकवादी हमले के मद्देनजर प्रभावित पर्यटकों और पीड़ितों की सुरक्षा और कल्याण सुनिश्चित करने के लिए त्वरित कदम उठाए हैं। नागर विमानन मंत्री ने व्यक्तिगत रूप से गृहमंत्री से बात की और संबंधित अधिकारियों के साथ निकट समन्वय बनाए रखते हुए चौबीस घंटे स्थिति की निगरानी कर रहे हैं। राम राममोहन नायडू ने तत्काल राहत उपायों के रूप में श्रीनगर से 4 विशेष उड़ानें जिसमें दो

दिल्ली और दो मुंबई के लिए व्यवस्था की गई है। साथ ही इसके बाद की निकासी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अतिरिक्त उड़ानों को तैयार रखा गया है। उन्होंने सभी एयरलाइन ऑपरेटरों के साथ एक तत्काल बैठक बुलाते हुए किराया में बढ़ोतरी के खिलाफ सख्त निर्देश जारी करते हुए एयरलाइनों को नियमित किराया स्तर बनाए रखने को कहा गया है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि इस संवेदनशील समय के दौरान किसी भी यात्री पर बोझ न पड़े।

इसके अलावा नायडू ने सभी एयरलाइन कंपनियों को निर्देश दिया है कि वे राज्य सरकारों और स्थानीय प्राधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित करते हुए, मृतक व्यक्तियों को उनके गृह राज्यों तक पहुंचाने में पूर्ण सहयोग प्रदान करें। नागर विमानन मंत्रालय पूरी तरह सतर्क है और प्रभावित लोगों को हर संभव सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। उल्लेखनीय है कि दक्षिण कश्मीर के पहलगाम में एक प्रमुख पर्यटक स्थल पर आतंकवादियों ने हमला किया था। इस हमले में कम से कम 26 लोग मारे गए और कई अन्य घायल हो गए हैं।

मजबूती का सिक्सर, लगातार छठे दिन बढ़त के साथ बंद हुए सेंसेक्स और निफ्टी

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार लगातार छठे दिन बढ़त के साथ हरे निशान पर बंद हुआ। आज के कारोबार की शुरुआत भी मजबूती के साथ हुई थी। हालांकि, बाजार खुलते ही बिकवाली के दबाव की वजह से कुछ देर के लिए शेयर बाजार के दोनों सूचकांक लाल निशान में भी गिर गए, लेकिन थोड़ी ही देर बाद लिवाली शुरू हो जाने के कारण सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों ने दोबारा हरे निशान में अपनी जगह बना ली। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.24 प्रतिशत और निफ्टी 0.17 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए।आज दिन भर के कारोबार के दौरान एफएमसीजी, रियल्टी और पीएसयू बैंक सेक्टर के शेयरों में लगातार खरीदारी होती रही। इसी तरह मेटल, फार्मास्यूटिकल, ऑटोमोबाइल और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स इंडेक्स भी मजबूती के साथ बंद हुए। दूसरी ओर आईटी, एनर्जी, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, टेक, ऑयल एंड गैस तथा कैपिटल गुड्स सेक्टर के शेयरों में बिकवाली का दबाव बना रहा। ब्रॉडर मार्केट में भी आज आमतौर पर खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.81 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.82 प्रतिशत उछल कर आज के कारोबार का अंत किया।

आज शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में सवा लाख करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 427.24 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी सोमवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 425.85 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 1.39 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया।

एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण 15 लाख करोड़ रुपये के पार

एजेंसी

नई दिल्ली। निजी क्षेत्र के एचडीएफसी बैंक के शेयर में करीब दो फीसदी की तेजी आई, जिससे इसका बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) 15 लाख करोड़ रुपये के आंकड़े को पार कर गया है। ये उपलब्धि हासिल करने वाली यह देश की तीसरी कंपनी बन गई। एचडीएफसी बैंक के अलावा देश की दो कंपनियां ही यह उपलब्धि हासिल कर सकी हैं।

एचडीएफसी बैंक का शेयर बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) पर 1.78 फीसदी चढ़कर 1,961.90 रुपये पर बंद हुआ। दिन के कारोबार में इसका शेयर 2.23 फीसदी उछलकर 1,970.65 रुपये पर पहुंच गया था, जो इसका रिकॉर्ड उच्चतम स्तर है। इसी तरह नेशनल स?टॉक एक?सचेंज (एनएसई) पर शेयर 1.70 फीसदी बढ़कर 1,960 रुपये पर पहुंच गया। बैंक के शेयर में नौ अप्रैल से 11.12 फीसदी की तेजी आई है। इस दौरान बैंक के बाजार पूंजीकरण में 1,50,289.64 करोड़ रुपये की वृद्धि हुई है, जो 15,01,289.37 करोड़ रुपये हो

गया। उल्लेखनीय है कि अभी तक केवल रिलायंस इंडस्ट्रीज और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज ने ही 15 लाख करोड़ रुपये के बाजार पूंजीकरण को पार किया है। एचडीएफसी बैंक ने शनिवार को बताया था कि वित?त वर्ष 2024-25 की जनवरी-मार्च तिमाही में उसका समेकित शुद्ध लाभ सात फीसदी बढ़कर 18,835 करोड़ रुपये हो गया है। हालांकि, बैंक ने आवास और कॉर्पोरेट ऋण खंडों में मूल्य निर्धारण से जुड़े मुद्दों पर चिंता जताई, जिससे बैंक की ऋण वृद्धि प्रभावित हो रही है।

क्विक कॉमर्स और ई-कॉमर्स' प्लेटफॉर्म के खिलाफ खुदरा दुकानदार करेंगे देशव्यापी आंदोलन

एजेंसी

नई दिल्ली। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने 'क्विक कॉमर्स और ई-कॉमर्स के काम करने के तौर-तरीकों से देश के पारंपरिक खुदरा दुकानदारों को हो रहे नुकसान पर चिंता व्यक्त करते हुए उनके विरुद्ध देशव्यापी आंदोलन चलाने का संकल्प लिया है। कैट के बैनर तले राजधानी नई दिल्ली में कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में क्विक कॉमर्स और ई-कॉमर्स का क्रूर चेहरा विषय पर आयोजित राष्ट्रीय कॉन्क्लेव में सर्वसम्मति से यह ऐलान किया गया। कैट के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीण खंडेलवाल ने कहा कि भारत का दूसरा सबसे बड़ा रोजगार प्रदाता पारंपरिक खुदरा व्यापार, आज उन कंपनियों के निशाने पर है, जो खुलेआम कानूनों का उल्लंघन कर रही हैं। बाजार को विकृत कर रही हैं और छोटे व्यापारियों को योजनाबद्ध तरीके से बर्बाद कर रही हैं। खुदरा कारोबारियों ने क्विक कॉमर्स व ई-कॉमर्स जैसी कंपनियों के खिलाफ विरोध का बिगुल बजा दिया है। खुदरा दुकानदार क्विक कॉमर्स और ई-कॉमर्स (आईसीपीडीएफ) और ऑर्गनाइज्ड रिटेलर्स एसोसिएशन (ओरा) के साथ मिलकर विदेशी फंड से संचालित ई-कॉमर्स कंपनियों और

प्लेटफॉर्म के तौर-तरीकों के खिलाफ देशव्यापी विरोध-प्रदर्शन करेंगे, क्योंकि उनका मानना है कि ये कंपनियां खुदरा व्यापार को नुकसान पहुंचा रही हैं। कैट महामंत्री प्रवीण खंडेलवाल ने बताया कि ऑल इंडिया मोबाइल रिटेलर्स एसोसिएशन (एमरा), ऑल इंडिया कंज्यूमर प्रोडक्ट्स डिस्ट्रीब्यूटर्स फेडरेशन तथाकथित भारतीय क्विक कॉमर्स प्लेटफार्मों के खिलाफ आंदोलन करने का ऐलान किया है। कारोबारी संगठन कैट के राष्ट्रीय अध्यक्ष बी.सी. भरतिया ने कहा कि 1 मई से पूरे देश में एक निर्णायक राष्ट्रव्यापी अभियान शुरू किया जाएगा, जिसमें हर राज्य और शहर की व्यापारिक संस्थाएं हिस्सा लेंगी।

तंबाकू किसानों का पंजीकरण प्रमाणपत्र अब तीन साल के लिए होगा वैध

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने तंबाकू उत्पादकों को बड़ी राहत दी है। सरकार ने कहा कि तंबाकू किसानों का पंजीकरण प्रमाणपत्र यानी लाइसेंस अब एक साल के बजाय तीन साल के लिए वैध होगा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने जारी एक बयान में कहा कि भारत सरकार ने व्यापार करने में आसानी के लिए वर्जीनिया तम्बाकू उत्पादक के रूप में पंजीकरण प्रमाणपत्र और खलिहान के संचालन के लिए लाइसेंस को 01 साल के बजाय तीन साल के लिए नवीनीकृत करने का निर्णय लिया है, ताकि वर्जीनिया तंबाकू उत्पादक के रूप में पंजीकरण प्रमाणपत्र और खलिहान के संचालन के लिए लाइसेंस के अनिवार्य वार्षिक नवीनीकरण के बोझ को कम किया जा सके। इसका मतलब है कि पंजीकरण/लाइसेंस हर साल

नवीनीकरण की मौजूदा प्रथा के बजाय 3 साल की अवधि के लिए वैध होंगे। लाइसेंस अवधि को एक से तीन साल तक बढ़ाने से देश के लगभग 91,000 खलिहानों को कवर करने वाले 83,500 किसानों को आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा जैसे राज्यों में अपने पंजीकरण के नवीकरण में मदद मिलेगी। वर्जीनिया तंबाकू के लिए पंजीकरण और लाइसेंस आवश्यक भारत में वर्जीनिया तंबाकू को संसद के एक अधिनियम अर्थात तंबाकू बोर्ड अधिनियम, 1975 और उसके तहत अधिसूचित नियमों द्वारा विनियमित किया जा रहा है। तंबाकू बोर्ड अधिनियम, 1975 और उसके तहत अधिसूचित नियमों के अनुसार वर्जीनिया तंबाकू की खेती करने के इच्छुक प्रत्येक उत्पादक को उत्पादक के रूप में पंजीकरण प्रमाणपत्र और खलिहान के संचालन के लिए लाइसेंस प्राप्त करना होगा। तदनुसार तंबाकू बोर्ड वार्षिक आधार पर पंजीकरण/लाइसेंसिंग की सुविधा प्रदान कर रहा है।

भारत दुनिया में गैर-निर्मित तंबाकू का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक और चौथा सबसे बड़ा निर्यातक है। (2023 के दौरान मूल्य के संदर्भ में) और भारतीय राजकोष में आय अर्जित कर रहा है। वित?त वर्ष 2024-25 के दौरान तंबाकू निर्यात ने भारतीय राजकोष में 1979 मिलियन अमेरिकी डॉलर (16,728 करोड़ रुपये) का योगदान दिया है।

केंद्र ने आरबीआई के डिप्टी गवर्नर टी रबी शंकर का कार्यकाल एक साल के लिए बढ़ाया

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के डिप्टी गवर्नर टी. रबी शंकर का कार्यकाल एक साल के लिए बढ़ा दिया है। सरकार ने दूसरी बार उन्हें एक साल का और सेवा विस्तार दिया है, जो 3 मई से प्रभावी होगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता वाली मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति (एसीसी) ने विस्तारित अवधि के लिए टी. रबी शंकर की पुनर्नियुक्ति को मंजूरी दे दी है। एसीसी ने 3 मई से एक साल या अगले आदेश तक उनकी फिर से नियुक्ति को अपनी मंजूरी दे दी है। इस सम्बन्ध में 21 अप्रैल को एक सरकारी आदेश जारी किया गया है।

टी. रबी शंकर को मई, 2021 में तीन साल की अवधि के लिए आरबीआई के डिप्टी गवर्नर के रूप में नियुक्त किया गया था। उन्होंने केंद्रीय बैंक में विभिन्न पदों पर काम किया है। शंकर कार्यकारी निदेशक की अपनी पिछली भूमिका में आरबीआई में भुगतान और निपटान प्रणाली विभाग, सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, फिनटेक और जोखिम निगरानी विभाग की देख-रेख कर रहे थे। उन्होंने इससे पहले सरकारी बॉन्ड बाजारों और ऋण प्रबंधन के विकास के लिए आईएमएफ सलाहकार (2005-11) के रूप में भी काम किया है। अब एक साल मई, 2026 तक के लिए उनका कार्यकाल बढ़ा दिया गया है।

कोयला मंत्रालय ने आरएसआर मोड के जरिए सतत कोयला परिवहन पर हितधारक परामर्श बैठक आयोजित की

एजेंसी

नई दिल्ली। कोयला मंत्रालय ने नई दिल्ली में रेल-समुद्र-रेल (आरएसआर) मोड के जरिए सतत कोयला परिवहन के अवसरों की खोज विषय पर एक हितधारक परामर्श बैठक आयोजित किया। इस परामर्श बैठक का उद्देश्य कोयला लॉजिस्टिक्स मूल्य श्रृंखला में प्रमुख भागीदारों के बीच आम सहमति और तालमेल बनाना था, ताकि अधिक कुशल, लचीले और सतत भविष्य के लिए बहुअयामी परिवहन को बढ़ावा दिया जा सके। कोयला मंत्रालय ने जारी बयान में कहा कि कोयला सचिव विक्रम देव दत्त ने अपने संबोधन में आरएसआर मॉडल को एक दूरदर्शी पहल बताया, जो देश के व्यापक लक्ष्यों जैसे कि रसद दक्षता को बढ़ाने, ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने और पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा देने के अनुरूप है। उन्होंने आरएसआर आवाजाही के

सफल कार्यान्वयन के लिए बुनियादी ढांचे को सुव्यवस्थित करने, संचालन को अनुकूलित करने और प्रक्रियात्मक बाधाओं को दूर करने के लिए मंत्रालयों, राज्य सरकारों, बिजली उत्पादन कंपनियों (जेनकोस), कोयला उत्पादकों, बंदरगाह अधिकारियों और रसद प्रदाताओं के बीच घनिष्ठ समन्वय का आह्वान किया। मंत्रालय के मुताबिक इस परामर्श बैठक में रेल मंत्रालय, पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय (एमओपीएसडब्लू), विद्युत मंत्रालय, राज्य सरकारों, कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल), कैप्टिव और वाणिज्यिक खनिकों, जेनकोस और पत्तन संचालकों के प्रतिनिधियों सहित विभिन्न हितधारकों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। चर्चाओं के दौरान हितधारकों ने इंटरमॉडल कनेक्टिविटी को बढ़ाने, पत्तनों पर मशीनीकृत कोयला हैंडलिंग बुनियादी ढांचे को तैनात करने, रेक उपलब्धता में सुधार करने और पत्तन शुल्क को युक्तिसंगत बनाने पर बहुमूल्य अंतर्दृष्टि और व्यावहारिक सुझाव साझा किए। बैठक में वित्त वर्ष 2030 तक रेल-समुद्र-रेल (आरएसआर) मोड के जरिए 120 मिलियन टन कोयले के परिवहन के अनुमान के साथ कोयला मंत्रालय ने वित्त वर्ष 2026 तक इस मार्ग से 65 मिलियन टन कोयले की ढुलाई करने का लक्ष्य रखा है।

ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफार्म जुपी ने वित्त वर्ष 2023-24 में कमाए 1123 करोड़ रुपये

एजेंसी

नई दिल्ली। ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफॉर्म जुपी ने वित्त वर्ष 2023-24 के लिए अपने वार्षिक परिणाम घोषित किए हैं। कंपनी ने इस अवधि में 1,123 करोड़ रुपये का शुद्ध राजस्व अर्जित किया और 146 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया है। 2018 में जुपी के स्थापना के बाद यह पहला अवसर है जब जुपी ने लाभ कमाया है। यहां आयोजित प्रेसवार्ता में जुपी के संस्थापक और सीईओ दिलशेर सिंह माल्ही ने कहा कि वित्त वर्ष 2023-24 हमारे लिए एक ऐतिहासिक साल रहा। स्थापना के बाद से पहली बार कंपनी लाभ में आई है और तेज़ी से गेमिंग के क्षेत्र में अपनी छाप छोड़ रही है। उन्होंने कहा कि जुपी ने ऑनलाइन स्किल-बेस्ड लूडो की शुरुआत की, जिसने ऑनलाइन गेमिंग जगत में एक नई श्रेणी बनाई। उस समय जब रम्मी

और फैंटेसी स्पोर्ट्स का बोलबाला था, जुपी ने कौशल आधारित देश के घर घर में खेले जाने वाले खेल लूडो और सांप सीढ़ी खेलों को ऑनलाइन माध्यम से आगे बढ़ाया। कंपनी की सफलता यह साबित करती है कि संस्कृति से जुड़े गेम सीमाओं और उम्र की सीमा से परे जाकर लोगों को जोड़ते हैं। दिलशेर ने कहा कि जुपी का फोकस हमेशा से नवाचार, नियमों का पालन और जिम्मेदार गेमिंग का रहा है। इसलिए जुपी भारत के गेमिंग बाजार में एक मज़बूत और भरोसेमंद नाम बनाता है। उन्होंने बताया कि आने वाले समय में देश में खेले जा रहे पारंपरिक खेलों को भी इस ऑनलाइन गेमिंग में लाने की योजना है। केन्द्र द्वारा बनाए गए नियमों और 28 प्रतिशत जीएसटी पर उन्होंने कहा कि वर्ष की दूसरी छमाही में 28 प्रतिशत जीएसटी लागू होने के कारण गेमिंग उद्योग को संरचनात्मक चुनौतियों का सामना करना पड़ा। इसके बावजूद जुपी लूडो ने अपनी तेज़ अनुकूलन क्षमता, संचालन में लचीलापन और प्रोडक्ट-केंद्रित दृष्टिकोण के कारण अपनी गति बनाए रखी।

भारतीय मानक ब्यूरो ने मानकीकरण में 500 इंटर्नशिप की पेशकश की

नई दिल्ली। राष्ट्रीय मानक निकाय भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) ने मानकीकरण के क्षेत्र में अपने साझेदार संस्थानों के 500 छात्रों के लिए इंटर्नशिप के अवसरों की घोषणा की। यह घोषणा हाल ही में आयोजित बीआईएस मानकीकरण अध्यक्षों और एमओयू भागीदार संस्थानों के नोडल संकाय के वार्षिक सम्मेलन में की गई। उपभोक्ता कार्य, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि यह इंटर्नशिप चार वर्षीय डिग्री पाठ्यक्रमों, पांच वर्षीय एकीकृत डिग्री पाठ्यक्रमों, स्नातकोत्तर डिग्री और डिप्लोमा कार्यक्रमों में नामांकित छात्रों को दी जाएगी। आठ हफ्ते की इंटर्नशिप में दो प्रमुख उद्योगों में पूर्व-मानकीकरण कार्य, बीआईएस कार्यालयों के सहयोग से क्यूसीओ (गुणवत्ता नियंत्रण आदेश) अनुपालन सर्वेक्षण और बड़े पैमाने की इकाइयों, एमएसएमई और प्रयोगशालाओं का साइट दौरा शामिल होगा। मंत्रालय के मुताबिक छात्र विनिर्माण और परीक्षण प्रक्रियाओं, कच्चे माल, इन-प्रोसेस नियंत्रण और उत्पाद की गुणवत्ता और अनुरूपता मूल्यांकन के अन्य पहलुओं पर विस्तृत अध्ययन करेंगे। सम्मेलन में 58 साझेदार संस्थानों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

लखटकिया हुआ सोना, देश-दुनिया में सोना ने बनाया मजबूती का नया रिकॉर्ड

एजेंसी

नई दिल्ली। वैश्विक अर्थव्यवस्था को लेकर बनी चिंता के कारण देश और दुनिया में सोने की कीमत में तेजी का दौर लगातार जारी है। भारत के मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) में सोना आज अपने सर्वोच्च स्तर 1,00,116 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर तक पहुंच गया। इसी तरह अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोना आज पुराने सभी रिकॉर्ड्स को ध्वस्त करते हुए 3,500 डॉलर प्रति औंस के करीब पहुंच गया। आज दिनभर के कारोबार के दौरान सोना पहली बार तीन प्रतिशत जीएसटी जोड़ने के बाद 1 लाख रुपये के स्तर को पार करके 1,00,116 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर तक पहुंचने में सफल रहा। वहीं, वायदा बाजार में एमसीएक्स पर सोना 1.76 प्रतिशत उछल कर 98,991 रुपए के स्तर पर कारोबार करता नजर आया। सोने की तरह वायदा बाजार में एमसीएक्स पर चांदी 0.62 प्रतिशत की छलांग लगा कर 95,840 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार करता नजर

आया। वहीं, जीएसटी समेत चांदी की कीमत 98,715 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर रही। भारतीय बाजार की तरह अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोना आज मजबूती के नए शिखर पर पहुंच गया। इस चमकीली धातु ने आज 3,434.37 डॉलर प्रति औंस के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। दिन के कारोबार में सोना मजबूती का नया रिकॉर्ड बनाते हुए 3,499.87 डॉलर प्रति औंस के स्तर तक पहुंच गया। इसी तरह यूएस गोल्ड फ्यूचर्स भी 1.7 प्रतिशत की मजबूती के साथ 3482.40 डॉलर प्रति औंस के स्तर पर कारोबार करता नजर आया। कैपेक्स गोल्ड एंड इन्वेस्टमेंट्स के सीईओ राजीव दत्ता का कहना है कि अमेरिका और चीन के बीच जारी टैरिफ वॉर की वजह से निवेशकों के बीच सेफ इन्वेस्टमेंट के रूप में सोने की मांग लगातार बढ़ी है। इसी तरह डॉलर इंडेक्स में आई गिरावट ने भी सोने की मांग को बढ़ा दिया है। डॉलर इंडेक्स फिलहाल 3 साल के सबसे निचले स्तर पर पहुंचा हुआ है, जिससे निवेशकों के बीच सोने का आकर्षण बढ़ गया है। इसके अलावा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और अमेरिकी फेडरल रिजर्व के चेयरमैन जेरोम पॉवेल के बीच ब्याज दर को लेकर चल रही खींचतान की वजह से भी अमेरिकी बाजार में असमंजस की स्थिति बनी हुई है। इसके कारण निवेशक वॉल स्ट्रीट की तुलना में गोल्ड मार्केट में निवेश करना ज्यादा बेहतर समझ रहे हैं।

105 कमरों वाला शापित होटल रयुगयोंग

वैसे तो उत्तर कोरिया अपने अजीबोगरीब कानूनों और मिसाइलों के परीक्षण के वजह से पूरी दुनिया में मशहूर है। लेकिन इसके साथ ही यहां ऐसी कई चीजें हैं, जो लोगों को हैरान करती हैं। इन्हीं में से एक है पिरामिड जैसे आकार और नुकीले सिरे वाली एक गगनचुंबी इमारत, जो एक होटल है। इस होटल का आधिकारिक नाम रयुगयोंग है, लेकिन इसे यू-क्यूंग के नाम से भी जाना जाता है।

उत्तर कोरिया की राजधानी प्योंगयोंग में 330 मीटर ऊंचे इस होटल में कुल 105 कमरे हैं। लेकिन आज तक कोई भी व्यक्ति यहां ठहरा नहीं है। बाहर से बेहद ही शानदार, लेकिन वीरान से दिखने वाले इस होटल को 'शापित होटल' या 'भुतहा होटल' के नाम से जाना जाता है। इस होटल को '105 बिल्डिंग' के नाम से भी जाना जाता है। कुछ साल पहले अमेरिकी मैगजीन ईस्क्वाइयर ने इस होटल को 'मानव इतिहास की सबसे खराब इमारत' करार दिया था। इस होटल के निर्माण में बहुत पैसे खर्च हुए हैं। जापानी मीडिया के मुताबिक, उत्तर कोरिया ने इसके निर्माण पर कुल 750 मिलियन डॉलर यानी करीब 55 अरब रुपये खर्च किए थे। यह रकम उस समय उत्तर कोरिया की जीडीपी की दो फीसदी थी। लेकिन फिर भी आज तक यह होटल शुरू नहीं हो पाया। वैसे तो इस होटल को दुनिया के सबसे ऊंचे होटल के रूप में बनाया जा रहा था, लेकिन अब इसकी एक अलग ही पहचान बन गई है। दुनिया इस होटल को अब 'धरती की सबसे ऊंची वीरान इमारत' के तौर पर जानने लगी है। इस खासियत की वजह से इसका नाम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में भी दर्ज है। कहते हैं कि अगर यह होटल तय समय पर पूरी तरह से बन गया होता, तो यह दुनिया की सातवीं सबसे ऊंची इमारत और सबसे ऊंचे होटल के तौर पर जाना जाता है। इस इमारत का निर्माण कार्य साल 1987 में शुरू हुआ था। बीबीसी के मुताबिक, तब यह उम्मीद जताई गई थी कि यह होटल दो साल में बनकर तैयार हो जाएगा। लेकिन ऐसा हो नहीं पाया। कभी इसे बनाने के तरीके के साथ दिक्कत हुई, तो कभी निर्माण सामग्री के साथ समस्या आ गई। इसके बाद साल 1992 में आखिरकार इस होटल के निर्माण कार्य को रोकना पड़ा। क्योंकि उस समय उत्तर कोरिया आर्थिक रूप से काफी कमजोर हो गया था।

हालांकि, साल 2008 में इसे बनाने का काम फिर से शुरू हुआ। पहले तो इस विशालकाय होटल को व्यवस्थित करने में ही करीब 11 अरब रुपये खर्च हो गए। इसके बाद फिर निर्माण कार्य शुरू हुआ। पूरी इमारत में शीशे के पैनल लगाए गए और बाकी के छोटे-मोटे काम कराए गए। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, साल 2012 में उत्तर कोरिया के प्रशासन ने ये एलान किया था कि होटल का काम 2012 तक पूरा हो जाएगा, लेकिन यह हो नहीं पाया। इसके बाद भी कई बार उम्मीदें लगाई गईं कि होटल इस साल शुरू होगा, उस साल शुरू होगा, लेकिन हकीकत तो यही है कि आज तक यह होटल खुल नहीं पाया है। कहते हैं कि अभी भी इस होटल का काम आधा-अधूरा ही है।

वैसे तो हम सब आईलैंड का नाम सुनते ही सोच लेते है कि वहां जाना रोमांच से भरा होगा। विश्व में कई ऐसे आईलैंड भी मौजूद है, जहां साल भर लोगों का आना-जाना लगा रहता है, लेकिन दुनिया में एक आइलैंड ऐसा भी है जहां सिर्फ सांपों का बसेरा है, यहां इंसानों का आना-जाना मना है। इस आइलैंड का नाम स्नेक आईलैंड है, जिसे इल्हा दा क्यूइमादा ग्राडें भी कहा जाता है। वैसे तो ब्राजील का यह आइलैंड बहुत खूबसूरत है, लेकिन यह सिर्फ 43 हेक्टेयर का एक छोटा आकार का द्वीप है। द्वीप में हरीभरी चट्टानें बड़ी तदाद में मौजूद है जो इसकी खूबसूरती को और बढ़ाता है। आइए जानें क्या है इस आईलैंड में खास

स्नेक आईलैंड - इल्हा दा क्यूइमादा ग्राडें

यहां इंसानों का आना-जाना मना है

इस आइलैंड की खास बात यह है कि यहां पाए जाने वाले सांप विश्व में कहीं नहीं पाए जाते। दुनिया के सबसे जहरीले सांपों का बसेरा भी इसी आइलैंड पर है। ऐसा कहा जाता है कि इस आइलैंड से इंसान का जिंदा लौटकर वापस जाना लगभग नामुमकिन है। बता दें कि आइलैंड पर ब्राजीलियाई नौसेना को जाने की अनुमति दी गई हैं। दरअसल, सांप की बढ़ती संख्या को देखते हुए यहां लोगों की आवाजाही पर प्रतिबंध हैं। जानकारों की माने तो स्नेक आइलैंड पर वाइपर, गोल्डन लांसहेड जैसे खतरनाक प्रजाति वाले सांप भी मिलते हैं। वाइपर सांप उड़ने में सक्षम होते हैं, इसलिए इन्हें खतरनाक माना गया है। कहा जाता है कि इन सांपों का जहर इतना खतरनाक है, जो इंसान का मांस तक गाला सकता है, इस बात से आप यह अनुमान लगा सकते है की यहां मौजूद सांप कितने खतरनाक है। यहां अलग- अलग प्रजाति के 4 लाख से भी ज्यादा सांप रहते है। यहां पाए जाने वाले सांप बेहद दुर्लभ है। इनकी कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में लाखों रुपए तक हैं। इस कारण कई तस्कर यहां आकर अवैध रुप से सांपों को पकड़ते है और उन्हें अंतराष्ट्रीय बाजार में बेच देते है।

सांपों वाले इस द्वीप का राज

जब समुद्र का जल स्तर भूमि से ढकनें लगा था, तब सांप इस द्वीप पर फंस गए थे, यह द्वीप ब्राजील से जुड़ा हुआ था। वहां के मौजूदा प्राकृतिक स्थिति में सांप ढल गए और धीरे-धीरे सांपों की संख्या बढ़ती चली गई, और फिर लोगों के लिए यहां रह पाना मुश्किल हो गया,तब से ही इसे स्नेक आइलैंड कहा जाने लगा।

कौन सा सांप है IUCN की रेड लिस्ट में शामिल

स्नेक आईलैंड में रहने वाले सांप की एक प्रजाति जिसें गोल्डन लांसहेड कहा जाता है, वह IUCN (प्रकृति और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के लिए अंतरराष्ट्रीय संघ) की रेड लिस्ट में शामिल है। बता दें इस सांप की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में 18 लाख रुपए तक है।

आइलैंड का महत्व

इस आइलैंड में सांपों के बसे होने के कारण यहां इंसान घुसपैठ नहीं कर सकते, इसलिए यह आइलैंड़ जनवरों के लिए सुरक्षित है। इसके साथ ही प्रकृति की संरचना के लिए भी यह आइलैंड बहुत महत्वपूर्ण है।

क्या होती है IUCN की रेड लिस्ट

IUCN एक अंतरराष्ट्रीय संगठन है, जो प्रकृति के संरक्षण के लिए काम करती है। IUCN की रेड लिस्ट में जिन जानवरों को रखा गया,उनकी संख्या पूरे दुनिया में बहुत कम है,और अगर इसी तरह से उनकी संख्या कम होती गई, तो एक दिन वो लुप्त हो जाएंगे। जैसे डायनासोर अब पृथ्वी पर नहीं रहे।

इस कुएं को कहा जाता है नरक का द्वार, आजतक कोई नहीं जान पाया इसका रहस्य

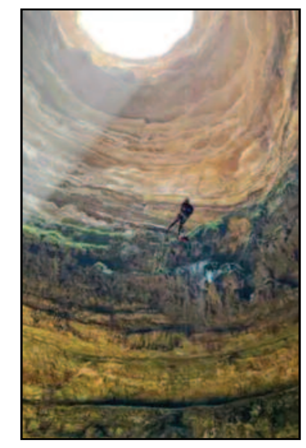

हमारी पृथ्वी पर ऐसी तमाम चीजें हैं जिनके रहस्य को आजतक कोई नहीं जान पाया.आज हम आपको एक ऐसे ही कुएं के बारे में बताने जा रहे हैं जिसे नरक का द्वार कहा जाता है.दुनियाभर के वैज्ञानिकों के लिए ये कुआं आज भी रहस्य बना हुआ है क्योंकि इसके बारे में किसी को ज्यादा जानकारी नहीं है.

नरक का द्वार कहा जाने वाला ये कुआं यमन के बरहूत में स्थित है.इसे नरक का रास्ता भी कहा जाता है.इस जगह को दुनियाभर में इसी नाम से जाना जाता हैतमाम लोगों का कहना है कि इस रहस्यमयी गड्ढे के अंदर पहले शैतानों को कैद किया जाता था.वहीं कुछ लोग ये भी मानते हैं कि इस कुएं के अंदर आज भी भूत रहते हैं.इन सब के बावजूद वैज्ञानिकों की एक टीम ने इसके अंदर प्रवेश किया है.

बता दें कि ये स्थान यमन के एक रेगिस्तान के बीच में स्थित है.इस जगह पर एक बहुत बड़ा कुआं है.लंबे समय से ये कुआं रहस्यमयी बना हुआ था.हाल ही में इस कुएं के भीतर ओमान के 8 लोगों की एक टीम ने प्रवेश किया. इसके भीतर प्रवेश करने के बाद उन्होंने ये जानने की कोशिश की कि वास्तविकता में इस कुएं के अंदर क्या है? लंबे समय से यहां के स्थानीय लोग इस बात को कहते आ रहे थे कि इस जगह पर जिन और भूत रहते हैं.गौरतलब बात है कि स्थानीय लोगों के अंदर इस जगह को लेकर इतना डर है कि वो इसके बारे में बात करने से भी डरते हैं.

संबंधित कहानियां

जब वैज्ञानिकों की टीम ने कुएं के अंदर प्रवेश किया तो उनको किसी भी प्रकार का जिन और भूत उसमें देखने को नहीं मिला.हालांकि कुएं के अंदर सांप और गुफाओं वाले मोती जरूर मिले.बता दें कि ये गड्ढा करीब 30 मीटर चौड़ा है और इसकी गहराई 100-250 मीटर तक है. ओमान केव एक्सप्लोरेशन की टीम ने इसके अंदर प्रवेश करने के बाद उसे अच्छे से एक्सप्लोर किया.

ओमान की जर्मन यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी के प्रोफेसर मोहम्मद अल किंदी बताते हैं कि गुफा के भीतर कई सांप थे, पर उन्होंने किसी पर हमला नहीं किया.गुफा की दीवारों पर कई बनावट भी दिखीं थीं.वैज्ञानिकों का कहना है कि ये गड्ढा लाखों साल पुराना है.इसमें काफी रिसर्च की जरूरत है.हालांकि गड्ढे के एकदम नीचे रोशनी नहीं पहुंचती है.जिसके चलते वहां गहरा अंधेरा है.